THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 292 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.14 2079 गुरुवार, 5 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बिहार में 15 कुत्तों को गोली मारी

बेगूसराय, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में मंगलवार शाम 15 कुत्तों को गोली मारी गई। इनके हमले में 3 दिनों में 6 लोग घायल हो चुके थे। सोमवार को एक घायल महिला की इलाज के दौरान मौत भी हो गई थी। इसके बाद पटना से शूटर्स की टीम भेजी गई। टीम ने गांव वालों की मदद से ढूंढ-ढूंढकर 15 कुत्तों का मार डाला। इससे पहले 23 दिसंबर को पटना के शूटर्स ने ही 12 कुत्तों को मारा था। हमले के सबसे ज्यादा मामले बछवाड़ा थाना क्षेत्र में आए। कुत्तों के आतंक को देखते हुए एक बार फिर वन एवं पर्यावरण विभाग पटना की टीम मंगलवार को बछवाड़ा पहुंची। इसके बाद शूटर्स की टीम ने 4 पंचायतों में 15 कुत्तों को मार गिराया।

नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी

इस पर 19,744 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार, कैबिनेट मीटिंग में मंजूरी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी गई है। इस मिशन के तहत सरकार भारत को ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाना चाहती है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा है। नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के लिए 19,744 करोड़ रुपए की मंजूरी की गई है।

इस योजना के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कंपनियों को इंसेंटिव दिए जाएंगे। इंसेंटिब पर 17,490 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। नेशनल हाइड्रोजन मिशन का ऐलान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त 2021 में किया था।

ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाने पर भी फोकस

अनुराग ठाकुर ने बताया कि ग्रीन हाइड्रोजन हब्स का विकास किया जाएगा। इससे ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादक और उपभोक्ता को एक ही जगह पर लाया जाएगा। ताकि ट्रांसपोर्टशन भी न बढ़े और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर भी एक जगह उपलब्ध कराया जा सके। 2047 तक देश को एनर्जी इंडिपेंडेंट बनाने का लक्ष्य हम प्राप्त करे इसके लिए ये बहुत जरूरी कदम है।

हाइड्रोजन और अमोनिया भविष्य के प्रमुख ईंधन

सरकार हाइड्रोजन और अमोनिया को भविष्य के प्रमुख ईंधन के रूप में मान रही है। यह भविष्य में फॉसिल फ्यूल (पेट्रोल, डीजल, कोयला) को रिप्लेस करेगा। नई पॉलिसी में कहा गया है कि ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाले मैन्युफैक्चरर्स पावर एक्सचेंज से रिन्यूएबल पावर खरीद सकते हैं। मैन्युफैक्चरर्स खुद का भी रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट लगा सकते हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन क्या होता है?

ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सबसे साफ सोर्स है। इससे प्रदूषण नहीं होता है।

ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी बनाने के लिए पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग किया जाता है। इस प्रोसेस में इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग होता है। इलेक्ट्रोलाइजर रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर, हवा) का इस्तेमाल करता है। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग ट्रांसपोर्ट, केमिकल, आयरन सहित कई जगहों पर किया जा सकता है।

त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब देव के घर पर हमला

अगरतला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के पैतृक घर के बाहर मंगलवार रात अज्ञात लोगों ने पुजारियों पर हमला कर दिया। बिप्लब का यह घर गोमती जिले के उदयपुर में हैं। घटना उस समय हुई जब कुछ पुजारी जामजुरी इलाके के राजनगर वाले घर पहुंचे। ये पुजारी देब के पिता के वार्षिक श्राद्ध समारोह में यज्ञ करने आए थे। जो बुधवार से शुरू होकर 4 दिन तक चलना था।

एक गिरफ्तार, दो घायल, पैरामिलिट्री तैनात पुलिस ने बताया कि बिप्लब देव के घर के बाहर भाजपा और माकपा समर्थकों के बीच हुई झड़प में दो लोग घायल हो गए हैं। उदयपुर अनुमंडल पुलिस अधिकारी निरूपम दत्ता ने बताया कि जामजुरी इलाके में मंगलवार रात हुई झड़प में शामिल होने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। झड़प के बाद पुलिस ने खुद ही मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। >14

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अस्पताल में एडमिट

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबियत मंगलवार से ही ठीक नहीं थी, जिस वजह से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भारत जोड़ो यात्रा में सात किलोमीटर चलने के बाद ही दिल्ली लौट आए थे। कहा जा रहा है कि सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया ह। इस दौरान प्रियंका गांधी भी उनके साथ अस्पताल में मौजूद थीं।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी बुधवार को रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं। उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोनियां गांधी श्वास संबंधी संक्रमण से जूझ रही हैं।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने सोनिया गांधी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें आज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें डॉ. अनूप बासु और उनकी टीम की देखरेख में चेस्ट मेडिसिन डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी को श्वास संबंधी संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

इकबालपुर-मोमिनपुर हिंसा मामले में एनआईए की जांच तेज, 17 स्थानों पर मारे छापे

कोलकाता, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में 17 स्थानों पर छापेमारी की। बताया गया है कि यह छापे पिछले साल 9 अक्तूबर को इकबालपुर-मोमिनपुर में हुई हिंसा मामले में जांच के तहत डाले गए। सूत्रों के मुताबिक, यह छापेमारी संदिग्ध लोगों के घरों और दफ्तरों पर की जा रही है।

गौरतलब है कि इकबालपुर थाना क्षेत्र के मोमिनपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच एनआईए को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से सौंपी गई है। भाजपा ने इस हिंसा के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी से इसकी जांच कराने की मांग की थी।

मोमिनपुर में हुआ क्या था?

अल्पसंख्यक बहुल मोमिनपुर इलाके में नौ व 10 अक्तूबर की रात को उपद्रव हुआ था। इस दौरान कई घरों पर हमले हुए थे और कई वाहन फूंक दिए गए थे। राज्य में मुख्य विपक्षी भाजपा ने इस हिंसा के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए एनआईए से जांच की मांग की थी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर हिंसा की जांच एनआईए से कराने और अशांत क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की थी।

दिल्ली हादसा : स्कूटी सवार दूसरी लड़की घबराई घर लौटी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला हिट एंड रन केस की फोरेंसिक रिपोर्ट में कार के अंदर अंजलि के होने का कोई सबूत नहीं मिला है। बुधवार को आई फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट के मुताबिक, अंजलि कार के फ्रंट लेफ्ट टायर में फंसी थी, क्योंकि इसी टायर के पीछे ज्यादातर खून के धब्बे पाए गए हैं। कार के नीचे दूसरे हिस्सों में भी खून के धब्बे मिले हैं। वहीं, हादसे की रात का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि मृतका अंजलि की दोस्त निधि रात को 2.30 बजे घर लौटी थी। उसके पड़ोसी ने बताया, 'वह बेहद घबराई हुई थी। उसे चोट लगी थी। उसने मुझसे मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर मांगा था।'

इससे पहले मंगलवार को अंजलि की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप न होने की पुष्टि हुई थी। सूत्रों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में अंजलि के शरीर पर 40 जख्मों के निशान मिलने की बात है। सिर की हड्डी भी टूट गई थी। दिल्ली के कंझावला सड़क हादसे की जांच के लिए बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंप दी है। >14

फ्लाइट में बुजुर्ग महिला पर पेशाब की

पीड़ित ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन से शिकायत की

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया की फ्लाइट में सवार एक व्यक्ति ने बिजनेस क्लास में सफर कर रही बुजुर्ग महिला पर पेशाब कर दी। घटना पिछले साल 26 नवंबर की है। इस घटना पर एयरलाइन ने कोई एक्शन नहीं लिया। बुजुर्ग महिला ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन से शिकायत की तब जाकर एयरलाइन के अफसर एक्टिव हुए और दिल्ली पुलिस में एफआईआर कराई और जांच पूरी होने तक आरोपी के हवाई यात्रा करने पर रोक लगा दी। मामला चर्चा में आने के बाद विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय ने एयरलाइन से घटना की रिपोर्ट मांगी है। एअर इंडिया ने 28 दिसंबर को दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें बताया गया है कि फ्लाइट न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली आ रही थी। इस घटना के बाद, एअर इंडिया ने एक इंटरनल कमेटी बनाई, जिसने आरोपी यात्री को नो-फ्लाई लिस्ट में रखने की सिफारिश की। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा है कि यात्री पर 30 दिन तक सफर करने पर बैन लगा दिया गया है। दोषी पाए जाने पर और कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक लंच के बाद फ्लाइट में रोशनी कम थी। कुछ लोगों को महसूस हुआ कि शख्स महिला पर पेशाब कर रहा है। इतना ही नहीं, इसके बाद भी आदमी तब तक नहीं हिला जब तक कि दूसरे पैसेंजर ने उसे जाने के लिए नहीं कहा। उधर महिला ने क्रू से बताया कि उसके कपड़े, जूते और बैग पेशाब में भीग गए हैं, तो क्रू मेम्बर ने उन्हें कपड़े और चप्पलें देकर अपनी सीट पर लौटने को कह दिया। >14

जेपी नड्डा के ही हाथों में रहेगी बीजेपी की कमान

इसलिए बने रहेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष, जानें पार्टी के अंदर की बात

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक 16-17 जनवरी को होगी और इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि 2019 से लेकर अभी तक जेपी नड्डा के नेतृत्व में जिस प्रकार से बीजेपी के संगठन में कार्य किया और बीजेपी जिस प्रकार से राज्यों में परचम लहराने में कामयाब रही है उसे देखते हुए पार्टी उन्हें 2024 तक का एक्सटेंशन देकर दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर कमान सौंप सकती है।

वहीं, आपको बता दें कि पार्टी के प्रमुख संगठनात्मक निकाय की बैठक में विभिन्न राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों का भी जायजा लिया जाएगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और देश भर के वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे।

20 जनवरी को खत्म हो रहा है नड्डा का कार्यकाल

पार्टी प्रमुख के रूप में नड्डा का तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में 20 जनवरी को पूरा हो रहा है और इस बात की पूरी संभावना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। 2024 तक नड्डा के कार्यकाल का विस्तार हो सकता है। इसके बाद बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा चुनाव के बाद होगा।

अमित शाह को भी मिला था कार्यकाल का विस्तार

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन और केंद्र में बीजेपी की सरकार के कामकाज पर भी बैठक में चर्चा हो सकती है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर संगठनात्मक चुनावों को स्थगित करने पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, अप्रैल-मई 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद पार्टी में आंतरिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। नड्डा के पूर्ववर्ती और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी का नेतृत्व करने के लिए कार्यकाल का विस्तार मिला था।

नड्डा के आरएसएस के साथ अच्छे संबंध, प्रधानमंत्री का भी विश्वास हासिल

संसदीय चुनावों के बाद ही बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव शुरू हुए और नड्डा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया और प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान शाह को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। एक अनुभवी संगठनात्मक व्यक्ति नड्डा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व के साथ भी अच्छे संबंध हैं और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास हासिल है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि उन्होंने उस संगठनात्मक गतिशीलता को बनाए रखा है, जो बीजेपी को उनके पूर्ववर्ती के कार्यकाल में मिली थी।

भारत जोड़ो यात्रा पर आ सकता है बीजेपी का रिएक्शन

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में हो रही भारत जोड़ो यात्रा के मद्देनजर बीजेपी इस बैठक में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती हैं क्योंकि कांग्रेस, बीजेपी पर ''घृणा और विभाजन'' की राजनीति करने का आरोप लगाती रही है। इस संदर्भ में एक प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता के मौके पर सरकार द्वारा आयोजित देशव्यापी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श बैठक के मुख्य आकर्षण में से एक होने की संभावना है, क्योंकि बीजेपी इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करेगी और इस कवायद में अपने कार्यकर्ताओं को शामिल करने का खाका तैयार करेगी।

कूनो नेशनल पार्क में आएंगे 12 और चीते

नयी दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कूनो नेशनल पार्क में सितंबर महीने में छोड़े गए चीतों ने पूरे देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा था। तब 8 चीतों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नेशनल पार्क में छोड़ा था। अब नई खबर यह है कि जनवरी में 12 और चीते दक्षिण अफ्रीका से भारत पहुंच सकते हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, 12 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय पार्क में ट्रांसफर करने के लिए दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों के साथ बातचीत अंतिम चरण में है और ये चीते जनवरी में पहुंच सकते हैं।

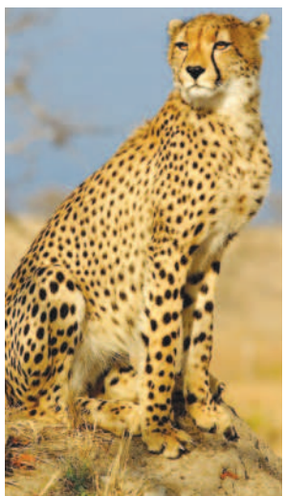

चीतों को 6 महीने से रखा गया है अलग

कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों ने कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के 20वें सम्मेलन में 7 नर और 5 मादा चीतों को लाने की तैयारियों पर एक प्रेजेंटेशन दिया था। चीतों को दक्षिण अफ्रीका में पिछले 6 महीने से अलग रखा गया है। सूत्रों ने कहा कि चीतों को दक्षिण अफ्रीका से भारत लाए जाने के लिए एक ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर अभी किये जाने हैं। हस्ताक्षर होने के बाद इन चीतों को भारत लाए जाने के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

देश में चीतों को फिर से बसाने की तैयारी

भारत के वन्यजीव संस्थान द्वारा तैयार 'भारत में चीतों को फिर से बसाने की कार्ययोजना' के अनुसार करीब 12-14 जंगली चीतों (8 से 10 नर और 4 से 6 मादा) को दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया तथा अन्य अफ्रीकी देशों से मंगाया जाना है। यह संख्या देश में चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए उपयुक्त है। कार्यक्रम के तहत शुरुआत में 5 साल के लिए ये चीते आएंगे और बाद में जरूरत पड़ने पर और चीते लाये जा सकते हैं।

पीएम ने कूनो नेशनल पार्क में छोड़े थे 8 चीते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से आये 8 चीतों की पहली खेप को गत 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय अभयारण्य में छोड़ा था। इनमें 5 मादा और 3 नर चीते थे। पर्यावरण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने पिछले महीने संसद को सूचित किया था कि कूनो में सभी 8 चीतों को अब बड़े परिसर में छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा था कि चीतों में किसी तरह की सेहत संबंधी जटिलता नजर नहीं आई है। देश में 1952 में चीते विलुप्त हो गये थे और 70 साल बाद इस पशु को पिछले साल भारत लाया गया था।

कंझावला कांड पर

पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, कहा- लोगों में भी खौफ नहीं

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला में युवती की दर्दनाक मौत मामले पर पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं. किरण बेदी ने इसी के साथ तीन बातों को जिक्र किया है. पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने मामले पर बात करते हुए कहा कि इस घटना से तीन बातें मुख्य तौर पर सामने आती हैं. पहला- पुलिस की प्रतिक्रिया करने की प्रणाली में देरी. दूसरा- लोगों में कानून को लेकर डर ना होना और तीसरा- पुलिस का सिविक एजेंसियों के साथ एकीकरण ना होना. पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने ना केवल लोगों में कानून के खौफ का ना होने की बात की बल्कि खुले शब्दों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए.

दरअसल, मृतका अंजलि का सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार (3 जनवरी) को अंतिम संस्कार हुआ. साथ ही सामने आयी पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टी नहीं हुई है. साल के पहले दिन (1 जनवरी) हुई इस घटना के बाद मृतका का पोस्टमार्टम सोमवार तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया. स्पेशल सीपी एसपी हुड्डा ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में साफ हुआ है कि युवती की मौत कार से घसीटे जाने से हुई है. इस रिपोर्ट में दुष्कर्म की कोई बात नहीं हुई. रिपोर्ट के मुताबिक, युवती के सिर, रीढ़, दोनो पैर में लगी चोट के कारण बहे खून के चलते उसकी मौत हुई है. साथ ही ये भी बताया गया कि युवती के शरीर पर ऐसी कोई चोट नहीं मिली जिससे इस बात को माना जाए कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ हो. दरअसल, कंझावला इलाके में शराब के नशे में कार सवार पांच लोगों ने एक स्कूटी सवार लड़की को सामने से टक्कर मार दी थी. इस टक्कर के चलते युवती कार के किसी हिस्से में फंस गई और कार सवार लोग उसे घसीटते हुए 10-12 किलोमीटर तक घसीटते ले गए जिस कारण उसकी मौत हो गई.

गड्ढे से बचने की कोशिश के दौरान वाहन से गिरी सॉफ्टवेयर इंजीनियर, ट्रक ने कुचला

चेन्नई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। चेन्नई में मंगलवार को गड्ढे से बचने की कोशिश के दौरान एक 22 वर्षीय महिला अपने वाहन से नीचे गिर गई, जिसके बाद उसे एक ट्रक ने कुचल दिया. पीड़िता शोभना एक निजी टेक कंपनी जोहो में इंजीनियर के तौर पर काम कर रही थी. शोभना कथित तौर पर अपने भाई को एनईईटी कोचिंग कक्षाओं के लिए एक संस्थान में छोड़ने जा रही थी. हादसे में भाई को भी चोटें आईं लेकिन वह जिंदा है और उसका इलाज चल रहा है. पुलिस ने कहा कि न तो शोभना और न ही उसके भाई ने हेलमेट पहना था. ट्रक चालक की पहचान मोहन के रूप में हुई, जिसे दुर्घटना के बाद मौके से फरार होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया. पूनमल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, उनमें से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना हुआ था. ट्रक चालक मोहन को लापरवाही से गाड़ी चलाने और मौत का कारण बनने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. नागरिक अधिकारियों ने सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी है. जोहो के सीईओ श्रीधर वेम्बु ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त किया और शोभना की मौत के लिए खराब सड़कों को जिम्मेदार ठहराया. श्रीमान वेम्बु ने ट्वीट पर लिखा, हमारे इंजीनियरों में से एक शोभना की दुखद मृत्यु हो गई जब उनका स्कूटर चेन्नई में मदुरवोयल के पास भारी गड्ढों वाली सड़कों पर फिसल गया. वह अपने छोटे भाई को स्कूल ले जा रही थी. हमारी खराब सड़कों ने उसके परिवार को दुखद नुकसान पहुंचाया है.

2022 में असम में एक भी गैंडे का शिकार नहीं हुआ

20 साल में पहली बार हुआ ऐसा

गुवहाटी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि 2022 में असम में एक भी गैंडे का शिकार नहीं किया गया. सशस्त्र कमांडो और वन कर्मियों द्वारा कड़ी निगरानी के साथ-साथ परिष्कृत तकनीक के उपयोग से असम को यह लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य ने कम से कम 20 साल बाद यह उपलब्धि हासिल की है. शायद 20-25 साल हो गए हैं, जब असम ने एक साल में एक भी गैंडे का शिकार नहीं होने की सूचना दी है. आखिरी अवैध शिकार की घटना 28 दिसंबर, 2021 को गोलाघाट जिले के हिलाकुंडा, कोहोरा में हुई थी. जून 2021 में, असम सरकार ने विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) जीपी सिंह की अध्यक्षता में 22 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया और शिकारियों के खिलाफ सतर्कता और सख्त कार्रवाई के लिए सशस्त्र कमांडो तैनात किए. सरकार ने अवैध शिकार की जांच के लिए अतिरिक्त रूप से 22 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया था, जिसमें कम से कम 11 जिलों के वरिष्ठ वन अधिकारी और एसपी और छह वन्यजीव प्रभागों के प्रभागीय वन अधिकारी शामिल थे. इन जिलों में गोलाघाट, नागांव, कार्बी आंगलोंग, बिश्वनाथ, सोनितपुर, दारंग, मोरीगांव, बक्सा, चिरांग, बारपेटा और माजुली शामिल हैं. 2013 और 2014 में कम से कम 27 गैंडों का अवैध शिकार, राज्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया था.

2016 में कम से कम 18 गैंडे मारे गए थे. इसके बाद 2021 में केवल एक गैंडे के अवैध शिकार के साथ संख्या में कमी आई. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान अब 2,613 गैंडों का घर है और राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण द्वारा नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के अनुसार इनकी संख्या बढ़ रही है. शिकारियों को स्पष्ट रूप से यह संदेश देने के लिए कि गैंडे के सींग का कोई औषधीय या मौद्रिक मूल्य नहीं है, असम सरकार ने सितंबर में सार्वजनिक रूप से 2,479 सींगों के भंडार को जला दिया था.

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर जांच के दौरान उतरवाए गए महिला के कपड़े

पीड़िता ने कहा- बेहद अपमानजनक था...!

बेंगलुरु, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षा के नाम पर एक महिला संगीतकार के कथित तौर पर कपड़े उतरवाने का मामला सामने आया है. घटना के अनुभव को साझा करते हुए पीड़िता ने कहा कि ये बेहद अपमानजनक था. उन्होंने पूछा कि आखिर एक महिला के कपड़े उतरवाने की आपको क्या जरूरत है? बेंगलुरु एयरपोर्ट अथॉरिटर ने इस पर दुख जतायाा और कहा कि मामले की जांच की जा रही है. इस एयरपोर्ट की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास है. पीड़ित महिला के ट्वीटर हैंडल से पता चल रहा है कि वह संगीत कार्यक्रम करती हैं. महिला ने ट्वीट किया, 'बेंगलुरु एयपोर्ट पर सिक्योरिटी चैकिंग के दौरान मुझे शर्ट उतारने के लिए कहा गया. सिर्फ शमीज पहनकर वहां खड़े होना बेहद अपमानजनक था. इस दौरान लोगों का आपको अजीब तरह से देखना बेहद मुश्किल क्षण थे.' बेंगलुरु एयरपोर्ट अधिकारियों ने पीड़ित महिला के ट्वीट का संज्ञान लेते हुए कहा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए था. साथ ही महिला से अपना फोन नंबर और पता शेयर करने के लिए कहा है, ताकि मामले को बारीकी से समझा जा सके. अधिकारी ने कहा, 'हमें इस घटना का दुख है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था. हमने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले को सीआईएसएफ के सामने उठाया है. एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच से लोगों को हो रही परेशानी के कई मामले बीते दिनों में सामने आए हैं. कोविड महामारी के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियों को हटाने के बाद एयरपोर्ट पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है.

महाराष्ट्र की 3 सरकारी बिजली कंपनियों के कर्मचारी 72 घंटे की हड़ताल पर

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की 3 सरकारी बिजली कंपनियों के हजारों कर्मचारी बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में बुधवार को 72 घंटे की हड़ताल पर चले गए। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा महाराष्ट्र आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (मेस्मा) लागू किए जाने के बीच यह कदम उठाया। कर्मचारी संघ के एक नेता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्यभर में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध किया जा रहा है। वहीं, सरकार ने संबंधित अधिकारियों को राज्य में बिजली की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत कर्मचारी संघ के महासचिव कृष्णा भोइर ने बताया कि आधी रात से शुरू हुई इस हड़ताल में तीनों कंपनियों के हजारों कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यभर में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध किया जा रहा है और प्रदर्शनकारी कर्मचारी अपने प्रतिष्ठानों के बाहर बने पंडालों में बैठे हैं। भोइर ने बताया कि राज्य सरकार ने उन्हें बैठक के लिए बुलाया है और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोपहर करीब एक बजे सह्याद्री गेस्ट हाउस में कर्मचारी संघ की कार्य समिति के सदस्यों से मुलाकात करेंगे। महाराष्ट्र राज्य विद्युत विपणन कंपनी लिमिटेड (महावितरण), महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (महापरेशन) और महाराष्ट्र राज्य विद्युत निर्माण कंपनी लिमिटेड (महानिर्मिती) राज्य सरकार के स्वामित्व वाली बिजली कंपनियां हैं। बिजली कंपनियों की 31 यूनियन की एक कार्य समिति महाराष्ट्र राज्य कर्मचारी, अधिकारी और अभियान संघर्ष समिति ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले महीने आंदोलन शुरू किया था। अडाणी ग्रुप की बिजली कंपनी को 'समानांतर वितरण लाइसेंस' जारी नहीं करना उनकी प्रमुख मांग है। इस बिजली कंपनी ने नवंबर 2022 में मुंबई के कुछ और इलाकों में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए लाइसेंस मांगा था।

बिजली कंपनियों के कुल 86000 कर्मचारियों, इंजीनियरों, अधिकारियों के हड़ताल पर जाने से आमजन को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र के कुल मिलाकर 36 संगठन इस स्ट्राइक में शामिल हुए हैं। हड़ताली कर्मियों का कहना है कि लगभग 96 फीसदी लोग हड़ताल में शामिल हैं, जिससे पूरी व्यवस्था लड़खड़ा गई है। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि कर्मचारियों के आर्थिक लाभ की उनकी कोई डिमांड नहीं है। एक महीने पहले उन्होंने सरकार को नोटिस दे दिया था, लेकिन सरकार ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया,

सुप्रीम कोर्ट में शिवराज सरकार को बड़ा झटका

धर्म परिवर्तन कानून के खिलाफ हाईकोर्ट का फैसला बरकरार

भोपाल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार को बड़ा झटका दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने धर्म परिवर्तन को लेकर दिए गई मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका पर नोटिस भी जारी किया है. हाईकोर्ट ने बालिग लोगों के अपनी मर्जी से विवाह करने के फैसले के खिलाफ मुकदमा चलाने को असंवैधानिक माना था. याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धर्मांतरण के सभी मामलों को अवैध नहीं माना जा सकता है. वहीं, सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने एमपी हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया था. जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया. मेहता ने सुनवाई के दौरान कहा कि अवैध धर्मांतरण के लिए शादियां की जा रही हैं और इस पर हम आंखें बंद कर बैठ नहीं सकते हैं. जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई 7 फरवरी को तय की है. मप्र धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत झूठ बोलकर या झांसा देकर, प्रलोभन, धमकी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती शादी करने या किसी अन्य धोखाधड़ी के माध्यम से धर्मांतरण को प्रतिबंधित किया गया है. वहीं, स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वालों को जिला कलेक्टरों की पूर्व मंजूरी लेना अनिवार्य है.

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस की जान को खतरा?

मिली जेड+ श्रेणी की सिक्योरिटी

कोलकाता, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी गई है। गृह मंत्रालय की ओर से यह फैसला खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर लिया है। गृह मंत्रालय को जानकारी मिली थी कि आनंद बोस पर किसी तरह का खतरा है। इसके मद्देनजर उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के कमांडो राज्यपाल सीवी आनंद बोस की सुरक्षा करेंगे।

कौन हैं सीवी आनंद बोस?

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी डॉ. सीवी आनंद बोस ने पिछले साल

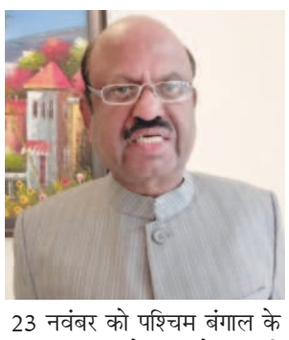

23 नवंबर को पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल के रूप में पद की शपथ ली थी। राजभवन में एक कार्यक्रम में कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राज्य के अन्य मंत्रियों और विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी की मौजूदगी में उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरल कैडर के 1977 बैच के रिटायर्ड आईएएस सीवी आनंद बोस ने कलेक्टर से गवर्नर बनने का लंबा सफर तय किया। उन्होंने आखिरी बार 2011 में रिटायर होने से पहले नेशनल म्यूजियम में एक प्रशासक के रूप में काम किया था। सीवी आनंद बोस केंद्र में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बोस ने अपने कैडर राज्य केरल और केंद्र दोनों में अलग-अलग पदों पर काम किया। वह केरल में क्विलोन जिले (अब कोल्लम) के कलेक्टर रहे हैं। उनके आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, उन्होंने राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री के सचिव और कृषि मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया।

क्या है जेड प्लस सुरक्षा?

जेड प्लस केंद्रीय सुरक्षा कवच की उच्चतम श्रेणी है। जेड श्रेणी के सुरक्षा प्राप्त करने वाले शख्स को आमतौर पर खतरे की धारणा के आधार पर बारी-बारी से 35 से 40 कमांडो प्रदान किए जाते हैं। सुरक्षा कवर में 22 सदस्यीय चालक दल शामिल हैं, जिसमें 4-5 एनएसजी कमांडो+ पुलिस कर्मी शामिल हैं और यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी सुरक्षा है। इसमें मौजूद प्रत्येक कमांडो ने विशेषज्ञ मार्शल आर्ट और निहत्थे युद्ध प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह सुरक्षा बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय वित्त मंत्री और अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों को प्रदान की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब के पैतृक घर पर हमला, विशेष समुदाय के लोगों ने लगाई आग

अगरतला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब के पैतृक घर पर हमला हुआ है। ये हमला विशेष समुदाय के लोगों द्वारा किया गया है। हमलावरों ने उनके घर में आग लगा दी है और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई है। मामले की तफ्तीश की जा रही है। पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। इसके अलावा चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है और बीजेपी कार्यकर्ता मौके पर पहुंच रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, बिप्लब के पिता की पुण्यतिथि बुधवार को है और ऐसे में इस हमले को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

'लड़की के विरोध करने पर दी एसिड अटैक की धमकी'

पांडव नगर की घटना पर बोलीं स्वाती मालीवाल, पूछा- कब तक चलेगा ये?

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराध का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है. नए साल की शुरुआत होते ही गंभीर आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं. पहले सुल्तानपुरी के कंझावला में अंजलि की दर्दनाक एक्सीडेंट और मौत हुई. उसके बाद पांडव नगर इलाके से एक और दरिंदगी की खबर सामने आई. यहां एक शख्स ने एक लड़की को जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की और जब वो नहीं मानी तो उसे तेजाब फेंकने की धमकी दे दी. इस मामले पर अब दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने ट्विटर पर लिखा, अब तक अंजलि की दर्दनाक मौत पर देश बहस ही कर रहा है और दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एक और दरिंदगी की खबर आ चुकी है. स्वाती मालीवाल ने मामले की जानकारी देते हुए लिखा, एक आदमी ने लड़की को अपनी गाड़ी के अंदर खींचने की कोशिश की और जब लड़की ने विरोध किया तो उसे तेजाब से जलाने की धमकी दी. लड़की को चोटें भी आई हैं. कब तक ये चलेगा? मामला ईस्ट दिल्ली के पांडव नगर इलाके का है, जहां साथ में नया साल न मनाने पर तेजाब फेंकने की धमकी दी गई. बताया जा रहा है कि एक युवक ने पीड़िता को जबरन जश्न में शामिल होने के लिए कहा. जब पीड़िता ने चलने से इनकार कर दिया तो युवक ने युवती पर तेजाब फेंकने की धमकी दी. इस दौरान, घटनास्थल पर मौजूद एक राहगीर ने पुलिस को पीसीआर कॉल कर, जिससे कोई अनहोनी होने से बच गई. फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. लड़की की उम्र 19 वर्ष है. पीड़िता के पिता की मौत हो चुकी है. खींचतान के दौरान युवती घायल भी हुई है, जिसके बाद युवती को प्राथमिक इलाज दिया गया है. मामले की जांच की जा रही है.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 5 जनवरी, 2023 3

सु वि चा र

हमें जिस बात की आवश्यकता है वह है- अपरिमित श्रद्धा और उसे अनुप्राणित करने वाला चरित्र।

राज्य भर के दृष्टिबाधित स्कूलों को नि:शुल्क दी जा रही हैं ब्रेल पाठ्यपुस्तकें : कोप्पुला

मंत्री ने किया लुई ब्रेल की कांस्य प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वरने कहा कि राज्य सरकार राज्य भर के दृष्टिबाधित स्कूलों को ब्रेल पाठ्यपुस्तकें और शीट निःशुल्क प्रदान कर रही है। बुधवार को यहां कल्याण भवन स्थित एक पार्क में लुइस ब्रेलकी 9 फीट ऊंची कास्य प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बोलते हुए, कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि ब्रेल किताबें और शीट विकलंगुला सहकारी निगम द्वारा संचालित एक प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार विकलांगों के लिए नौकरियों में चार प्रतिशत और शिक्षा और रोजगार क्षेत्रों में पांच प्रतिशत आरक्षण लागू कर रही है, उन्होंने कहा कि विकलांग व्यक्तियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग और अध्ययन सामग्री मुफ्त में प्रदान की जा रही है। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली और राज्य विकलांग निगम के अध्यक्ष के वासुदेव रेड्डी उपस्थित थे।

भाकपा ने विद्युत विनियम 2005 संशोधन को वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विद्युत विनियम 2005 में संशोधन करके बिजली दरों में स्वचालित मासिक संशोधन को लागू करने की केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की योजना का विरोध करते हुए, सीपीआई राज्य इकाई ने चेतावनी दी है कि अगर प्रस्ताव को तुरंत वापस नहीं लिया गया तो पार्टी इसके खिलाफ एक जन आंदोलन शुरू करेगी। बुधवार को यहां जारी एक बयान में, भाकपा तेलंगाना राज्य सचिवालय के सदस्य ईटी नरसिम्हा ने कहा कि केंद्रीय बिजली विभाग बिजली विनियम 2005 में संशोधन कर रहा है और बढ़ते ईंधन शुल्क और बिजली के बहाने उपभोक्ता के मासिक बिजली बिलों पर बोझ डालने के लिए नए नियम जारी कर रहा है। बिजली उत्पादन के लिए खरीद मूल्य उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालेगा। उन्होंने कहा कि देश में कम आय वाले परिवार बिजली के बिलों पर अपनी आय का काफी हिस्सा खर्च करते हैं और अगर सरकार बिजली उपयोगिताओं को ईंधन और बिजली खरीद शुल्क का बोझ उन पर डालने की अनुमति देती है, तो यह उन पर भारी पड़ेगा।

कांग्रेस पार्टी ने जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि उनकी पार्टी ने देश और यहां के लोगों के विकास के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन अत्यंत समर्पण और जिम्मेदारी के साथ किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को न केवल देश और उसकी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के बारे में पूरी समझ है बल्कि उन समस्याओं को हल करने के लिए कड़ी मेहनत भी करती है। उन्होंने ये बातें शहर के बोइनपल्ली स्थित गांधी विचारधारा केंद्र में आयोजित पार्टी के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर बोलते हुए, विक्रमार्क ने कहा कि पार्टी ने स्वतंत्रता के बाद से देश के सामने आने वाली अनगिनत समस्याओं का समाधान दिखाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भारतीय संविधान को मजबूत रखने के लिए अपने नेता बीआर अंबेडकर के नेतृत्व में देश को दिया। उन्होंने याद दिलाया कि पार्टी ने देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आय पैदा करने वाले क्षेत्रों, उत्पादन क्षेत्रों में कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का देश के सभी बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का इतिहास रहा है, जिसका उद्देश्य देश के लोगों को बैंकिंग सेवाएं सुलभ कराना है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के गरीब लोगों को भूमि वितरित करने के लिए भूमि सुधारों को लागू करने का कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं का देश के लिए जान कुर्बान करने का इतिहास रहा है। विक्रमार्क ने याद किया कि उनकी पार्टी की प्रधानमंत्री और देश की लौह महिला इंदिरा गांधी ने अपनी जान जोखिम में डालकर देश की राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा के लिए खालिस्तानी आंदोलन का सफलतापूर्वक दमन किया था। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी देश की एकता के लिए श्रीलंका में शांति सेना भेजकर अपने प्राणों की आहूति दी थी। उन्होंने याद किया कि उनकी पार्टी की नेता सोनिया गांधी ने एक महत्वपूर्ण समय पर पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला और देश में दस साल तक पार्टी का शासन सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को भारत के विकास के बारे में जानने की अनुमति देने के लिए कांग्रेस पार्टी ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे अधिनियम लाए थे। प्रतिद्वंद्वी बीजेपी पर निशाना साधते हुए, विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी ने सभी समुदायों के लोगों के सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों की अनदेखी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश की आजादी के छह महीने के भीतर ही महात्मा गांधी की हत्या करके जहर का बीज बो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश में सांप्रदायिक दरार और नफरत पैदा कर सत्ता का आनंद लेने की योजना बना रही है।

सलाहकार ने टीएसएमएफसी कार्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार (अल्पसंख्यक कल्याण) ए. के. खान, चेयरमैन टीएसएमएफसी मोहम्मद इम्तियाज इशाक, निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण और सीईओ शाहनवाज कासिम, वी.सी. और प्रबंध निदेशक एएचएन कांती वेस्ली, डीएमडब्लूओ मोहम्मद इलियास के साथ हैदराबाद कार्यालय का निरीक्षण। इस दौरान श्री खान को बताया गया कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल जिलों में लाभार्थियों द्वारा अल्पसंख्यकों को ऋण ऑनलाइन आवेदनों की हार्ड कॉपी जमा करने के लिए काउंटरों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने अधिकारियों को जनता के लिए अधिक काउंटर खोलने का निर्देश दिया। लाभार्थियों द्वारा हार्ड कॉपी जमा करने को सुचारू रूप से संभालने व सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को अधिक बंदोबस्त और सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने के लिए कहा गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। चेयरमैन ने सलाहकार के आर्थिक सहायता योजना के कार्यान्वयन के संबंध में मूल्यवान मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

तेलंगाना को कृष्णा जल की मांग को लेकर टीजेएस 10 जनवरी को धरना देगी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) पार्टी ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना राज्य को पूर्ण हिस्सेदारी की मांग को लेकर धरना देने का फैसला किया है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, टीजेएस के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. कोदंडाराम ने कहा कि वे 20 जनवरी को धरनी पोर्टल की समस्याओं पर एक सम्मेलन आयोजित करेंगे। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कोदंडाराम ने कहा कि वे देशव्यापी दौरा करेंगे और धरणी पोर्टल के "भ्रष्ट" कृत्यों का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केसीआर हमेशा अपने राजनीतिक फायदे को लेकर चिंतित रहते थे। उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है कि विपक्षी दलों के नेताओं को गिरफ्तार करने वाले मुख्यमंत्री अपने हालिया दिल्ली दौरे के दौरान लोकतंत्र की बात कर रहे थे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे 30 जनवरी को एक सेमिनार आयोजित करेंगे और 31 जनवरी, 2023 को एक विरोध प्रदर्शन करेंगे, जिसमें मांग की जाएगी कि केंद्र सरकार एपी पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों को पूरा करे। उन्होंने यह भी कहा कि वे केंद्र को पत्र लिखकर पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों को लागू करने का आग्रह करेंगे। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि टीआरएस पार्टी, जिसने अपना नाम बदलकर बीआरएस कर लिया है, राज्य और देश में अपने भविष्य के रास्ते के बारे में अनजान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य अगले विधानसभा चुनाव में सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों को जीतना है। उन्होंने बीआरएस पार्टी एमएलसी के कविता पर निशाना साधते हुए पूर्व से पूछा कि वह शराब के कारोबार से क्यों निपट रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी ने तेलंगाना शब्द को हटाकर तेलंगाना राज्य के शहीदों और अलग तेलंगाना राज्य के कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाया है।

गरीब लोगों के लिए वरदान है कंटी वेलुगु : बीआरएस सांसद

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम कंटी वेलुगु को गरीबों के लिए वरदान बताते हुए बीआरएस सांसद बडुगु लिंगैया यादव ने लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। राज्य भर में 18 जनवरी से कंटी वेलुगु का दूसरा चरण शुरू हो रहा है, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने गांवों, ग्राम पंचायतों और नगरपालिका वार्डों में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे एक शानदार सफलता बनाने का आग्रह किया। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, पूर्व एमएलसी पुला रवींद्र के साथ बडुगु लिंगैया यादव ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को गरीब लोगों के लाभ के लिए एक अद्भुत योजना शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह देश में एक अनूठी योजना है जो कहीं भी नहीं मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कंटी वेलुगु योजना के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और 55 लाख चश्मे अब दूसरे चरण के तहत वितरित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "कुल 55 लाख मुफ्त चश्मों में से 30 लाख रीडिंग ग्लासेज और 25 लाख प्रिस्क्रिप्शन ग्लास होंगे।" देश भर में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विस्तार के बारे में बोलते हुए, सांसद ने कहा कि भारत में गुणात्मक परिवर्तन तभी देखा जा सकता है जब बीआरएस केंद्र में सत्ता में आएगी। मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय की टिप्पणी का जवाब देते हुए, बीआरएस सांसद ने आरोप लगाया कि बंडी संजय ने संसद में तेलंगाना के मुद्दों को कभी नहीं उठाया और इसके अलावा जब केंद्र ने राज्य को धन देने से इनकार किया तो वह चुप रहे।

एचसी ने राज्य की राजधानी में सरपंचों के धरने की अनुमति दी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यहां उच्च न्यायालय ने आज राज्य के ग्राम सरपंचों को राज्य की राजधानी में धरना आयोजित करने की अनुमति दी। एचसी ने कहा कि धरने पर भीड़ 300 सदस्यों से अधिक नहीं होनी चाहिए और कहा कि सरपंचों को राज्य सरकार के खिलाफ कोई भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए। हाईकोर्ट ने राज्य के सरपंचों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। शहर पुलिस द्वारा इंदिरा पार्क में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति देने से इनकार करने के बाद सरपंचों ने एचसी का दरवाजा खटखटाया। पुलिस ने कई कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया, जिन्होंने 2 जनवरी को टीपीसीसी प्रमुख ए रेवंत रेड्डी सहित धरने का समर्थन किया था।

पुलिस ने धरने को रोकने के अपने प्रयासों में कई कांग्रेस नेताओं को नजरबंद भी रखा। प्रस्तावित धरना रद्द करने के बाद सरपंचों को मजबूरन हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

पानी की बर्बादी को रोकने के लिए जागरूकता लाएं : निरंजन रेड्डी

कृषि मंत्री ने डायरी व कैलेंडर का विमोचन किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने हैदराबाद गृहकल्प में तेलंगाना सहकारी राजपत्रित अधिकारी केंद्रीय संघ की डायरी और कैलेंडर का अनावरण किया है। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि बढ़ती संपत्ति को दुरुपयोग से बचाने के लिए सहकारिता विभाग कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षण दे। पानी की बर्बादी को रोकने और किसानों को उगाई जाने वाली फसलों के बारे में जागरूक करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहकारिता विभाग हर क्षेत्र में लोगों से लोगों के संबंध बढ़ाने की जिम्मेदारी ले, अगर सहकारी समितियों को मजबूत नहीं किया जाता है, तो कॉर्पोरेट सिस्टम जड़ पकड़ेंगे। सहयोगी कर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए पुख्ता प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय सहकारी कर्मचारी संघ के नेता नरसिम्हा रेड्डी, संघ के अध्यक्ष जगन मोहन राव, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सुमित्रा, श्रीनिवास राव, टीएनजीओ के महासचिव सत्यनारायण आदि उपस्थित रहे।

जंगल में लापता बालक को वनकर्मियों ने बचाया

कडपा, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घने जंगल एक आठ साल के बालक के लापता होने से उसके घर वाले परेशान थे। गायब हुए बच्चें को बचाने में वनकर्मी सफल रहे। बचाए जाने और लड़के के माता-पिता को सौंपने के बाद इस मामले का अंत खुशी से खत्म हो गया। घटना कडपा जिले के बडवेल में हुई। गौरतलब है कि सुमन मवेशी चराने के लिए अपने पिता के साथ टेकुरुपेट जंगल गया था। इसी बीच वह लड़का जंगल में लापता हो गया। उसके पिता ने वन अधिकारियों को सूचित किया। बीती रात से ग्रामीण और वन अधिकारी जंगल में लड़के की तलाश कर रहे थे। आखिरकार ग्रामीणों और वन अधिकारियों ने सुबह लड़के को बचा लिया और उसके माता-पिता को सौंप दिया।

जीएचएमसी आयुक्त डी.एस. लोकेश कुमार ने बुधवार को जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी से मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इंजीनियर इन चीफ, आवास ओएसडी, अपर आयुक्त, अंचल आयुक्त, नगर नियोजन अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, उपायुक्त, स्थायी समिति के सदस्यों आदि ने महापौर को नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

टी. जय सिंह
माता : टी. पिंकी बाई
पिता : टी. किशोर सिंह

बीएसएससी परीक्षार्थियों पर लाठीचार्ज

पटना में राज्यभर से आए अभ्यर्थी, तीनों पाली की परीक्षा रद्द कराना चाह रहे

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) की तृतीय स्नातक स्तर की प्राथमिक परीक्षा (पीटी) पेपर आउट के कारण सुर्खियों में रही। अब इसके परीक्षार्थियों पर पुलिस के डंडे बरस रहे हैं। बुधवार को प्रदर्शन के लिए राज्यभर से पटना आए प्रदर्शनकारियों पर राजधानी के डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भारी फजीहत के बाद आयोग ने पहली पाली की परीक्षा रद्द कर दी, लेकिन परीक्षा के दौरान दिखी लापरवाही और बाकी पेपर आउट होने की अपुष्ट खबरों के आधार पर अभ्यर्थी तीनों पाली की परीक्षा रद्द कराने की मांग कर रहे हैं। पहली पाली का प्रश्नपत्र 11 बजे के पहले ही आउट हो गया था। इसकी जांच कर रही आर्थिक अपराध शाखा को परीक्षा के दौरान कई तरह की खामियां मिली थीं।

भोजपुर और मधुबनी के एसपी पर 5-5 हजार का जुर्माना

सासाराम (रोहतास), 4 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतास व्यवहार न्यायालय ने भोजपुर एवं मधुबनी के एसपी पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मंगलवार को जिला व्यवहार न्यायालय स्थित एडीजे प्रथम मनोज कुमार की अदालत में गवाही हेतु लंबित 11 साल पुराने एक मामले में मधुबनी एसपी, भोजपुर एसपी सहित राजपुर थानाध्यक्ष के खिलाफ 5-5 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया है। उक्त मामला राजपुर थाना कांड संख्या 37/12 से जुड़ा है इसका ट्रायल उक्त कोर्ट में पत्र वाद संख्या 109/2017 में चल रहा है कोर्ट ने इस मामले में एसपी रोहतास के माध्यम से उक्त तीनों पदाधिकारियों को मामले के गवाहों को प्रस्तुत कराने का आदेश जारी किया था। नियत तिथि के बीत जाने के बाद कोर्ट ने कई बार उक्त पदाधिकारियों को सभी कानून सम्मत आदेश जारी किया जिसके बावजूद भी उक्त तीनों पदाधिकारी गवाहों को कोर्ट में प्रस्तुत कराने में आज तक लापरवाही बरत रहे थे। कोर्ट ने हर्जाने की राशि अगली नियत तिथि तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार में जमा करने का आदेश जारी किया है।

ओबीसी आरक्षण पर योगी सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगी

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ द्वारा दिए गए निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इस फैसले से योगी सरकार को राहत मिली है। हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण को निरस्त करते हुए सरकार को जल्द से जल्द चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद से यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है और साथ ही दूसरे पक्ष को नोटिस जारी कर तीन हफ्तों के अंदर उनसे जवाब मांगा है। 27 दिसंबर को हाई कोर्ट के निर्णय के बाद मचे राजनीतिक हंगामे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान जारी किया था और मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाने की बात कही थी। वहीं, मामले पर पांच सदस्यीय आयोग का भी गठन किया गया था। गठित किए गए आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राम अवतार सिंह हैं। इसकी एक बैठक बीते दिनों लखनऊ में भी हो चुकी है। आयोग के चार अन्य सदस्य सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चौब सिंह वर्मा, महेंद्र कुमार, राज्य के पूर्व कानूनी सलाहकार संतोष कुमार विश्वकर्मा और ब्रजेश कुमार सोनी हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में निमंत्रण के बाद भी नहीं पहुंचे राकेश टिकैत

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर चुकी है। बुधवार को उनकी यात्रा का दूसरा दिन है लेकिन उनके साथ विपक्ष का एक भी नेता अभी तक नहीं जुड़ा है।

किसान नेता राकेश टिकैत को भी यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया गया था। खबर थी कि टिकैत भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे लेकिन अब उन्होंने वहां जाने से मना कर दिया है। उन्होंने साफतौर पर कह दिया है कि किसान यूनियन के कार्यकर्ता चाहें तो भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकते हैं लेकिन पार्टी के पदाधिकारी यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश के तीन जिलों गाजियाबाद, शामली और बागपत से होकर गुजर रही है। तीनों जिले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के वे इलाके हैं, जहां राकेश टिकैत का अच्छा-खासा प्रभाव है। किसान

आंदोलन के समय में भी यही इलाका काफी ऐक्टिव था। ऐसे में राकेश टिकैत का कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना एक महत्वपूर्ण घटना होती लेकिन बुधवार को टिकैत ने साफतौर पर कह दिया कि उन्हें न्योते तो मिल रहे हैं लेकिन वह यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

कार्यकर्ताओं को छूट

इतना ही नहीं, टिकैत ने कहा कि भाकियू के जिलाध्यक्ष पद से ऊपर का कोई भी कार्यकर्ता भारत जोड़ो यात्रा में नहीं जाएगा। बाकी कार्यकर्ताओं के लिए छूट है कि वे इसमें शामिल हो सकते हैं। राकेश टिकैत से जब यह पूछा गया कि वह भारत जोड़ो यात्रा में क्यों शामिल नहीं हो रहे हैं तो उन्होंने कहा कि हमारा संगठन गैर-राजनीतिक संगठन है और हमारी पार्टी में कई विचारधारा के लोग हैं। हम यात्रा में नहीं जा रहे हैं लेकिन पार्टी में कोई ऐसा आदमी भी हो सकता है, जो किसान संगठन में भी हो और यात्रा में भी जाए।

टिकैत ने कहा कि हमारा आंदोलन सरकार की नीतियों के खिलाफ है। कांग्रेस की भी कई राज्यों में सरकार है। छत्तीसगढ़ में हम उनके खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस से उनके किसान नीति के बारे में बात करना चाहते हैं। 9 जनवरी को हरियाणा में हम कांग्रेस के नेताओं से बात करेंगे।

यात्रा का स्वागत करने वाले ये टिकैत!

कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के लिए विपक्षी दलों में अखिलेश यादव, मायावती और जयंत चौधरी को भी न्योता दिया था। सभी नेताओं ने राहुल गांधी को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा में शामिल होने से मना कर दिया। मंगलवार को यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश से पहले कहा जा रहा था कि गाजियाबाद में किसान नेता राकेश टिकैत यात्रा का स्वागत करेंगे लेकिन वह भी यात्रा में नहीं दिखे। उन्होंने खुद को गैर-राजनैतिक संगठन बताकर यात्रा से किनारा कर लिया।

कांग्रेस के कार्यक्रम से किनारा

कहा जा रहा है कि टिकैत कांग्रेस की इस यात्रा में शामिल होकर किसान आंदोलन को राजनैतिक बनाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा भी है कि कई प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है, जहां वो उनके खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इससे पहले भी यूपी चुनाव से पहले टिकैत का नाम अखिलेश यादव के साथ जोड़ा जा रहा था कि वह सपा को समर्थन देने का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, टिकैत भाजपा के खिलाफ खुले तौर पर सपा के साथ नहीं आए।

मशहूर हस्तियों ने लिया हिस्सा

बता दें कि कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा में कमल हासन, रघुराम राजन, अमोल पालेकर, पूजा भट्ट, स्वरा भास्कर, रामचंद्र गुहा, रोहित वेमुला की मां जैसी कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया था। उत्तर प्रदेश में भी ऐसी ही उम्मीद थी कि कई महत्वपूर्ण राजनैतिक और गैर राजनीतिक हस्तियां इसमें हिस्सा लेंगी लेकिन अभी तक यूपी की ऐसी किसी हस्ती के यात्रा में शामिल होने की खबर नहीं है।

आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से झटका

यूपी से बाहर केस ट्रांसफर करने की मांग खारिज, हाईकोर्ट जाने का निर्देश

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल, सपा नेता ने एक याचिका दायर कर सर्वोच्च न्यायालय से अपील की थी कि उनके खिलाफ यूपी में दर्ज कुछ केसों को दूसरे राज्यों में ट्रांसफर कर दिया जाए। कोर्ट ने उनकी इस मांग को नकारते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने के लिए कहा और निर्देश दिए कि उनकी याचिका पर जल्दी सुनवाई की जा सकती है।

वकील कपिल सिब्बल के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए आजम खां ने कहा, मुझे राज्य में न्याय नहीं मिलेगा। मुझे जबरदस्ती सताया जा रहा है। यह कोई जज नहीं, बल्कि राज्य कर रहा है। एक राज्य के अंदर हर जगह स्थिति एक जैसी ही रहेगी। इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एसए नजीर की बेंच ने कहा कि आजम खां के खिलाफ आपराधिक केसों को ट्रांसफर करने के लिए और पुख्ता वजहें चाहिए होंगी।

बेंच ने कहा, जब हम किसी केस को ट्रांसफर करते हैं तो हमें ज्यादा बड़ी वजहों को देखना होता है। हम आपको इलाहबाद हाईकोर्ट जाने की स्वायत्ता देते हैं। गौरतलब है कि आजम के खिलाफ यूपी में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और हाल ही में एक केस में दोषी पाए जाने पर उनकी विधानसभा सदस्या भी जा चुकी है।

चायपत्ती की जगह डाल दी चूहा मारने की दवा

चाय पीते ही बहन और दोनों भाइयों की हालत बिगड़ी

चंदौली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। खबर यूपी के चंदौली जिले से है जहां सदर कोतवाली क्षेत्र में एक परिवार में युवती ने चाय बनाते समय चायपत्ती की जगह चूहा मारने की दवा डाल दी। चाय पीते ही परिवार के तीन सदस्यों की हालत बिगड़ गई। आनन फानन तीनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में सभी का उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यालय स्थित कांशीराम आवास में राजधनी का परिवार रहता है। 38 वर्षीय राजधनी की बेटी चाय बना रही थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान बिजली चली गई तो उसने गलती से चायपत्ती की जगह चाय में चूहा मारने की दवा डाल दिया।

चाय बनने के बाद उसे राजधनी ने खुद पी और अपने दो भाइयों 18 साल के गणेश और 12 साल के दिनेश को भी दिया।

चाय पीते ही तीनों की हालत बिगड़ने लगी। बेटी ने शोर मचाकर आस पास के लोगों को बुलाया और आनन फानन तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां गंभीर हालत में तीनों का उपचार जारी है।

छुट्टा जानवरों की समस्या से मिलेगी राहत

सीएम योगी का निर्देश, गोशालाओं के लिए बनाएं सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोशाला चलाने के लिए उसकी अर्थव्यवस्था बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए एक सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गोशालाओं का निर्माण पीपीपी मोड पर किया जाए। साथ ही उन्हें नेचुरल फार्मिंग, गोबर पेंट, सीएनजी और सीबीजी से जोड़ा जाए। इससे गोशालाएं आर्थिक रूप से सुदृढ़ होंगी और गायों के रखरखाव एवं पालन पर आने वाला खर्च खुद उठा सकेंगी। सीएम योगी ने कहा कि गोशाला संचालन के लिए इच्छुक एनजीओ के साथ एमओयू करें और उन्हें आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वृहद गौ आश्रय स्थल के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। इस दौरान पशुधन मंत्री के साथ ही वित्त, ऊर्जा, पंचायतीराज, ग्राम विकास

विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान उत्तर प्रदेश में दो से तीन हजार गोवंश धारण की क्षमता वाले आश्रय स्थलों के निर्माण को लेकर प्रस्तुतिकरण दिया गया। सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई गई सहभागिता योजना को पूरे प्रदेश में तेजी के साथ आगे बढ़ाया जाए। इस योजना के तहत निराश्रित गोवंश को पालने वाले किसानों को प्रति गोवंश 900 रुपये मासिक दिए जा रहे हैं। भू सत्यापन के बाद किसानों को उनका भुगतान किया जाए। प्रेजेंटेशन का अवलोकन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पशु संवर्धन, संरक्षण के लिए सेवाभाव के साथ सतत प्रयासरत है। गोवंश सहित सभी पशुपालकों के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र लोगों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि पशुधन विभाग व्यवहारिक रूप से योजना बनाए। विभागीय अधिकारी अनिर्णय की स्थिति से बचें और रुचि व प्राथमिकता के आधार पर गो सेवा के लिए कार्य योजना तैयार करें। हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पूरे साल का प्रबंधन कैसे हो इसका ख्याल रखकर कार्य योजना बनाई जाए।

इंटर्न से अश्लील हरकत का विरोध

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बुधवार का दिन राजधानी पटना में भीषण ठंड के बीच गरमी का एहसास कराने वाला रहा। बीएसएससी परीक्षार्थियों पर लाठीचार्ज का मामला ठंडाने के पहले ही लॉ के छात्र सड़क पर उतर आए। सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतरे लॉ स्टूडेंट एक इंटर्न लॉ छात्रा से अश्लील हरकत में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर रिहा सीनियर एडवोकेट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं की मांग है कि आरोपी एडवोकेट का लाइसेंस भी रद्द किया जाए और जमानत रद्द कर पुलिस उन्हें गिरफ्त में ले। अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं का नारा गूंज रहा- पुलिस-प्रशासन ध्यान दो, वह तुम्हारी बेटी है। पुलिस ने पटना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट निरंजन सिंह को उनके निवास से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था।

अंचल का राजस्व कर्मी दबोचा गया

सहरसा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सहरसा का कहरा अंचल अब नामी हो गया। पिछली बार एक अंचलाधिकारी को निगरानी ने घूस लेते दबोचा था, अब इसी अंचल के राजस्व कर्मचारी को घूसखोरी में रंगे हाथ पकड़ा गया है। समाहरणालय परिसर में 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए राजस्व कर्मचारी का नाम संतोष झा है। कहरा अंचल के बनगांव मौजा का राजस्व कर्मी संतोष झा पहले सर्किल इंस्पेक्टर के प्रभार में भी रह चुका है।

बुधवार को जब निगरानी की कार्रवाई में संतोष के रंगे हाथ पकड़े जाने की खबर फैली तो अधिकारियों-कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

11 एक्टिव केस, पटना समेत 5 जिलों में कोरोना के 16 मरीज

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा के दर्शन हेतु गया पहुंचे विदेशी सैलानियों के जरिए बिहार के गया तक पहुंचा कोरोना अब राज्य के पांच शहरों में फैल चुका है। गया में सबसे ज्यादा एक्टिव 11 केस हैं। इस बीच पटना में दो, अरवल, भागलपुर और दरभंगा में एक-एक केस सामने आया है। पटना में केस निकलने के बाद कोरोना के बुरी तरह फैलने का खतरा रहता है। अबतक कोरोना की जितनी भी लहरें आईं, उसमें सबसे तेज संक्रमण पटना में ही फैला है और सबसे ज्यादा मौतें भी यहीं हुईं।

केस कम, मगर जांच के अनुपात में बढ़ता ट्रेंड

राज्य के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी ताजा अपडेट में दिख रहा ट्रेंड बता रहा है कि अलर्ट रहने की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

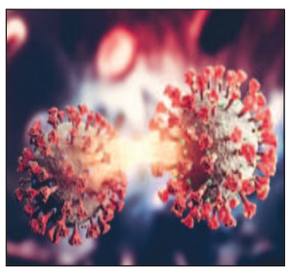

31 दिसंबर को हुई 50,873 जांच में सिर्फ एक पॉजिटिव केस सामने आया था, जबकि पहली जनवरी को 20,089 ही जांच के बावजूद दो पॉजिटिव केस सामने आए थे। इसके बाद 02 जनवरी को 49,241 की रिपोर्ट में तीन पॉजिटिव केस सामने आए। 03 जनवरी को रात में जारी रिपोर्ट के अनुसार राज्य में कोविड के 16 एक्टिव केस हैं।

अबतक बड़ा खतरा नहीं दिखा, मगर भूलना नहीं चाहिए

राज्य में सरकारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना की शुरुआत से अबतक 8,51,400 पॉजिटिव केस आए, जिनमें 12,302 की मौत सरकारी दस्तावेजों में दर्ज हुई। वही मौतें दर्ज हुईं, जिनकी मौत के समय कोविड की रिपोर्ट पॉजिटिव थी। कोविड निगेटिव रिपोर्ट आने के तुरंत बाद मरने वालों के परिजन आज भी मुआवजा हासिल नहीं कर सके हैं। सबसे ज्यादा कोविड मरीजों का इलाज पटना में हुआ और राजधानी में संक्रमण भी तेजी से फैल रहा था, इसलिए यहां सबसे ज्यादा 2851 मौतें दर्ज हैं।

इसके बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल की सुविधा वाले जिलों में मौतें ज्यादा हुईं। फिलहाल जिन जिलों में कोरोना के एक्टिव केस हैं, उनमें गया में 374, दरभंगा में 372, भागलपुर में 362 के अलावा अरवल में 110 मौतें दर्ज हैं।

बिकरू कांड : 2 साल से जेल में बंद खुशी दुबे को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

हाई कोर्ट ने खारिज की थी याचिका

कानपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर के बहुचर्चित बिकरू हत्याकांड में आरोपी अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सशर्त जमानत दे दी। वह कानपुर देहात जेल में 2 साल से बंद हैं। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। बुधवार को सर्वोच्च अदालत ने खुशी दुबे को जमानत देते हुए कहा कि घटना के वक्त उनकी उम्र सिर्फ 17 साल की थी। मामले में ट्रायल शुरू हो चुका है। ऐसे में उन्हें हवालात में रखने का कोई औचित्य नहीं है। बता दें कि दो साल पहले हुए कानपुर के बिकरू कांड में 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। मामले के मुख्य आरोपी विकास दुबे को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया था।

खुशी दुबे बिकरू कांड में दो साल से जेल में बंद हैं। बुधवार को उनके मामले पर सुनवाई करते

हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घटना के समय वह सिर्फ 17 साल की थीं। मामले में ट्रायल चल रहा है, ऐसे में उन्हें जेल में रखने का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि खुशी दुबे के जमानत की शर्त ट्रायल कोर्ट तय करेगा। खुशी दुबे के वकील शिवाकांत दीक्षित ने बताया माती स्थित कोर्ट में जमानती पत्र दाखिल कर खुशी को जेल से रिहा कराया जाएगा। उन्हें हर हफ्ते एसएचओ के सामने हाजिरी लगानी होगी। बता दें कि इससे पहले इलाहाबाद जिला अदालत और हाई कोर्ट ने खुशी दुबे को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

यूपी चुनाव में उछला गिरफ्तारी का मुद्दा

साल 2022 के यूपी विधानसभा में खुशी दुबे की गिरफ्तारी का मामला खूब उछाला गया था। इसे ब्राह्मण समाज पर 'अत्याचार' बताते हुए सपा, बसपा से लेकर कांग्रेस तक ने योगी सरकार पर निशाना साधा। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने तो यूपी विधानसभा चुनाव में खुशी की बहन नेहा तिवारी को कल्याणपुर सीट से टिकट भी दे दिया लेकिन वह चुनाव नहीं जीत सकीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी खुशी दुबे की मां से भी मिली थीं।

मामला साल जुलाई 2020 का है। चौबेपुर के तत्कालीन सीओ के साथ पुलिस फोर्स विकास दुबे नाम के बाहुबली को गिरफ्तार करने के लिए गई थी। वहां विकास दुबे के गुर्गों ने उन पर फायरिंग कर दी। इस दौरान 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए। घटना के बारे में सुनकर देश भर के लोग हिल गए। विपक्षी दलों ने योगी सरकार को घेरा तो मामले में ताबड़तोड़ ऐक्शन लिए गए। गैंगस्टर ऐक्ट की कार्रवाई करते हुए दुबे के घर पर बुलडोजर चलवा दिया गया। विकास दुबे, अमर दुबे समेत मामले के 4 आरोपियों को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। वहीं, अमर दुबे की नवविवाहिता पत्नी खुशी दुबे पर हमलावरों को उकसाने के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया। सह अभियुक्त बनाकर खुशी दुबे को जेल में डाल दिया गया। बिकरू कांड के दो दिन पहले ही खुशी दुबे की अमर दुबे से शादी हुई थी।

शराब की खबर पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला

भोजपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बोधा टोला गांव में अवैध शराब के अड्डे पर छापामारी करने गई पुलिस टीम पर धंधेबाजों ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इसमें एएसआई समेत छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। आरोपियों ने पुलिस की गाड़ी पर हमला कर दिया जिसके कारण पुलिस जीप भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में घायलो का इलाज जगदीशपुर अस्पताल में कराया गया। इसे लेकर काफी देर रात तक इलाके में अफरातफरी मची रही। इसे लेकर पुलिस ने तीन दर्जन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर छापेमारी तेज कर दी है। उधर सभी आरोपी गांव छोड़कर फरार हो गए हैं। बताया जा राह है कि धनगाई पुलिस टीम को बोधा टोला गांव के एक घर में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की सूचना मिली थी। इसके बाद एएसआई विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम को गांव भेजा गया था। इस दौरान शराब को लेकर घर की तलाशी के दौरान पुलिस ने एक धर दबोचा।

सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल बनाए जाने पर अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट कर जैन मुनि सुज्ञेयसागर के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अखिलेश यादव ने इसे लेकर भाजपा पर भी निशाना साधा और कहा कि जैन तीर्थों की शुचिता की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। भाजपा सरकार की हृदयहीनता से समस्त विश्व में भारत की पंथ निरपेक्ष छवि खंडित हुई है।

अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि शाश्वत जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल बनाए जाने के विरोध में जैन मुनि सुज्ञेयसागर जी ने प्राण त्याग दिए। भावपूर्ण श्रद्धांजलि! जैन तीर्थों की शुचिता की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। भाजपा सरकार की हृदयहीनता से समस्त विश्व में भारत की पंथ निरपेक्ष छवि खंडित हुई है।

उप चुनाव के परिणाम के बाद निकाय चुनाव टाल रही भाजपा

इसके पहले दिए गए बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव में

समाजवादी पार्टी की बंपर जीत से भाजपा डर गई है। इसलिए भाजपा निकाय चुनाव को जान बूझकर टाल रही है। इसीलिए भाजपा सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विपरीत निकाय चुनाव का आरक्षण किया। इसके बाद फिर उच्च न्यायालय में भी गलत शपथ पत्र दिया।

उन्होंने कहा कि अच्छे दिनों का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने केवल महंगाई और बेरोजगारी ही दी है। भाजपा सरकार में सभी व्यवस्थाएं बदहाल हैं। नालियां, गंदगी, जाम पूरे प्रदेश में ये समस्याएं लोगों के सामने बनी हुई हैं। इनसे सरकार लोगों को निजात नहीं दिला पा रही है। इसी के कारण निकाय चुनाव को टालने का काम कर रही है।

डीजीपी ने दो आईपीएस को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

वामपंथी संगठनों और अपराधियों के इंटरस्टेट गिरोह के खिलाफ तेज होगा ऑपरेशन

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। प्रिवेंशन ऑफ क्राइम को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार में वामपंथी उग्रवादी (नक्सली) संगठनों और अपराधियों के इंटर स्टेट गिरोह के खिलाफ बड़े स्तर पर ऑपरेशन की शुरुआत होगी। इस ऑपरेशन को काफी तेजी से चलाया जाएगा। जब कभी भी और जिस जगह पर ऑपरेशन चलेगा, उसकी गहनता के साथ मॉनिटरिंग भी होगी। दो स्तरों पर बिहार पुलिस ने ऑपरेशन चलाने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी की तरफ से एक खास आदेश जारी कर बिहार पुलिस के दो आईपीएस अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

जयंतकांत और संजय कुमार

सिंह को मिली जिम्मेदारी

वामपंथी उग्रवादी संगठनों और इंटरस्टेट अपराधियों के बिहार में एक्टिव गिरोह के खिलाफ ऑपरेशन की जिम्मेदारी डीजीपी ने आईपीएस जयंत कांत और संजय कुमार सिंह को सौंपी है। दरअसल, जयंत कांत वर्तमान में बिहार आर्म्ड स्पेशल पुलिस (बीएसएपी) के सेंट्रल डिवीजन के डीआईजी हैं। इससे पहले वो मुजफ्फरपुर के एसएसपी थे। नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का अच्छा अनुभव भी है। इसी तरह आईपीएस संजय कुमार सिंह को वर्तमान में एटीएस के एसपी हैं। लेकिन, डीजीपी के आदेश के बाद से ये दोनों ही अधिकारी अपने काम के अलावा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के तहत भी काम करेंगे।

दरअसल, एडीजी ऑपरेशन सुशील मान सिंह खोपड़े ने डीजीपी से नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने के लिए डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारियों की डिमांड की थी। इसके लिए डीजीपी को एक लेटर भी लिखा था। एडीजी की मांग जरूरी थी। इस लिए डीजीपी ने मांग को तुरंत माना और फिर लिखित तौर पर अपना एक आदेश भी जारी कर दिया।

दोनों ही अधिकारियों की तरफ से 3 जनवरी को लेटर लिखा गया था। राज्य के अंदर और बाहर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एसटीएफ कई स्तर पर काम करती है। इसके लिए अब तक एसटीएफ के अंदर कई अलग-अलग सेल बनाए गए हैं।

खतरे के बीच बढ़ी टेस्टिंग

कितने आए नए केस, देश में कोविड की पूरी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान सहित कई देशों में कोरोना का प्रकोप जारी है. दुनियाभर में कोरोना से हो रही मौतों ने लोगों के बीच कोहराम मचा दिया है. बढ़ते कोरोना के मामलों को देख भारत में तैयारी तेज है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार (4 जनवरी) को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 के 175 नए मामले सामने आए जबकि सक्रिय मामले 2,570 हैं. देशभर में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कुल 220.11 करोड़ टीके की खुराक दी जा चुकी हैं. जिनमें 95.13 करोड़ दूसरी डोज और 22.41 करोड़ बूस्टर डोज शामिल हैं. इसके आलावा पिछले 24 घंटों में 48,292 खुराक डोज दी गई हैं. भारत का

वर्तमान में सक्रिय केसलोड 2,570 है.

24 घंटें में किए गए हैं 2,01,690 टेस्ट

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना से 187 लोग ठीक हुए हैं, जिससे कुल ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,45,854 हो गई है और सक्रिय मामले 0.01% हैं. इसके साथ ही ठीक होने की दर वर्तमान में 98.8 फीसदी है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि डेली पॉजिटिविटी रेट 0.09 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 0.12 प्रतिशत है. जानकारी के मुताबिक, देश में कुल 91.13 करोड़ टेस्ट किए गए हैं. वहीं, पिछले 24 घंटों में 2,01,690 टेस्ट किए गए हैं.

बीएफ.7 वेरिएंट ने बढ़ाई परेशानी

भारत सरकार ने चीन में कोरोना से बेकाबू हुए हालात को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं. चीन में कोरोना के मामले रोज बढ़ते ही जा रहे हैं, जिसकी वजह से मौतों का आंकड़ा भी आसमान छू रहा है. कोरोना का नया बीएफ.7 वेरिएंट चीन में तेजी से फैल रहा है. बाकी देशों में भी कोरोना के मामले बढ़ने की रिपोर्ट्स आ रही हैं. भारत में चीन से आने वाले यात्रियों के लिए कोरोना टेस्ट शुरू कर दिया गया है. कोरोना के नए बीएफ.7 वेरिएंट के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए भारत सरकार जुटी हुई है. कोरोना को भारत में फैलने से रोकने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पहले ही राज्यों को गाइडलाइन जारी कर चुका है.

पंडोह डैम में गिरा तेल का टैंकर, दो लोगों की मौत बचाव अभियान जारी

मंडी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर मंडी से 22 किलोमीटर दूर कुल्लू की तरफ पंडोह डैम में टैंकर अनियंत्रित होकर जा गिरा। इस हादसे में अभी तक दो लोगों के शव बरामद हुए हैं जबकि पुलिस ने आशंका के आधार पर सर्च ऑपरेशन को जारी रखा हुआ है। सर्च ऑपरेशन इसलिए किया जा रहा है क्योंकि यह मालूम नहीं कि टैंकर में दो ही लोग थे या फिर ज्यादा लोग सवार थे। हादसा सुबह का बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पंडोह पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और मंडी से एसडीआरएफ की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। टैंकर पर पंजाब का नंबर अंकित है जोकि पीबी 65 एजी 5656 है। यह टैंकर पंजाब का है और कुल्लू की तरफ तेल छोड़कर वापस आ रहा था। हादसे में मारे गए लोगों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है।

फूड पॉइजनिंग से नर्स की मौत

केरल के 40 होटल बंद, 62 पर लगाया गया जुर्माना

तिरुवनंतपुरम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के कोट्टयम में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स की फूड पॉइजनिंग की बजह से मौत हो गई. इसके बाद केरल के खाद्य सुरक्षा विभाग ने 40 होटलों को बंद करा दिया. वहीं, 62 पर जुर्माना लगाया गया है. वहीं, राज्यभर में छापे मारने के बाद 28 अन्य होटलों को चेतावनी दी गई है. सत्तारूढ़ माकपा के युवा संगठन डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों ने भी कोट्टयम में होटल पार्क पर हमला किया, जहां नर्स रेशमी राज (33) ने अरबी चिकन डिश 'अल फहम' का ऑर्डर दिया था. खाना खाने के बाद रेशमी की तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद में उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया और सोमवार को उसकी मौत हो गई. अधिकारियों ने कहा कि बाद में उसी होटल में खाना खाने वाले 20 अन्य लोगों को अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां पर उनका इलाज चल रहा है. खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने होटल का लाइसेंस भी कैंसिल कर दिया है और इसे बंद करने का आदेश दिया है. कोट्टयम में सहायक खाद्य आयुक्त सीआर रणदीप ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी और विदेशी पकवानों के साथ जो मेयोनेज खाया जाता है, वो बासी हो जाता है जिससे आसानी से फूड पॉइजनिंग हो जाती है और कीमा भी समस्या पैदा करता है, अगर इसे अच्छी तरह नहीं पकाया गया. घटना के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग के मंत्री के निर्देश पर राज्य के कोल्लम, तिरुवनंतपुरम और एर्नाकुलम जिलों में कई फूड जॉइंट्स पर छापेमारी की गई.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा में कल से दूसरा फेज

पानीपत से एंट्री, करनाल-कुरुक्षेत्र, अंबाला से 10 को पंजाब में एंट्री

अंबाला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के फेस-2 की तैयारी में जुटी हुई है। पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और अंबाला में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। यात्रा को सफल बनाने के लिए वर्कर्स की ड्यूटी लगाई जा रही है। अंबाला में आज प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राम किशन गुर्जर और कुरुक्षेत्र में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक अरोड़ा मीटिंग करेंगे।

फेस-2 की यात्रा की पानीपत से होगी एंट्री

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा दूसरे फेस-2 में पानीपत के सनौली से 5 जनवरी को एंट्री करेगी। रात को सनौली में ही ठहराव होगा। 6 जनवरी को सुबह 6 बजे सनौली-पानीपत रोड से पदयात्रा शुरू होगी। सुबह 10 बजे जीटी रोड पानीपत में एक बड़े काफिले के साथ चलेगी। नई अनाज मंडी पानीपत में दोपहर का भोजन और एचएसवीपी (हुडा) ग्राउंड पानीपत में जनसभा के बाद पदयात्रा का रात्रि ठहराव बाबरपुर अनाज मंडी में होगा।

7 को करनाल में एंट्री करेंगे राहुल गांधी

पदयात्रा 7 जनवरी को करनाल जिले में एंट्री करेगी। यहां सुबह 6 बजे गांव कोहंड से पदयात्रा फिर से शुरू होगी। सुबह 10 बजे करनाल में अपर्णा अस्पताल मधुबन पहुंचेगी। 3 बजकर 30 मिनट पर पुलिस पब्लिक स्कूल करनाल के पास से शुरू होगी और शाम 6.30 बजे एनडीआरआई चौक करनाल पहुंचेगी। यहां झिलमिल फिलिंग स्टेशन के पास उचाना (करनाल) में रात्रि विश्राम होगा और अगले दिन 8 जनवरी को करनाल में सुबह 6 बजे श्यामगढ़, नीलोखेड़ी करनाल से पदयात्रा फिर से शुरू होगी। यहां से पदयात्रा 10 बजे ग्रेट खली ढाबा के पास समाना बाहू पहुंचेगी।

कुरुक्षेत्र में गांव झिरबड़ी से होगा प्रवेश

8 जनवरी को पदयात्रा दोपहर बाद 3.30 बजे गांव झिरबड़ी से कुरुक्षेत्र जिले में एंट्री करेगी। यहां से थानेसर के पुराने बस अड्डे पर शाम 6.30 बजे पहुंचेगी। यहां से कुरुक्षेत्र जीटी रोड स्थित प्रतापगढ़ में पदयात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

9 की सुबह खानपुर कोलियां से होगी यात्रा

9 जनवरी को सुबह 6 बजे पदयात्रा फिर से गांव खानपुर कोलियां से शुरू होगी।यहां से यात्रा सुबह 10 बजे शाहाबाद के पी डब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पहुंचेगी। इसके पश्चात साढ़े 3 बजे पट्टी बोरीपुर से शुरू होगी और शाम साढ़े 6 बजे अंबाला के मोहड़ा मंडी आकर रुकेगी। यहां यात्रा का रुख अंबाला कैंट की अनाज मंडी की ओर होगा और यहीं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है।

अंबाला में सुबह 6 बजे शुरु होगी यात्रा

10 जनवरी की सुबह 6 बजे से अंबाला के शाहपुर से यात्रा शुरू होगी। यहां से जंडली पुल, सिविल अस्पताल अंबाला सिटी, प्रेम नगर होते हुए 10 बजे फिलाडेल्फिया अस्पताल अंबाला सिटी पहुंचेगी। इसके पश्चात यहां से चलकर साढ़े 3 बजे हरियाणा-पंजाब सीमा (शंभू बॉर्डर से) पंजाब में एंट्री करेंगे।

बीजेपी की जिस इमारत में आए थे अटल-आडवाणी

उसे किया जा रहा है जमींदोज

भोपाल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल स्थित बीजेपी प्रदेश मुख्यालय की इमारत को तोड़ने का काम शुरू हो गया है. इसकी जगह नयी बिल्डिंग बनायी जाएगी. इमारत सिर्फ 27 साल पुरानी है लेकिन पार्टी अब इसे तमाम आधुनिक साधनों से सुसज्जित करना चाहती है. फिलहाल आरटीओ की पुरानी इमारत से ही बीजेपी का काम किया जा रहा है. भोपाल स्थित बीजेपी प्रदेश मुख्यालय से पार्टी के दिग्गज नेताओं की कई यादें भी जुड़ी हैं. बीजेपी की पहली राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी इसी मुख्यालय में हुई थी. उस समय अटल और आडवाणी इस कार्यसमिति की बैठक में शामिल हुए थे. लेकिन बदलते जमाने के साथ बीजेपी हाईटेक टेक्नोलॉजी के साथ अब नई बिल्डिंग का निर्माण कर रही है.

यहां आए थे अटल-आडवाणी

कुछ महीने पहले ही बीजेपी के कई दिग्गज नेताओं ने बीजेपी मुख्यालय को तोड़कर नया मुख्यालय बनाने का ऐलान किया था. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा ने भी निरीक्षण किया था. फिलहाल अस्थाई रूप से पुराने आरटीओ भवन में बीजेपी मुख्यालय शिफ्ट कर दिया गया है. इसके साथ ही 27 साल पहले बनी बीजेपी मुख्यालय की बिल्डिंग को तोड़ने का काम भी शुरू हो गया है. सबसे पहले बीजेपी की मुख्य बिल्डिंग को गिराया जा रहा है. इसके बाद मुख्य बिल्डिंग को जोड़ने वाली दूसरी इमारतों को भी गिराया जाएगा.

1995 में बनी थी इमारत

27 साल पहले बीजेपी मुख्यालय को भोपाल में बनाया गया था. इस मुख्यालय में बीजेपी की पहली राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हुई थी. बैठक में शामिल होने के लिए अटल और आडवाणी आए थे. ऐसे में कई दिग्गज नेताओं की मुख्यालय से यादें जुड़ी हैं. 27 साल पहले बीजेपी मुख्यालय का निर्माण ढाई करोड़ रुपए में हुआ था. प्रदेश भर के बीजेपी कार्यकर्ताओं से भवन निर्माण के लिए 2 करोड रुपए जुटाए थे. अब करीब 100 करोड़ की लागत से बीजेपी का बहुमंजिला मुख्यालय बनेगा.

'गलती से हाथ लग गया होगा,

महिला कांस्टेबल के साथ हुई छेड़छाड़ पर बोले विधायक प्रभाकर राजा

चेन्नई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। चेन्नई में द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) की एक रैली में महिला कांस्टेबल के साथ दो कार्यकर्ताओं द्वारा छेड़खानी का मामला सामने आया है. वहीं, अब डीएमके विधायक प्रभाकर राजा ने मामले पर बयान देते हुए कहा कि, गलती से हाथ लग गया होगा. दरअसल, चेन्नई में डीएमके की एक रैली में भीड़ नियंत्रण ड्यूटी पर महिला कांस्टेबल तैनाथ थी जब उसके साथ दो कार्यकर्ताओं एकंबरम और प्रवीण द्वारा छेड़छाड़ की गई. पीड़ित कांस्टेबल ने मामले को लेकर दोनों कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद आरोपियों ने माफी मांगी और सोमवार को संदिग्ध रूप से कांस्टेबल ने अपनी शिकायत वापस ले ली. वहीं, अब डीएमके विधायक प्रभाकर राजा ने इस पर बोलते हुए कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ नहीं की. उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं का हाथ गलती से छू गया होगा प्रभाकर राजा ने इंडिया टुडे को दिए एक बयान में कहा, 'महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ की कोई फुटेज नहीं है. मैंने कार्यकर्ताओं से पूछताछ की और उन्होंने कहा कि रैली में भीड़ होने के कारण उन्हें ऐसा महसूस हुआ होगा. शायद गलती से हाथ लग गया होगा. वहीं, घटना के वक्त जब इंस्पेक्टर ने कार्यकर्ताओं से बात करने की कोशिश की तो विधायक प्रभाकर समेत अन्य पार्टी के कार्यकर्ता पुलिस पर आरोप लगाते दिखे और बाद में आरोपियों को जाने दिया गया.

1500 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने दाखिल किया आरोपपत्र, कोलकाता में 60 लाख नकदी जब्त

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सीबीआई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 1530.99 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में लुधियाना की एक निजी कंपनी और इसके तीन निदेशकों समेत अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। आरोप पत्र एसईएल टेक्सटाइल्स लि. के नीरज सलूजा (निदेशक), धीरज सलूजा (निदेशक), नवनीत गुप्ता (निदेशक), पार्टनर राम दास खन्ना, दास खन्ना एंड कंपनी और रिदम टेक्सटाइल्स एंड अपैरल्स पार्क लि. और सिल्वरलाइन कॉर्पोरेशन लि. के खिलाफ दाखिल किया है। सीबीआई ने अगस्त 2020 में लुधियाना की फर्म और उसके निदेशकों समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि कंपनी और उसके निदेशकों समेत अन्य अभियुक्तों ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले 10 बैंकों के संघ को धोखा दिया और लगभग 1530.99 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी की। आरोपियों ने संबंधित बैंकों से भारी राशि के रूप में कर्ज लेकर अन्य लोगों को हस्तांतरित कर दिया।

एफसीआई के पूर्व अधिकारी सहित दो के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

एक अन्य मामले में, सीबीआई ने मंगलवार को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) गुवाहाटी के एक पूर्व उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) और असम के कोकराझार में गोसाईगांव स्थित एक निजी कंपनी के मालिक के खिलाफ हेराफेरी के संबंध में आरोप पत्र दायर किया है। 28 अक्तूबर, 2021 को एफसीआई के पूर्व अधिकारी भास्करन देवानंद और गोसाईंगांव के सागर बसुमतारी सहित अन्य के खिलाफ खाद्यान्न के परिवहन के लिए अनुबंध देने में विसंगतियां और परिवहन बिलों की मंजूरी में हेरफेर करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। वहीं, पश्चिम बंगाल के कोलकाता में करीब 60 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी रखने के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को कहा, हवाला लेन-देन के लिए बड़ी रकम रखने के बारे में उसे खुफिया जानकारी मिली थी। कोलकाता पुलिस के जासूसी विभाग के उपद्रव-रोधी अनुभाग ने सोमवार शाम बड़ा बाजार इलाके में छापा मारा।

टीएमसी नेता सुष्मिता देव का दावा

तृणमूल कांग्रेस बनाएगी मेघालय में अगली सरकार

शिलांग, 4 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल नेता और राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव ने कहा है कि मेघायल में जनता वर्तमान कोनराड संगमा सरकार से त्रस्त है। मेघालय में जनता के सामने तृणमूल कांग्रेस ही विकल्प है और मुकुल संगमा के नेतृत्व में वहां अच्छा प्रचार कार्य चल रहा है। कांग्रेस का यहां कोई नामलेवा नहीं और भाजपा की नीति कभी पूर्वोत्तर में स्वीकार्य नहीं होगी। प्रदेश की जनता विकास चाहती है और यह सरकार विकास से कोसों दूर है। तृणमूल कांग्रेस को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। देव ने कहा, चुनाव के बाद आप देखेंगे कि मेघालय में तृणमूल की सरकार बनने जा रही है। इस समय मेघालय में सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) की सरकार है। भाजपा राज्य में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी है। एक सवाल के जवाब में देव ने कहा, सबसे पहली बात यह है कि मेघालय की जनता वहां बदलाव चाहती है। लेकिन अभी तक वहां पर कोई दूसरी पार्टी नहीं थी,

जिसे लोग चुनते, जिन्हें लोग मौका देते। जबसे मुकुल संगमा के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने वहां पर काम करना शुरू किया, तो लोगों में विश्वास होने लगा है। लोग तृणमूल पर विश्वास करने लगे हैं। जनता वर्तमान सरकार से त्रस्त है। जनता बदलवा चाहती है, और तृणमूल कांग्रेस उनकी भावनओं पर खरी उतर रही है। सुष्मिता ने कहा, हमने इंटरनल सर्वे कराया है। हमें जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, उससे हम उत्साहित हैं। गारो, खासी और जयंतिया हिल्स में तृणमूल कांग्रेस काम कर रही है। लोग जुड़ रहे हैं। लोगों के उत्साह को देखते हुए हम पूरी तरह से आशावान हैं कि हम सरकार बनाएंगे। वहां तृणमूल के अलावा लोगों के पास कोई विकल्प ही नहीं है। कांग्रेस का तो वहां पर कोई अस्तित्व ही नहीं रहा। वहां पर कांग्रेस का कोई नाम लेवा भी नहीं है। भाजपा के सरकार बनाने के दावों पर देव ने कहा, इस समय मेघालय में भाजपा सरकार में है।

उन्होंने जनता के लिए क्या किया। भाजपा वाले एक भाषा और भूषा की बात करते हैं। जो पूर्वोत्तर में कभी स्वीकार्य नहीं। यहां कई धर्म, कई जाति और नाना वेषभूषा के लोग रहते हैं। असम में तो भाजपा की सरकार है, इस पर देव ने कहा- यह भाजपा की सरकार नहीं है। यह हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार है। जैसे कांग्रेस-आई बनी थी। वैसे ही असम की भाजपा-एच है यानि भाजपा-हिमंत। इस वर्ष पूर्वोत्तर के चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, जिनमें मेघालय एक है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के काफिले में शामिल

वाहन को बस ने मारी टक्कर, तीन पुलिसकर्मी घायल

दमोह, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और दमोह सांसद प्रहलाद पटेल के काफिले में शामिल पुलिस वाहन को मंगलवार की शाम दमोह-छतरपुर मार्ग पर एक यात्री बस ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही वाहन में सवार तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें फौरन इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। घायलों को देखने केंद्रीय मंत्री पटेल भी अस्पताल पहुंचे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल अपने संसदीय क्षेत्र दमोह के विभिन्न क्षेत्रों के दौरे पर थे। शाम वह बटियागढ़ की ओर से दमोह आ रहे थे। उनके वाहन के साथ पुलिस का फॉलो वाहन चल रहा था। जैसे ही मंत्री पटेल का काफिला देहात थाना के नरसिंहगढ़ चौकी क्षेत्र के चंपत पिपरिया गांव के समीप कोपरा पुल पहुंचा, तभी दमोह से छतरपुर की ओर जा रही बुंदेलखंड कंपनी की बस ने पीछे से पुलिस के फॉलो वाहन को टक्कर मार दी। जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें मौजूद तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

गंभीर हालत में तीन पुलिसकर्मियों को वाहन से निकाला गया

तत्काल केंद्रीय मंत्री के काफिले में चल रहे सभी वाहन रोके गए और पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद वाहन में मौजूद घायल पुलिसकर्मी एसआई एमपी सिंह, प्रधान आरक्षक देवी सिंह और वाहन चालक प्रधान आरक्षक यासीन खान को गंभीर हालत में वाहन के अंदर से निकाला गया और साथी पुलिसकर्मी इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। जहां सांसद के सहायक निज सचिव राजकुमार सिंह और कोतवाली टीआई विजय सिंह राजपूत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

अपनी आंखों के सामने देखा भयानक दृश्य...

घायल पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है और सभी की हालत सामान्य है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, घायल पुलिसकर्मियों को देखने के लिए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड कंपनी की बस और हमारे पायलट गाड़ी में टक्कर हो गई। यह दुखद है। मैंने यह दृश्य अपनी आंखों के सामने देखा है।

टक्कर के बाद वाहन से नीचे गिर गए पुलिसकर्मी

उन्होंने कहा कि गाड़ी पूरी क्रॉस होने के बाद पायलट गाड़ी के पिछले हिस्से में बस ने टक्कर मारी है। घटना इतनी खतरनाक थी कि जो पुलिसकर्मी पीछे बैठे थे वह नीचे गिर गए, ड्राइवर ने गाड़ी को घुमाकर किनारे लगाया। एक को छोड़कर सभी को चोटें आई हैं। मुझे लगता है कि पुलिस अपनी कार्रवाई करेगी, लेकिन बहुत दर्दनाक और भयानक घटना है।

पुलिस अधिकारी का बयान

एएसपी शिव कुमार सिंह ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री के साथ पायलट वाहन में कर्मचारी लगाए गए थे। वापस आते समय दमोह से छतरपुर जा रही बुंदेलखंड बस ने देहात थाना क्षेत्र के कोपरा के पास पायलट वाहन, बस से टकरा गया। जिसमें एसआई एमपी सिंह, यासीन खान और देवी सिंह यह तीनों घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। उन्होंने बताया कि पायलट वाहन पूरी तरह से फिट था और अच्छी स्थति के वाहन हमेशा लगाए जाते हैं।

आतंकवादी संगठनों ने रची 'साइको वार' की साजिश

कम होते खौफ से मची है खलबली

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर आतंकवादी संगठनों ने अब 'साइको वार' अपनाने की साजिश रची है. इसके तहत जम्मू-कश्मीर के कुछ पुलिस अफसरों और न्यायिक अधिकारियों पर हमले की साजिश रची गई है. केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से प्राप्त सूचना के आधार पर जम्मू की लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) से लगते इलाके में कुछ जगहों पर कुछ दिनों के लिए कर्फ्यू भी लगाया गया है. खुफिया दस्तावेजों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में आम जनता पर हमलों के बाद अब पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन यहां तैनात पुलिस के सीनियर अफसरों और न्यायिक अधिकारियों पर हमले की साजिश रच रहे हैं. खुफिया सूत्रों की मानें तो इस बाबत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में विभिन्न आतंकवादी संगठनों की एक

बैठक हुई थी. इस बैठक में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन, जम्मू-कश्मीर गजनबी फोर्स और अल बदर के कमांडर शामिल थे. बैठक में उन अधिकारियों पर चर्चा की गई जो आतंकवादी संगठनों के नापाक मंसूबों को लगातार विफल कर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद से आतंकवादियों का खौफ समाप्त होता जा रहा है. यहां तक की लोकल ओवर ग्राउंड वर्करों पर कार्रवाई होने से उनका स्थानीय सपोर्ट भी बेहद कम हो गया है. बैठक में कहा गया कि कुछ ऐसी वारदातें की जाए जिनसे पुलिस के निचले तबके और न्यायिक प्रणाली में काम कर रहे लोगों में खौफ पैदा हो. खुफिया दस्तावेजों के मुताबिक, अब आतंकवादी संगठनों के निशाने पर न्यायिक अधिकारी और स्थानीय पुलिस के एसपी भी आ गए हैं.

आतंकवादी संगठनों का मानना है कि ऐसी कार्रवाई करने से उनका खौफ और ज्यादा होगा. आतंकवादियों की इस लिस्ट में जम्मू-कश्मीर के जिलों में तैनात अधिकारियों के नाम शामिल हैं. ध्यान रहे कि पिछले दिनों पुंछ जिले के एक मदरसे पर छापेमारी हुई थी. आरोप था कि इस मदरसे के जरिए लश्कर और अन्य आतंकवादी संगठनों का पैसा आतंकवादी कामों के लिए पहुंचाया जाता है. पुंछ जिले के सीमावर्ती गांव मंदार के रहने वाले अब्दुल हमीद को गिरफ्तार किया गया था. जम्मू में गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 10 लाख बरामद हुए थे.

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 जनवरी, 2023

पांव पसारता अपराध

पुरानी कहावत है जब भी प्रशासन का इकबाल ढीला होता है तो अपराधी तत्व अपने पांव पसारना शुरू कर देते हैं। आज कल पंजाब में ऐसा ही बहुत कुछ हो रहा है। सरकार पता नहीं किन कामों में व्यस्त है कि उससे कानून व्यवस्था संभल ही नहीं रही है। देखा जाए तो कानून-व्यवस्था कायम रखना किसी भी सरकार की प्राथमिकता होती है। इसी से सरकार की कामयाबी या नाकामी का पैमाना नापा जाता है। जबसे पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी से लगता है आपराधिक छवि वाले तत्व अपना ही राज समझ बैठे हैं। जिस संगठित अपराध की जडें तक खोद दी गई थीं अब वे फिर से अपने फन उठाने लगे हैं। हाल के महीनों में पंजाब के दो थानों पर राकेट लांचर से हमले हो चुके हैं। बेअदबी और आपसी रंजिश को लेकर हत्याओं का सिलसिला फिर से चल पडा है। कोफ्त तो तब होती है जब पता चलता है कि इनमें से कई घटनाओं के तार विदेश से संचालित हो रहे गिरोहों से जुड़े हैं। बडी-बडी डींगें हाक कर सत्ता में आई आप पार्टी के शासन में नशे के कारोबार ने भी रफ्तार पकड ली है, जिस पर निकट भविष्य में लगाम लगने की कोई गुंजाइश भी नहीं दिखाई दे रही है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी पंजाब सरकार को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि पंजाब की हर गली में नकली शराब की भट्ठियां चल रही हैं। युवाओं की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे रोकने से संबंधित तैयारियों पर अदालत ने राज्य सरकार से हलफनामा मांगा था। जिसे सुन कर पंजाब सरकार बगलें झांकने लगी थी। जगजाहिर है कि नशे के कारोबार और संगठित अपराध एक दूसरे के साथ चोली-दामन का साथ होता है। हद तो तब हो गई जब मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास परिसर में बम रखा पाया गया। गनीमत है कि समय रहते सुरक्षा कर्मियों की उस पर नजर पड़ गई और उसे निष्क्रिय कर दिया गया। जहां बम रखा गया था, वहां से मुख्यमंत्री का हेलिकाप्टर उड़ता-उतरता है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास के नजदीक ही हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर का भी आवास है। जाहिर है, इस इलाके से ज्यादा कड़ी सुरक्षा के इंतजाम और कहां होंगे? जाहिर है कोई भी व्यक्ति, वाहन आदि बिना सुरक्षा जांच के अंदर प्रवेश नहीं करते होंगे। ऐसे में सवाल है कि फिर बम मुख्यमंत्री आवास परिसर में हेलीपैड के पास तक कैसे पहुंच गया। जब मुख्यमंत्री आवास में सुरक्षा को लेकर ऐसी लापरवाही देखी जा रही है, तो बाकी जगहों का तो शायद भगवान भी मालिक नहीं है। सामान्य तौर पर समझा जा सकता है कि वह बम बिना सुरक्षा कर्मियों की मिली भगत के अंदर नहीं पहुंचा होगा। इस घटना से पिछले कुछ महीने में हुई घटनाओं को जोड़ कर देखें तो स्पष्ट है कि उनमें भी लचीली सुरक्षा-व्यवस्था की झलक देखी गई। इससे यही संकेत मिलता है कि सुरक्षा के मामले में जैसी चौकसी होनी चाहिए, सरकार वह कर पाने में विफल है। पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने मुख्य रूप से दो मुद्दे उठाए और उन्हें दुरुस्त करने का दावा किया था। एक, नशे के जाल को खत्म करना और दूसरा, कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद करना। यह ठीक है कि कोई भी सरकार एकदम से किसी व्यवस्था को दुरुस्त नहीं कर सकती। मगर अब तो सरकार को काम करते करीब नौ महीने हो गए। अब तक कानून-व्यवस्था नहीं संभल पाई है, तो यह सरकार की नाकामी ही कही जाएगी। अगर सरकार सचमुच कानून-व्यवस्था सुधारने को लेकर गंभीर होती, तो इस तरह न तो खालिस्तान समर्थक संगठन सक्रिय हो उठता और न मुख्यमंत्री आवास तक में बम पहुंच जाता। बता दें कि पंजाब पाकिस्तान से सटा राज्य है और वहां से घुसपैठ होने और आतंकवादी संगठनों के पैर पसारने की आशंका सदा बनी रहती है। अगर राज्य की पुलिस शिथिल हो तो ऐसे संगठनों और आपराधिक प्रकृति के लोगों को अपनी साजिशों को अंजाम देने में आसानी हो जाती है। अगर मान सरकार की यही शिथिलता बनी रही, तो पंजाब में सुरक्षा संबंधी समस्याएं और गहरी ही होंगी। इसलिए समय रहते मान सरकार को और सक्रिय हो कर कानून व्यवस्था पर नजर रखनी होगी।

कोरोना के बाद बेरोजगारी

कोरोना संकट के बाद से देश में रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है, पर यह सुधार अब भी महामारी के पहले के लेवल पर नहीं पहुंच पाया है। जनवरी 2020 से तुलना करें तो अक्तूबर 2022 में 14 मिलियन यानी 1.4 करोड़ कम लोगों के पास रोजगार उपलब्ध है। सीसीडीए-सीएमआईई ने अपनी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी है। आंकड़ों के अनुसार कोरोना महामारी की पूर्व की तुलना में 45 लाख कम पुरुष और 96 लाख कम महिलाएं फिलहाल रोजगार में हैं। इन आंकड़ों से संबंधित रिपोर्ट्स अशोका विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इकोनॉमिक डेटा एंड एनालिसिस और सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकोनॉमी ने कंपाइल कर प्रकाशित किए हैं। द इंपेक्ट ऑफ द कोविड पेंडेमिक ऑन पीपुल्स इकोनॉमिक लाइव्स नाम से यह रिपोर्ट बीते हप्ते ही प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट में इस बात पर चर्चा की गई है कि कैसे कोरोना महामारी ने देश में उपलब्ध रोजगार को प्रभावित किया है।

नवीनतम बुलेटिन में लेखिका प्रीता जोसेफ और रशिका मौदगिल ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में युवा व्यक्ति (15-39 आयु वर्ग के लोग) बेरोजगारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अक्टूबर 2022 तक, जनवरी 2020 की तुलना में 15-39 आयु वर्ग के लगभग 20% कम लोगों को रोजगार मिला।

इसमें कोरोना संकट के पूर्व की तुलना में 36.5 मिलियन की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, इस दौरान वृद्ध आयु वर्ग (40-59 वर्ष) के लोगों के रोजगार में 12% की वृद्धि हुई। जनवरी 2020 की तुलना में अक्टूबर 2022 में इस आयु वर्ग के अतिरिक्त 25 मिलियन लोगों को रोजगार मिला।

उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि 15-39 आयु वर्ग का एक बड़ा वर्ग कार्यबल शामिल हो रहा है। सीएमआईई के एमडी और सीईओ महेश व्यास कहते हैं, "वृद्ध आयु वर्ग मौजूदा कौशल का उपयोग करके अपनी पिछली नौकरियों को बनाए रख रहा है या वापस आ रहा है।" बुलेटिन में कहा गया है कि शुरुआती लॉकडाउन महीनों के बाद पिछले तीन वर्षों में शहरी रोजगार अपेक्षाकृत स्थिर रहा। बुलेटिन के अनुसार पहले लॉकडाउन के बाद समग्र रोजगार में बदलाव मुख्य रूप से ग्रामीण रोजगार में उतार-चढ़ाव से प्रभावित हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार सेवा क्षेत्र, जो लगभग 147 मिलियन लोगों को रोजगार देता है, देश का सबसे बड़ा नियोक्ता बना हुआ है। लेकिन यह भी अभी तक महामारी से पहले के रोजगार के स्तर को फिर से हासिल नहीं कर पाया है। सेवाओं के भीतर, थोक और खुदरा व्यापार अब वित्तीय वर्ष 2018-19 की 59 मिलियन की तुलना में 70 मिलियन से अधिक रोजगार देता है।

वित्तीय सेवाओं में रोजगार पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में 16.1% बढ़ा। वित्त वर्ष 2020-21 और वित्त वर्ष 2021-22 के बीच आईटी और आईटीईएस में कार्यबल में 11% की वृद्धि हुई। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में कार्यबल में कमी देखी गई है। नियोजित श्रमिक में सबसे बड़ा हिस्सा छोटे व्यापारियों और दिहाड़ी मजदूरों रहा।

महामारी से पहले और उसके दौरान किसानों और उद्यमियों की संख्या में वृद्धि हुई। बुलेटिन में कहा गया है कि 2018 की तुलना में 2022 में 1.3 करोड़ अधिक उद्यमी हैं।

क्रोध और घृणा से उपजते संकट

कमजोर वर्ग का शोषण, महिलाओं के प्रति बढ़ता दुर्व्यवहार, किशोर और युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति, सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा, समाज में जाति, धर्म, क्षेत्र के आधार पर बढ़ता भेदभाव, अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई और विशेष रूप से रिश्तों में पैदा होता अविश्वास ऐसे पहलू हैं जो समाज में क्रोध और हिंसा का कारण बनते जा रहे हैं।

आज की व्यस्त जीवनशैली में तनाव के कारण व्यक्ति मानसिक रूप से बहुत दबाव में रहने लगा है। इसका असर उसके व्यवहार में स्पष्ट रूप से झलक भी रहा है। यही वजह है कि अक्सर छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ाहट, निराशा और आक्रामक बर्ताव एक आम पर गंभीर समस्या बन गया है। लेकिन समस्या तब ज्यादा गंभीर रूप धारण कर लेती है जब यह चिड़चिड़ाहट भयानक गुस्से का रूप ले लेती है और गुस्से में व्यक्ति अपनों तक की हत्या तक कर डालता है। दिल दहला देने वाली ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कुछ दिन पहले जयपुर में एक युवक ने अपनी ताई की हथौड़ा मार कर हत्या कर दी और शव के टुकड़े कर जंगल में फेंक दिए। कहने को वह युवक शिक्षित था और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद नौकरी कर रहा था। उसने स्वीकार किया कि उसकी ताई उसे अक्सर रोका टोका करती थी और ऐसी टोकाटाकी उसे अच्छी नहीं लगती थी। इसी से नाराज हो कर उसने ताई को मार डाला। ऐसी ही एक अन्य घटना दिल्ली की है, जहां एक युवक ने पत्नी से झगड़े के बाद शराब के नशे में अपने दो साल के बेटे को दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। झारखंड के साहिबगंज में एक पति ने अपनी पत्नी हत्या के बाद उसके शव के पचास से ज्यादा टुकड़े कर दिए। ऐसी घटनाओं को देख-सुन कर मन में कई सवाल उठते हैं।

गुस्से में तोड़-फोड़ और मार-पीट जैसी घटनाएं तो समझ में आती हैं, लेकिन मामूली बातों पर इतना गुस्सा कि किसी अपने की ही हत्या कर दी जाए, यह चिंता में डाल देने वाली बात है। इसीलिए यह सवाल बार-बार झकझोरता है कि आखिर लोगों में इतनी नकारात्मकता, हिंसा, गुस्सा, घृणा आई कहां से और क्यों आ रही है? अब हिंसा या घृणा के भाव जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र या शत्रु तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि निजी संबंधों तक भी इनका विस्तार देखने को मिल रहा है।

दुनिया भर के समाजों में घृणा में हुई वृद्धि के कारणों को समझना जरूरी है। सवाल है कि कैसे और क्यों हम एक ऐसी जगह पहुंच गए हैं जहां घृणा और क्रोध के रूप में राष्ट्रवाद, जातिवाद और नारी द्वेष बढ़ता जा रहा है और दुनिया भर में आंदोलनों का आधार बन रहा है। व्यक्ति के उत्थान के साथ-साथ असंतोष और निराशा में वृद्धि हुई है, क्योंकि आधुनिक दुनिया अभिजात वर्ग और राज्य द्वारा किए गए वादों और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रही है।

एक कल्याणकारी राज्य और संवैधानिक मूल्यों की पालना का वादा जब पूरा नहीं होता तो नागरिकों में नाराजगी और असंतोष के भाव पैदा होने लगते हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। भारत में आज यही स्थिति है। सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने के बावजूद लोग स्वयं को एक असुरक्षित दुनिया का हिस्सा मानने लगे हैं। उन्हें अपने चारों ओर असंतोष, निराशा, आक्रोश और आर्थिक अस्थिरता दिखाई दे रही है। और ऐसी स्थिति कोई एक दिन में नहीं बनी है। सोचने की बात यह है कि सबसे बड़े लोकतंत्र में ही लोकतांत्रिक मूल्य हाशिए पर क्यों होते जा रहे हैं।

आखिर ऐसा क्या हुआ है कि सामाजिक सरोकारों के प्रति सक्रिय रहने वाले बुद्धिजीवी समूहों ने मौन की संस्कृति को अपना लिया है। न केवल दूसरों के साथ होने वाली घटनाओं के प्रति अपितु स्वयं या स्वयं के समूहों व समुदायों के साथ होने वाली घटनाओं पर भी अब आवाजें सुनाई नहीं देतीं और न ही कोई प्रतिरोध दर्ज होता दिखता है। लगातार बढ़ती महंगाई, संसाधनों की अनुपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, रोजगार की समाप्ति, शिक्षा का गिरता स्तर, भविष्य की अनिश्चितता, कामकाजी हालात, अल्प वेतन, कार्य के अनिश्चित घंटे, महिलाओं एवं दलितों के लिए असुरक्षित वातावरण, हिंसक घटनाओं में वृद्धि आदि ऐसे महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती, लेकिन फिर भी की जा रही है। आखिर क्यों? यह एक तथ्य है कि लोकतांत्रिक राज्य नागरिकों के अधिकारों, चुनावी सहभागिता, समानता, स्वतंत्रता के मूल्यों को केंद्र में रख कर जीवन निर्धारित करने की नागरिक की आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन लोकतंत्र के प्रति संदेह होना इसलिए एक यथार्थ बन चुका है क्योंकि अब राज्य व सरकार शक्ति के मुख्य स्रोत नहीं हैं, बल्कि वास्तविक शक्ति तो पूंजी के स्वामित्व एवं नियंत्रण से सुनिश्चित होने लगी है। और जब तक इसे तोड़ा नहीं जाएगा, किसी भी समाज में लोकतंत्र की अवधारणा का तर्क भ्रम के अलावा कुछ नहीं है।

समाजशास्त्री लिंडसे पोर्टर का मानना है कि शिक्षित और बुद्धिमान लोगों के बच्चे आखिरकार आराम और विशेषाधिकारों के कारण भ्रष्ट हो जाएंगे। इसके बाद वे सिर्फ अपनी संपत्ति के बारे में सोचेंगे, जिससे कुछ लोगों का शासन स्थापित हो जाएगा। असमानता बढ़ेगी। कई बार तो लगता है कि पोर्टर की यह आशंका कहीं मूर्त रूप लेती तो नजर नहीं आ रही। वैज्ञानिक और तकनीकी युग में प्रवेश के बाद लोग अपनी उन्नति से जितना खुश होते दिखने लगे थे, आज उससे उतने ही दुखी और परेशान हो गए हैं। कमजोर वर्ग का शोषण, महिलाओं के प्रति बढ़ता दुर्व्यवहार, किशोर और युवाओं में बढती आत्महत्या की प्रवृत्ति, सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा, समाज में जाति, धर्म, क्षेत्र के आधार पर बढ़ता भेदभाव, अमीर और गरीब के बीच बढती खाई और विशेष रूप से रिश्तों में पैदा होता अविश्वास ऐसे पहलू हैं जो समाज में क्रोध और हिंसा का कारण बनते जा रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान में देश के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों को चुनौती मिली है। ऐसे ढेरों उदाहरण हमारे सामने हैं जिन्होंने संविधान की आत्मा को ही कुचल कर रख दिया है।

जब किसी व्यवस्था में खासतौर से लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासक या अभिजात समूह अपने हितों को राज्य के माध्यम से संरक्षण प्रदान करने लगे, तो वहां इस तरह की अव्यवस्थाओं और चुनौतियों का होना सामान्य-सी बात है। जब कथनी और करनी में अंतर आ जाता है तो बड़े से बड़ा लोकतंत्र भी असहाय हो जाता है। कितना बड़ा विरोधाभास है कि विज्ञान द्वारा निर्मित तकनीक को तो अपनाते समय मानव अनेक तर्क देता है और उसकी उपयोगिता को तार्किक आधार पर सिद्ध करता है, लेकिन वैज्ञानिक सोच को अपनाने में उन्हीं तर्कों की उपेक्षा से उसे कोई गुरेज नहीं होता।

संभवतः आज के इस दौर में तर्कों को दरकिनार कर दिया गया है, इसलिए भी समाज परिवार, मित्रता, राज्य, समाज सभी में विघटन की स्थिति उत्पन्न हो गई है।दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि समाज में फैली इस अव्यवस्था और विघटन पर न ही अकादमिक स्तर, न ही राज्य और प्रशासनिक स्तर और न ही किसी बौद्धिक स्तर पर कोई चिंता दिखाई देती है। ऐसे में हर वर्ग के युवाओं को अपने मतभेदों को दरकिनार करते हुए सामने आना होगा, अन्यथा ऐसा न हो कि समाज रहने लायक ही नहीं रह जाए या पशु समाज और मानव समाज के बीच का अंतर ही समाप्त हो जाए।

विकास मानव जीवन में गुणात्मक वृद्धि के लिए किया जाता है, न कि जीवन में विघटन की स्थिति उत्पन्न करने के लिए। स्वयं को भौतिकतावाद और उपभोक्तावाद की तरफ इतना भी नहीं धकेलें कि विकास रूपी विनाश के ढेर पर अकेले खड़े नजर आएं और आपके साथ उसे भोगने वाला या देखने वाला भी कोई न हो। इसके लिए जरूरी है कि रिश्तों में विश्वास, प्रेम और प्रतिबद्धता बनी रहे, तभी राष्ट्र-राज्य के विकास की कल्पना सकारात्मक रूप ले सकेगी।

राजनैतिक स्वतंत्रता के साथ स्वराज भी जरूरी

मुनीष त्रिपाठी

मौजूदा समय में भारत के विद्युतजनों के बीच स्वराज के विषय पर विमर्श शुरू हो चुका है । स्वतंत्रता के साथ स्वराज की भी अभिलाषा मानव के अंदर स्वाभाविक रूप से निहित है ।

स्वराज की मांग भारतभूमि में ही नही बल्कि सम्पूर्ण जगत में आदिकाल से चली आ रही है। यद्यपि भारत में तो यह ऋग्वैदिक काल में उत्कृष्ट रही है। राजा जन समुदाय का प्रमुख होता था इसके बावजूद वह निरंकुश नही हो सकता था क्योकि वह सभा, समिति और विदथ जैसी संस्थाओं के भद्रजनों की सहायता से ही निर्णय लेता था । इस तरह राजा पर सीधे जनमानस का ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अंकुश होता था। ऋग्वैदिक काल में सत्ता में जनभागीदारी स्वराज की भावना को प्रगट करती थी। हालांकि बाद में उत्तरोत्तर स्वराज की भावना का ह्रास हुआ। स्त्रियों के भी अधिकारों में कटौती हुई । अपाला, विश्ववारा, घोषा, लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाएं जो मन्त्रद्रष्टा ही नही थी बल्कि शासन चलाने में राजा को सलाह देती थी । उत्तर वैदिक काल में उनसे राजा ने सलाह लेना बंद कर दिया बल्कि उनके सलाहकार परिषद में शामिल होने पर पाबंदी लगा दी गई । कुछ देशों जैसे मिस्र, मेसोपोटामिया आदि देशों को छोड़ दें तो तब विश्व के अधिकांश भूमण्डल पर लोग इस तरह के समाज की कल्पना भी नही कर सकते थे। इसके पहले हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, संस्कृति में स्वप्रेरित अनुशासन मौजूद था । ऐसा समाज जहां हिंसा नाममात्र को ही थी क्योकि इतने बड़े साम्राज्य की खुदाई में कहीं व्यापक पैमाने पर हथियारों का न मिलना तो यही साबित करता है। ज्यादा जन समुदाय की भागीदारी शासन में स्वराज की भावना को प्रगट करती है । इसका अर्थ यह बिल्कुल भी नही था कि तत्कालीन समाज में प्रशासनिक ढांचा मौजूद नहीं था । प्रशासनिक ढांचा मौजूद था परन्तु सत्ता विकेन्द्रित थी । जन समुदाय की भागीदारी व्यापक थी। लगभग ढाई हजार साल पूर्व बौद्धकाल में भारत में लिच्छवि, मल्ल आदि कई गणराज्यों में सत्ता का संचालन राजा नही करता था बल्कि सत्ता का संचालन हजारों सदस्यों वाली योग्य परिषद करती थी जो कि सत्ता के विकेंद्रीकरण और स्वराज से ही प्रेरित थी। परिषद के बहुमत से ही गणराज्य का प्रमुख निर्णयों को संचालित करता था। भारत में सबसे अधिक स्वायत्तता दक्षिण भारत के चोल साम्राज्य में गांवों को थी जहां गांव की वारियम नाम की संस्था योग्य लोगों की सदस्यों के द्वारा गांव का प्रशासन संचालित करती थी । इन सदस्यों का चुनाव भी बड़ी सावधानी से किया जाता था । समिति के सदस्यों की उम्र 35 से 70 के बीच होनी चाहिए एवं सदस्य के पास कुछ एकड़ भूमि भी होनी चाहिए । इसके अतिरिक्त सदस्य कम से कम किन्ही चार में से एक वेद का ज्ञाता होना चाहिए। गांव के मंदिरों में गुरुकुल का भी संचालन भी बड़ी कुशलता पूर्वक होता था जहां अच्छी वैदिक और भौतिक शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान की जाती थी । इतना सब होने के बावजूद चोल साम्राज्य का गांवों में न्यूनतम हस्तक्षेप होता था । स्वराज की परिकल्पना में आर्थिक, सामाजिक विकेंद्रीकरण, राजनैतिक स्वतंत्रता और समुचित न्याय की व्यवस्था निहित है। रामराज्य की परिकल्पना भी स्वराज के अत्यंत निकट है इसीलिए गांधी जी ने स्वराज को रामराज्य से जोड़ा था। कांग्रेस ने 1906 में कोलकाता अधिवेशन मे अध्यक्ष के रूप में दादा भाई नौरोजी ने सबसे पहले ब्रिटिश हुकूमत से स्वराज की मांग की थी। उस स्वराज का मतलब तब राजनैतिक स्वतंत्रता न होकर प्रशासन में भारतीयों की अधिक से अधिक भागीदारी की मांग थी।आजादी के बाद भारतीय व्यवस्था में भी पंचायतीराज के माध्यम से स्वराज को प्राप्त करने की कोशिश की गई। परन्तु पंचायतीराज में यह व्यवस्था अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सकी है। इसका कारण भ्रष्टाचार से लेकर संवेदनहीनता, जनता की न के बराबर भागीदारी और पंचायत प्रमुखों की जबाबदेही सुनिश्चित न होना है। पूंजीवाद और मिश्रित अर्थव्यवस्था में विकास तो होता है परंतु सर्वांगीण न होकर एकांगी होता है। विकास कुछ समाज तक ही सीमित रहता है जिसे स्वराज नही कहा जा सकता है। कम्युनिस्ट व्यवस्था में हिंसा और वर्गसंघर्ष से स्वराज प्राप्त करने की कोशिश की गई है परन्तु दुनिया के तमाम देश इस बात के गवाह है यह प्रयोग करोड़ों लोगों की जान लेने के बावजूद असफल साबित हुआ। इस तरह की शासन प्रणाली में मनुष्य की स्वतंत्रता बहुत बाधित हो जाती है जो मानवीय स्वभाव और प्रकृति के अनुरूप नही है । अब इसका समाधान क्या है ? समाधान धर्म प्रेरित राज्यसत्ता हो सकती है। जिसे मानवीय सत्ता भी कहा जा सकता है । उपरोक्त कालखंड के उदाहरणों से जानकारी हमें मिलती है कि भारतीय जनमानस में यह चिंतन प्राचीन काल से चलता आ रहा है। आजादी के पहले गांधी जी ने ट्रस्टीशिप सिद्धांत के माध्यम से इसको बताने की कोशिश की । जिसमें उन्होंने बताया कि सभी व्यक्ति पूँजी को इस भाव से इकट्ठा करे वह मालिक न होकर ट्रस्टी है, उसका प्रयोग अपने लिए और वंचित समाज के लिये करेगा । ऐसा ही कुछ चिंतन आजादी के बाद दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के माध्यम से किया। उन्होंने भी ऐसे समाज की परिकल्पना की जिसमें सशक्त समाज निर्बल समाज का शोषण न कर पोषण करें। परन्तु यह जोर जबरदस्ती से नही बल्कि स्वप्रेरित , स्वबोध, कर्तव्यबोध से होना चाहिए । यह कैसे हो क्योकि मानवीय प्रवत्ति तीन गुणों सत, रज, तम का मिश्रण है। सिद्धान्त ठीक है, परिकल्पना भी ठीक है परन्तु शासन और समाज के लिये इस विचारधारा का एक्शन प्लान का निर्माण अब तक नही हो सका है।

मंत्रियों के बेतुके बयानों की ज़िम्मेदारी से बच गई सरकारें

सरकार बच गई। देश की तमाम सरकारें बच गईं। मंत्री कोई भी, कैसा भी बयान दे, इसके लिए सरकार ज़िम्मेदार नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कह दिया है कि बोलने की आज़ादी व्यक्ति की अपनी होती है, इसलिए कोई मंत्री, कोई ग़ैर ज़िम्मेदारी भरा बयान देता है या देती है तो इसके लिए वह स्वयं ही ज़िम्मेदार होगा।

दरअसल, मामला मंत्रियों या सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को अनाप-शनाप बयानों का था। याचिकाओं में

माँग की गई थी कि ज़िम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों के ग़ैर ज़िम्मेदार बयानों पर पाबंदी लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने फ़ैसला दिया है कि बोलने की आज़ादी पर ज़्यादा पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच की अगुआई जस्टिस एसए नजीर ने की। वहीं इसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना भी शामिल रहीं।

इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच की अगुआई जस्टिस एसए नजीर ने की। वहीं इसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना भी शामिल रहीं। सही भी है, लेकिन मंत्रियों या ज़िम्मेदारों को खुद को तो खुद पर पाबंदी लगानी ही चाहिए। आख़िर वे इस तरह के पदों पर क्या बेतुके बयान देने के लिए ही बैठे हैं?

दरअसल, लोगों के बीच या मीडिया में चर्चित होने के लिए ये नेता इस तरह की बेतुकी बयानबाज़ी करते रहते हैं। कभी - कभी अपने नेता या आलाकमान को खुश करने के लिए भी बेतुके बयान देते रहते हैं। हैरानी की बात यह है कि बेतुके बोल से वे खुश होते भी हैं। आधिकारिक तौर पर पार्टी बयान जारी कर देती है कि ये उनके निजी विचार हैं। पार्टी से इसका कोई लेना- देना नहीं है। लेकिन कुछ दिन बाद हम देखते हैं कि उसी बेतुके बयान के कारण वही नेता तरक़्क़ी पा जाता है। ऐसे में यह बेफिजूल की बयानबाज़ी रुकेगी कैसे? बढ़ेगी ही। राजनीति में जब तक शैक्षणिक योग्यता तय नहीं होती, तब तक बेतुकी बयानबाज़ी पर रोक लगाना मुश्किल है।

ऐसा नहीं है कि शिक्षित नेता बेतुके बयान नहीं देते लेकिन कहीं, कोई तो नियम- क़ानून हो जिनके बूते पर कहा जा सके कि कभी तो इस तरह के बयानों पर लगाम लगेगी। वर्ना चारा क्या है?

पाँच सदस्यीय संविधान पीठ की एक जज ने ज़रूर कहा कि अगर कोई मंत्री अपमानजनक बयान देता है तो इस बयान के लिए उसकी सरकार को ज़िम्मेदार क्यों नहीं माना जाना चाहिए?

हालाँकि यह बात केस बाय केस निर्भर करती है। कौन से बयान के लिए सरकार ज़िम्मेदार हो सकती है और कौन से बयान के लिए नहीं, यह उस वक्त ही तय हो सकता है। ख़ैर, अब मंत्रियों की ग़लतबयानी से सरकारें बरी हो चुकी हैं और मंत्री तो कब से आज़ाद पंछी ही थे। अब और भी आज़ाद हो चुके हैं।

उन्हें इस आज़ादी का इस्तेमाल जनता के हित में करना चाहिए। सभ्य भाषा बोलने के रूप में करना चाहिए, ताकि लोगों के मन में वे जगह बना सकें।

रेवड़ी कल्चर का महोत्सव

रामविलास जांगिड़

चुनावी टाइम पर द ग्रेट इंडियन पॉ ली टि क ल रेवड़ी सर्कस दिखाया जाता है। इस सर्कस में एक से बढ़कर एक जोकर, खड़े होकर, हाथ धोकर पड़ जाते हैं वोटर के पीछे! एक से एक तबला बाज ताक धिन करते हैं रेवड़ी कल्चर पर! कई जानवर, कई-कई प्रकार से डांस फरमाते हैं रेवड़ी कल्चर पर! होती क्या है रेवड़ी और क्या होता है उसका कल्चर! कल्चर कि एग्रीकल्चर! सरकार किसलिए होती है?

लोगों के हितों का ख्याल रखने वाली? या फिर वोटरों के वोट घसीटने वाली! पहले कहा जाता था कि रेवड़ी अंधा ही बांटता है और वह घूम फिर कर अपने आप को ही देता है। लेकिन ये फंडा अब आउटडेटेड हो चुका है। अब फंडा ये है कि चार आंखों वाला, नेता छाप चश्मा पहने, डबल देखने वाला बंदा, रेवड़ी देकर लोगों को बना देता है अंधा। उस नेता नुमा जंतु का यही है धंधा। वोटरों के वोट झटकने के लिए लगा देता है वह अपना कंधा। रेवड़ी के लिए पैसा कहां से आता है? रेवड़ी बांटने में सरकारी खजाने का कितना बेड़ा गर्क होता है? बंटाधार हो जाएगा। अर्थव्यवस्था रसातल में पहुंच जाएगी।

इसके लिए रेवड़ी बाजार में कोई शब्द नहीं है। इन सरकारों के पास कोई अलादीन का चिराग थोड़े है कि उसे घिस दिया और पैसों की बरसात हो गई। बहुत से मुल्कों में ऐसा होते हुए हमने देखा है। उनका बंटाधार हुआ और वे रसातल में पहुंच गए हैं। इस रेस में हम भी कम नहीं है।

जब हम मुफ्त की चर्चा करते हैं तो यह बात रेखांकित है कि मुफ्त में कुछ नहीं होता है। लोग मुफ्त में थप्पड़ तक नहीं मारते हैं! क्या दे दिया मुफ्त में! हमसे कर वसूला। हमने टैक्स दिया। अप्रत्यक्ष करों से तो देश की अर्थव्यवस्था चल रही है। एक हाथ देते हैं तो दूसरे हाथ लेते हैं।

फ्री का पानी दे दिया। फ्री के पानी के साथ सांप-केंचुए मुफ्त! क्या कोई भी इंसान नुमा वोटर सरकारी अस्पताल में अपनों का अपना फ्री में बढ़िया इलाज करवाने को तैयार है या सात सितारा प्राइवेट अस्पताल में जाने के लिए मजबूर! सरकारी स्कूलों में मुफ्त की शिक्षा दे देंगे।

मुफ्त की शिक्षा लेने वाले होशियार बंदे है ही नहीं जी! सारे टीचर सरकारी स्कूल में पढ़ाते हैं और उनके बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं। इसे कहते हैं मुफ्त की रेवड़ी का मजा! सारे सरकारी डॉक्टर अपना इलाज प्राइवेट हॉस्पिटल में कराते हैं और मुफ्त की रेवड़ी सरकारी खजाने से ले जाते हैं। इस रेवड़ी बाजी रेस में आरबीआई भी कूद गया है। कोर्ट में भी कोई अपना फच्चर ठोक रहा है। आरबीआई कह रहा है कई राज्यों का बंटाधार हो गया है। डब्बा गोल होने वाले कई राज्यों में सब्सिडी बिल में भारी बढ़ोतरी हुई है।

मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन! मुफ्त का चंदन कौन कहां क्यों कैसे घिस पाता है? क्या है सेवा! क्या है मेवा! क्या है इसकी परिभाषा! हर राजनीतिक दल चाहता है कि वह चुनाव से पहले ख्वाब दिखाएं। मुफ्त के माल सजाएं। हसीन सपने दिखाएं। वोटरों को लुभाने के लिए रेवड़ी कल्चर का महोत्सव मनाएं!

वास्तुकला और अध्यात्म का अद्भुत संगम है 'वीरनारायण मंदिर'

क्या इस तरह के वास्तुकला महज संयोग है? इतने संयोग कैसे हो सकते है? अगर कोई इसे महज संयोग का नाम दे तो, धरती पर उससे बड़ा अज्ञानी कोई नहीं है. यह 12वीं शताब्दी में बना वीरनारायण मंदिर है

हर साल 23 मार्च को सूर्य इस मंदिर के मध्य में आता है, 23 मार्च को सूर्य की स्थिति को देखते हुए इस मंदिर को बनाना अपने आप में एक आश्चर्यजनक वास्तुकला है। लेकिन इसमें हैरानी की बात नहीं है, हमें हमारे पूर्वजों के उस ज्ञान पर गर्व करना है, जिसे मुगलों और आक्रमणकारियों के द्वारा नष्ट करने की लगातार कोशिश की गई, लेकिन इसे नष्ट करना उनके लिए असंभव सा प्रतीत हुआ। क्योंकि जो सत्य है वहीं सनातन है

यह मंदिर वीर नारायण को समर्पित है, यह एक सुंदर होयसला शैली का मंदिर है जो कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले के चिकमंगलूर शहर से 28 किमी दूर दक्षिण में स्थित है। यह मंदिर, चेन्ना केशव मंदिर से पश्चिम की ओर स्थित है और इसे आर्टिस्टिक इंटीरियर और एक्टीरियर के लिए जाना जाता है। इस मंदिर में दो श्राइन है जो एक - दूसरे के आमने सामने स्थित है।

इस मंदिर में एक मंडप भी है जिसमें 37 रास्ते बने हुए है। यह मंदिर एक प्लेटफॉर्म पर बना हुआ है और यहां बेहद ही खूबसूरत शिलालेख बने हुए है जो मंदिर की बाहरी दीवारों पर उत्कीर्ण किए गए है। इस मंदिर की पश्चिमी

तरफ की दीवारों पर एक बड़ी और सुंदर सी विजय नारायण की मूर्ति लगी हुई है। इसके अलावा, यहां चेन्ना केशवा और लक्ष्मी नारायण की मूर्ति भी लगी हुई है।

यहां घूमने आने वाले पर्यटक यहां आकर भीम, गणेश, शिव, विष्णु, ब्रह्मा, सरस्वती, पार्वती और भैरव आदि भगवानों की 59 मूर्तियां भी देख सकते है। पर्यटक यहां आकर कई छोटे - छोटे मंदिरों जैसे - सौम्यानायकी, केप्पे चेन्नींगाराया और अंदल आदि में भी दर्शन कर सकते है।

जनवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग में पौष पूर्णिमा कल

पौष पूर्णिमा नए साल 2023 की पहली पूर्णिमा है, जो 06 जनवरी दिन शुक्रवार को है। पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान करने का महत्व है। उसके बाद रात्रि के समय में चंद्र देव और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। दिन में सत्यनारायण भगवान की कथा सुनते हैं और उनकी पूजा करते हैं। पौष पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ तीन शुभ योग भी बन रह हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं पौष पूर्णिमा के स्नान दान समय और पूजा विधि के बारे में।

पौष पूर्णिमा 2023

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 06 जनवरी दिन शुक्रवार को 02:14 एएम से लग रही है, जो अगले दिन 07 जनवरी को प्रातः 04:37 एएम तक मान्य है। पूर्णिमा के व्रत के लिए उस तिथि में चंद्रमा का उदय काल देखा जाता है, लेकिन पौष पूर्णिमा के दिन उदयातिथि भी 06 जनवरी को है। इस साल पौष पूर्णिमा का व्रत, स्नान दान और पूजा पाठ 06 जनवरी को ही किया जाएगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में पौष पूर्णिमा व्रत

पौष पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, ब्रह्म योग और इंद्र योग बन रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग देर रात 12:14 ए एम से लेकर अगले दिन सुबह 07:15 ए एम तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला है। इसके अलावा ब्रह्म योग प्रातःकाल से सुबह 08 बजकर 11 मिनट तक है। उसके बाद से इंद्र योग बन रहा है। इंद्र और ब्रह्म योग शुभ योग माने जाते हैं।

पौष पूर्णिमा 2023 चंद्रोदय

पौष पूर्णिमा को चंद्रमा का उदय शाम 05 बजे होगा। पूर्णिमा के चंद्रमा का चंद्रास्त नहीं होता है, इसलिए इसका चंद्रास्त समय नहीं है।

पौष पूर्णिमा पर भद्रा भी

06 जनवरी को पौष पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है। इस दिन सुबह 07 बजकर 15 मिनट से भद्रा लग रही है, जो दोपहर 03 बजकर 24 मिनट तक है। हालांकि यह स्वर्ग की भद्रा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्वर्ग की भद्रा अशुभ नहीं होती है।

पौष पूर्णिमा 2023 स्नान दान

पौष पूर्णिमा के दिन आप सूर्योदय समय से स्नान दान और पूजा पाठ कर सकते हैं। इस दिन आप चंद्र देव से जुड़ी वस्तुओं जैसे चावल, दूध, मोती, सफेद वस्त्र आदि का दान करके पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पौष पूर्णिमा की पूजा विधि

पौष पूर्णिमा के दिन स्नान और दान के बाद रात्रि के समय में चंद्रमा की पूजा करते हैं। चंद्र देव को दूध, जल और अक्षत से अर्घ्य देते हैं। फिर माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। इससे चंद्र दोष दूर होगा और परिवार में सुख, समृद्धि आती है।

इन लोगों को कभी नहीं पहनना चाहिए रुद्राक्ष

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष को भगवान शिव के प्रतीक के रूप में पूजा गया है। मान्यता के अनुसार रुद्राक्ष भगवान शिव के आंसुओं से बना है, इसलिए सृष्टि में इससे ज्यादा पवित्र और कुछ भी नहीं। रुद्राक्ष भगवान शिव को भी प्रिय है। मान्यताओं के अनुसार रुद्राक्ष धारण करने वाले लोगों पर भगवान शिव अपनी विशेष कृपा बनाए रखते हैं, इसलिए ज्यादातर शिव भक्त रुद्राक्ष धारण किए हुए होते हैं।

रुद्राक्ष से ना सिर्फ धार्मिक लाभ प्राप्त होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य लाभ भी देता है। एक मुखी से लेकर 21 मुखी तक के रुद्राक्ष पाए गए हैं। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन सभी रुद्राक्षों की अपनी एक अलग महिमा है। ज्योतिष शास्त्र में माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से कष्ट दूर होते हैं। रुद्राक्ष धारण करने के क्या नियम हैं?

रुद्राक्ष से ना सिर्फ धार्मिक लाभ प्राप्त होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य लाभ भी देता है

– किसको नहीं धारण करना चाहिए रुद्राक्ष

– गर्भवती स्त्री

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि किसी स्त्री को रुद्राक्ष धारण करने की सलाह दी गई है तो बच्चे के जन्म के बाद सूतक काल समाप्त होने तक उसे रुद्राक्ष उतार देना चाहिए। इसके अलावा रुद्राक्ष धारण करने वाले व्यक्ति को जहां नवजात शिशु और उसकी मां हो, उस स्थान पर प्रवेश नहीं करना चाहिए। अगर किन्ही कारणों से उसे वहां जाना भी पड़े तो पहले रुद्राक्ष को उतार देना चाहिए।

– मांसाहार का सेवन

करने वाले व्यक्ति मांसाहार करने वाले व्यक्ति को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार रुद्राक्ष धारण करने से पहले धूम्रपान और मांसाहार भोजन से दूरी बना लेना ही उचित है। ऐसा माना जाता है कि मांसाहार करने से रुद्राक्ष अशुद्ध होता है, जिसके कारण भविष्य में कष्ट उठाने पड़ सकते हैं।

– सोते समय नहीं करें रुद्राक्ष धारण

किसी भी व्यक्ति को यदि उसने रुद्राक्ष धारण किया हुआ है तो सोते समय रुद्राक्ष को उतार कर ही सोना उचित है। सोते समय आप इसे उतार कर अपने तकिए के नीचे रख सकते हैं। ऐसा करने से आपको बुरे सपने आने बंद हो जाएंगे। जिन लोगों को नींद नहीं आती या सोने में दिक्कतें आती हैं, उन्हें भी इससे फायदा मिलेगा।

पौष मास के आखिरी दिनों में करें ये उपाय

हिन्दू धर्म के अनुसार पौष महीने का विशेष महत्व है, यह हिन्दू पंचांग का दसवां महीना होता है और मार्गशीष के बाद आता है। इस बार यह महीना 9 दिसंबर से 6 जनवरी तक है और यह महीना तेज एवं ऊर्जा के प्रतिक भगवान सूर्य नारायण को समर्पित है। सूर्य भगवान सनातन धर्म के पांच मुख्य देवों में से एक हैं और यह इकलौते भगवान हैं, जो हमें साक्षात रूप से आकर दर्शन देते हैं अर्थात वह प्रत्यक्ष देवता हैं। ज्योतिष विज्ञान के मुताबिक सूर्य आत्मा, पिता एवं स्वास्थ्य का कारक माना जाता है और व्यक्ति के जीवन में सूर्य का मजबूत होना परम आवाश्यक और सुखदाई भी होता है।

क्या है सूर्य का महत्व

कुंडली में मजबूत सूर्य जातक को अपार यश, ऐश्वर्य एवं कीर्ति की प्राप्ति कराता है और यदि आपकी कुंडली में सूर्य कमज़ोर है तो आपको जीवनपर्यंत अनेकों अनेक परेशानियों से जूझना पड़ेगा। पौष मास में भगवान सूर्य धनु राशि में गोचर होते हैं, जिसके कारण समस्त शुभ कार्य कुछ समय के लिए स्थगित हो जाते हैं। इस मास में पितरों के नाम से पिंडदान करने का भी विशेष महत्व है और ऐसा करने से पितरों को अवश्य ही बैकुण्ठ की प्राप्ति होती है।

क्या हैं अचूक उपाय

वैसे तो इस पूरे महीने ही भगवान सूर्य को प्रसन्न करना चाहिए परंतु इस मास के आखिरी 5 दिनों में सूर्य देव की आराधना करने का फायदा अधिक हो जाता है यानि नव वर्ष 2023 के प्रथम 5 दिन। तो आइए बताते हैं आपको पद्म पुराण के कुछ सरल, दुर्लभ एवं अचूक उपायों के बारे में।

1- सबसे पहले तो सूर्य के उदय से पहले उठकर नित्यकर्म करके भगवान सूर्य को दही-चिवड़े का भोग लगाना चाहिए, ऐसा करने से भगवान सूर्य नारायण मनचाहे फल की प्राप्ति कराते हैं।

2- सूर्य देव को अर्घ्य देने से व्यक्ति के धन, यश, विद्या, बुद्धि, तेज एवं बल की उन्नति होती है।

3- इसके अलावा संभव हो तो व्यक्ति को पांचों दिन का उपवास कर केवल और केवल तिल गुड़ का ही सेवन करना चाहिए, ऐसा करने से व्यक्ति के ऐश्वर्य, धन, सम्पदा और कीर्ति की वृद्धि होती है।

सिर से लेकर पैर तक कितनी बार घुमानी चाहिए आरती

हिंदू धर्म शास्त्रों में आरती के दीपक को घुमाने के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार सबसे पहले भगवान के चरणों का चार बार, नाभि का दो बार, मुख की तरफ एक बार और सिर से लेकर चरणों तक सात बार आरती की जानी चाहिए। इस तरह आरती कुल 14 बार घुमाई जानी चाहिए, ऐसा शास्त्रों में उल्लेख मिलता है।

आरती का दीपक

शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि आरती को कभी भी सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए। आरती करने से पहले और आरती करने के बाद आरती के दीपक को किसी थाली या फिर किसी ऊंची जगह में ही रखना चाहिए। दीपक जलाने के बाद और जलाने से पहले अपने हाथों को अवश्य धोना चाहिए।

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक किसी भी पूजा पाठ में देवी-देवताओं की आरती करने के बाद जल से आचमन जरूर करवाना चाहिए। इसके लिए दीपक को रखकर पुष्प या फिर पूजा वाले चम्मच से थोड़े से जल लेकर दीपक के चारों ओर दो बार घुमाकर जल को धरती में छोड़ दें। इसके बाद भगवान से अपनी भूल चूक के लिए माफी मांगे और परिवार के सदस्यों को आरती दें।

आरती के विषय में

शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु ने कहा है कि जो व्यक्ति घी के दीपक से आरती करता है, उसे स्वर्ग लोक में स्थान प्राप्त होता है। कपूर से आरती करने वाले व्यक्ति को अनंत में प्रवेश मिलता है और जो व्यक्ति पूजा में होने वाली आरती के दर्शन करता है, उसे परम पद की प्राप्ति होती है।

स्कंद पुराण के अनुसार यदि कोई व्यक्ति मंत्र नहीं जानता, पूजा की संपूर्ण विधि नहीं जानता, लेकिन भगवान की हो रही आरती में श्रद्धा पूर्वक शामिल होता है तो उसकी पूजा स्वीकार होती है।

भोजपुरी अभिनेत्री यामिनी ने पवन सिंह पर लगाए गंभीर आरोप, बोलीं- सेट पर सहयोग करने को कहा

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। अभिनेत्री यामिनी सिंह ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस ने पहले भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह का लेकर इंटरव्यू में कहा था कि वह उनके साथ काम इसलिए नहीं करती हैं, क्योंकि उनकी फिल्मों में स्पेस नहीं मिलता है। अब हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान यामिनी सिंह ने खुलासा किया कि वह आखिर क्यों पवन सिंह के साथ काम नहीं करना चाहती हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि अभिनेता ने उन्हें काम करने के लिए कम्प्रोमाइज करने को कहा था।

भोजपुरी अभिनेत्री यामिनी सिंह ने इंटरव्यू के दौरान पवन सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'मैं ये साफ करना चाहती हूं कि सभी को लगता है कि मुझे पहली फिल्म पवन सिंह ने दी थी, लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे मेरी पहली फिल्म डायरेक्टर अरविंद चौबे ने ऑफर की थी, जिसका नाम 'बॉस' था। मुझे निकालने वाले न पवन सिंह थे और न ही कोई डायरेक्टर था, बल्कि मैंने खुद ने इस फिल्म को छोड़ा था।'

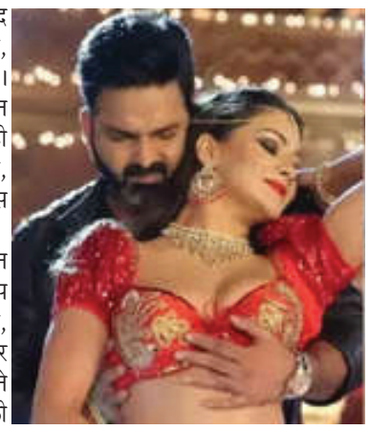

अभिनेत्री ने पवन सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा, 'जब मैं सेट पर आई थी तो मैंने पवन सिंह की जमकर तारीफ की थी, क्योंकि वह मेरे फेवरेट सिंगर हैं, लेकिन तब मैं उनकी सच्चाई नहीं जानती थी। मुझे पवन सिंह ने समझौता करने के लिए कहा था। इसके बाद मैंने ठान लिया कि मैं सबके साथ काम करूंगी, लेकिन पवन सिंह के साथ कभी नहीं करूंगी। मुझे गलत करना होगा तो मैं हॉलीवुड न जाऊं? वहां गलत करके आगे बढ़ जाऊं।'

अब मैं उनके फैंस से एक सवाल पूछना चाहती हूं कि उनकी मां, बहन, बहू और बेटी को कोई गलत करने के लिए बोले तो क्या तब भी आप उस इंसान के भक्त बनकर बैठोगे। यामिनी सिंह से जब पवन सिंह के साथ काम न करने को लेकर सवाल पूछा गया तो अभिनेत्री ने कहा कि कोई गंदा काम करने बोलेगा तो करूंगी क्या?

गंदे काम को लेकर यामिनी सिंह ने कहा कि यह फिल्म के सीन के बारे में नहीं था, बल्कि कुछ और ही था। मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, क्योंकि इससे विवाद होगा। मैं ज्यादा कुछ नहीं बस उनके भक्तों को बताना चाहती हूं कि अंध भक्ति मत करो।

बता दें कि हाल ही में यामिनी भोजपुरी सुपरस्टार और गायक खेसारी लाल यादव के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं। इसके बाद से खबर है कि अभिनेत्री एक बार फिर खेसारी लाल यादव के साथ फिल्म 'गॉडफादर' में नजर आएंगी।

फ्लॉप फिल्मों की लगती जा रही झड़ी, इस हसीना को सिर्फ हुस्न दिखाने की है पड़ी!

कई स्टारकिड्स ऐसे हैं जिनके पेरेंट्स ने तो बॉलीवुड में अपने काम से नाम कमाया लेकिन उनके बच्चे काम नहीं, बल्कि किसी और वजह से लाइमलाइट हासिल कर रहे हैं. इन स्टारकिड्स में एक नाम जाह्नवी कपूर का है. जाह्नवी की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जितनी स्पीड से रिलीज हो रही हैं उतनी ही स्पीड से फ्लॉप हो रही हैं. लेकिन जाह्नवी को देखकर ऐसा लगता है कि उनका फोकस फिल्मों पर कम और अपने जिम लुक पर ज्यादा है. आए दिन जाह्नवी जिम के बाहर इतने छोटे और टाइट कपड़े पहने स्पॉट हो जाती हैं कि उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ चर्चा में रहना है. देखिए जाह्नवी कपूर का लेटेस्ट जिम लुक.

जाह्नवी कपूर इस बार जिम के बाहर जैसे ही निकली तो हमेशा की तरह उनके कपड़े हद से ज्यादा छोटे और टाइट थे.

जाह्नवी कपूर फोटोज में लाइट पर्पल कलर के टाइट्स और उसके साथ लाइट पर्पल कलर का क्रॉप टॉप पहने नजर आईं. एक्ट्रेस ने कंधे पर ब्लैक कलर का बैग टांगा हुआ था और सिंपल सी स्लीपर पहने हुए नजर आईं.

एक्ट्रेस जैसे ही जिम के बाहर निकलीं तो कैमरे के सामने जमकर पोज देने लगीं. इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने इन टाइट कपड़ों में सेक्सी फिगर भी पैपराजी के सामने फ्लॉन्ट किया.

वहीं लुक की बात करें तो जाह्नवी बालों को हॉफ ओपन किए हुए दिखीं और बालों पर बड़ा क्लेचर लगाया हुआ है. फोटोज में एक्ट्रेस बिना मेकअप दिखीं. जाह्नवी ने जिम से निकलते ही पहले तो एक के बाद एक किलर पोज दिए. इसके बाद अपनी कार में जाकर बैठ गईं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस आखिरी बार 'मिली' फिल्म में नजर आई थीं. इस फिल्म को बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म की चर्चाएं तो बहुत थी लेकिन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई.

सिर्फ नाम का है 'संस्कारी रूप', गोवा में शर्म-ओ-हया छोड़कर; कर डाला ये कारनामा

'पंड्या स्टोर' सीरियल में धरा का रोल निभाने वाली शाइनी दोषी ने अपने किरदार से लोगों के बीच संस्कारी बहू की इमेज बनाई है. धरा सीरियल में हमेशा साड़ी में नजर आती हैं और परिवार के हर सदस्य का ख्याल रखती हैं. लेकिन सीरियल में नजर आने वाली ये संस्कारी धरा रियल लाइफ में इतनी ज्यादा बोल्ड हैं कि उनकी फोटोज देखकर आप भी कहेंगे ये तो हद से ज्यादा बोल्ड हैं. खास बात है कि धरा का सोशल मीडिया भी उनकी हर तरह की बोल्ड फोटोज से भरा पड़ा है यहां तक कि आप धरा के ऑन स्क्रीन लुक और ऑफ स्क्रीन लुक को देखकर कहेंगे दोनों में जमीन आसमान का फर्क है.

गोवा में मनाया नया साल

शाइनी दोषी ने इस नए साल का जश्न पति और दोस्तों के साथ गोवा में मनाया. गोवा की शाइनी ने कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों में नए साल के मौके पर जबरदस्त आतिशबाजी दिखाई दे रही है. जिससे कि फोटो के पीछे का बैकग्राउंड काफी ज्यादा सुंदर लग रहा है.

खुलेआम किया लिपलॉक

धरा न्यू ईयर सेलिब्रेशन की फोटोज में पति लविश खैरजानी के साथ

नजर आ रही हैं. फोटो में धरा ब्लैक कलर की ब्रा के साथ डेनिम जींस पहनी हैं और लविश ट्राउजर के साथ व्हाइट कलर की प्रिंटेड शर्ट पहने हैं. फोटो में दोनों एक दूसरे को लिपलॉक करते हुए नजर आए. इस तस्वीर को शाइनी दोषी ने इंस्टाग्राम पर लव और लाइट कैप्शन के साथ शेयर किया. इसके अलावा शाइनी ने दोस्तों के साथ भी गोवा की कई फोटोज शेयर की है जिसमें वो पति और दोस्तों को साथ मस्ती करती हुई नजर आईं. आपको बता दें, शाइनी दोषी स्टारप्लस के सीरियल 'पंड्या स्टोर' में धरा के रोल में नजर आती हैं. ये शो फैंस को काफी ज्यादा पसंद है.

आदर जैन से ब्रेकअप के बाद पार्टी करती दिखीं तारा

तारा सुतारिया अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि तारा का अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड आदर जैन से ब्रेकअप हो गया है। फिलहाल इन रुमर्स के बीच तारा अपूर्वा की रैप-अप पार्टी में ग्लैमरस अवतार में नजर आईं। जिस का एक वीडियो सामने आया है।

वीडियो में तारा व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस लुक में तारा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस दौरान तारा ने पैपराजी को मुस्कुराते हुए जमकर पोज भी दिए। बता दें कि तारा सुतारिया ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'अपूर्वा' की शूटिंग पूरी की है। इस मौके पर फिल्म की रैप अप पार्टी रखी गई जिसमें तारा भी पहुंची। बता दें कि तारा सुतारिया कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इनमें 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 2' और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसे फिल्में शामिल हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक तारा सुतारिया और आदर जैन का ब्रेकअप हो चुका है। कपल ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। ब्रेकअप के बाद भी कपल अच्छे दोस्त की तरह रहेगा। हालांकि अभी तक इस खबर पर तारा और आदर में से किसी ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

2018 में हुई थी मुलाकात

बता दें कि आदर और तारा की मुलाकात 2018 में एक दिवाली पार्टी पर हुई थी। दोनों कॉमन फ्रेंड के जरिए मिले थे, इसके बाद अक्सर कई मौकों पर कपल को साथ स्पॉट किया गया। करीब 4 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद आदर और तारा ने अलग होने का फैसला लिया।

सतीश शाह का लंदन में उड़ाया गया मजाक, एक्टर के जवाब ने की बोलती बंद

बॉलीवुड एक्टर सतीश शाह ने कॉमिक किरदारों से लेकर हर तरह की भूमिका में छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। हाल ही में अभिनेता ने एक घटना के बारे में बताया कि कैसे उन पर लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर कुछ स्टाफ के द्वारा टिप्पणी की गई। जिसे सुनने के बाद उन्हें विश्वास नहीं हुआ, हालांकि अभिनेता ने शांत रहते हुए इसका करारा जवाब दिया। अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर खूब चर्चा हो रही है।

सतीश शाह ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर बताया कि कैसे उनके ऊपर हीथ्रो एयरपोर्ट के स्टाफ ने ही कमेंट करते हुए कहा कि 'ये लोग फर्स्ट क्लास टिकट एफोर्ड कैसे कर पाते हैं।' इसके बाद सतीश शाह ने उन्हें जवाब दिया क्योंकि हम इंडियंस हैं। जिससे एयरपोर्ट स्टाफ एक दम चुप हो गया। अभिनेता ने ट्वीट कर इस पूरे घटनाक्रम को साझा किया है। सतीश शाह ने अपने ट्विटर हैंडल से लिखा, मैंने एक प्राउड स्माइल के साथ जवाब दिया क्योंकि हम भारतीय हैं॒ जब मैंने हीथ्रो के कर्मचारियों को आश्चर्यजनक रूप से अपने साथी से पूछते हुए सुना कि 'वे प्रथम श्रेणी का खर्च कैसे उठा सकते हैं?' वहीं हीथ्रो एयरपोर्ट की ओर से भी अभिनेता को रिप्लाई दिया गया है।

सतीश शाह के ट्वीट के रिप्लाई में हाथ्रो एयरपोर्ट द्वारा लिखा गया, गुड मॉर्निंग, हमें इस बारे में सुनकर खेद है, क्या आप हमें डायरेक्ट मैसेज कर सकते हैं? अब यूजर्स अभिनेता सतीश शाह के ट्वीट पर लगातार अपनी प्रतिक्रिया देर रहे हैं। एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, खैर पूरी तरह से उनकी गलती नहीं है सर। यह ब्रिटिश सरकार है जो उन्हें अपने साम्राज्य के अत्याचारों के बारे में अपना सही इतिहास नहीं सिखाती है और वे मानते हैं कि उनकी किताबें क्या कहती हैं। वहीं दूसरे ने लिखा, आपने उन्हें बताया होगा कि यूके में भारतीय परिवार की औसत कमाई अधिकांश ब्रिटिश लोगों की कमाई से कहीं अधिक है....क्योंकि हम प्रोफेशनल स्किल्स के साथ कड़ी मेहनत के साथ आते हैं, न कि केवल पूर्वजो से लूटे गए धन का आनंद लेने के लिए। बाकी यूजर्स भी इसी तरह से अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

क्या रिलेशनशिप में हैं विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना!

वेकेशन की तस्वीरों से मिले संकेत

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना

की जोड़ी को फैंस पर्दे पर खूब पसंद करते हैं। असल जिंदगी में भी इनकी सुपरहिट जोड़ी को फैंस एक साथ देखना चाहते हैं। अक्सर इन दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ती रहती हैं। कई बार इन दोनों की एक साथ बाहर जाकर छुट्टियां मनाने और डेटिंग खबरें सामने आई हैं, लेकिन इन्होंने आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। भले ही रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने किसी को भी नए साल पर वेकेशन पर जाने की खबर न दी हो, लेकिन सामने आईं तस्वीरों से पता चल गया है कि दोनों ही नए साल पर बाहर अपनी छुट्टियां मना रहे हैं।

देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने नए साल पर छुट्टियां मनाते हुए कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर यह कपल एक साथ छुट्टियां मना रहा है।

इन तस्वीरों को देखने के बाद फैंस का कहना है कि वह दोनों एक साथ हैं और साथ में अपनी छुट्टियां मना रहे हैं। भले ही दोनों बताना न चाहते हों, लेकिन ये तस्वीरें साफ-साफ उन दोनों के एक साथ होने का सबूत हैं।

रविवार को नए साल के मौके पर विजय देवरकोंडा ने अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह समंदर की लहरों के बीच शर्टलैस लुक में पानी से भीगे हुए शैंपेन लिए दिख रहे हैं। अभिनेता ने अपने नए साल की शुरुआत बीच पर यादगार पल बिताकर की है। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'एक साल जहां हम सभी के पास ऐसे पल थे, जब हम जोर से हंसे, चुपचाप रोए, लक्ष्य का पीछा किया, कुछ जीते, कुछ हारे। हमें हर चीज का जश्न मनाने की जरूरत है, क्योंकि यही जीवन है।' वहीं दूसरी ओर, विजय के कुछ देर बाद ही रश्मिका ने भी अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की, जिसमें वह बीच किनारे आराम फरमाते नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैलो 2023..।

क्या बोले फैंस

हालांकि, ये तस्वीरें अभी की नहीं, बल्कि दोनों के मालदीव ट्रिप की बताई जा रही हैं। फैंस का कहना है कि उन्होंने नए साल के मौके पर अपनी पहले की तस्वीरें साझा की हैं, जब वह दोनों एक साथ थे, क्योंकि तस्वीरों में दिखाई दे रहा बैकग्राउंड रश्मिका द्वारा अक्तूबर में साझा की गई तस्वीरों जैसा है। वहीं कुछ फैंस का मानना है कि नए साल के मौके पर दोनों एक साथ ही हैं। कई बार दोनों को एक साथ समय बिताते हुए देखा गया है। इससे पहले भी दोनों एक दूसरे के साथ मालदीव के ट्रिप पर गए थे। तब इन दोनों को एक साथ मुंबई एयरपोर्ट पर एक जैसे रंग के कपड़े पहने हुए देखा गया था। इसके बाद, रश्मिका ने वहां की कुछ यादें भी साझा की थीं।

दोनों एक साथ मना रहे छुट्टियां

विजय

'सूर्या 42' ने बना डाला नया रिकॉर्ड, 100 करोड़ में बिके फिल्म के हिंदी राइट्स

सूर्यम, सिरूथाई, वीरम, वेदालम और विश्वासम जैसी कुछ फिल्में बनाने के बाद, सिवा पहली बार तमिल सुपरस्टार सूर्या के काम कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा सितंबर में हुई थी। यह फिल्म थ्रीडी में बन रही है जिसे 10 भाषाओं में रिलीज करने की तैयारी है। फिलहाल इस फिल्म को 'सूर्या 42' कहा जा रहा है। सूर्या के साथ इस पैन इंडिया फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आने वाली हैं। जानकारी के अनुसार यह फिल्म पुनर्जन्म पर आधारित होगी, जिसमें जमकर एक्शन दिखाया जाएगा। इस बीच खबर है कि पेन स्टूडियोज के मालिक जयंतीलाल गडा ने इस फिल्म के हिंदी राइट्स खरीद लिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह डील 100 करोड़ रुपये में हुई है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में यह किसी फिल्म के लिए चुकाई गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है। सिवा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से लोगों को काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लगभग 200 करोड़ के बजट से बनाया जा रहा है। इस पीरियड एक्शन फिल्म को लेकर चर्चा है कि इसमें सूर्या पांच किरदारों में नजर आ सकते हैं। बता दें कि फिल्म की कहानी आज के समय और एक हजार साल पहले घटी घटना के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इससे पहले पेन स्टूडियोज आरआरआर, विक्रम और पीएस-1 जैसी फिल्में खरीद चुकी है। अब वो हिंदी में 'सूर्या 42' का भी वितरण करेंगे। गौरतलब है कि पेन ने तेलुगू फिल्म आरआरआर के हिंदी राइट्स भी 140 करोड़ में खरीदे थे। वहीं, फिल्म ने हिंदी पट्टी में 274.31 करोड़ का कलेक्शन किया था। सूर्या की बात करें तो एक्टर आखिरी बार फिल्म विक्रम में दिखे थे। इस फिल्म में उनके छोटे से रोल ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद निर्देशक लोकेश कनगराज ने सूर्या के कैरेक्टर 'रोलेक्स' को लेकर अलग से फिल्म बनाने की घोषणा कर दी थी।

ब्लड शुगर कंट्रोल करती है सर्दी में मिलने वाली ये मीठी चीज, दिमाग भी करेगी तेज

डायबिटीज के कारण कुछ मीठा भी नहीं खा पा रहे हैं. इस खबर में ऐसी मीठी चीज के बारे में जानिए जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करती है. क्या आप डायबिटीज से पीड़ित हैं? आपका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं रहता है? डायबिटीज के चक्कर में आप कुछ मीठा खा भी नहीं पाते हैं और अपना मन मारकर रह जाते हैं. इस खबर में हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताएंगे जो खाने में मीठी है और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद भी करती है. ये मीठी चीज कोई और नहीं बल्कि सर्दियों में मिलने वाली शकरकंद है. शकरकंद बहुत ही गुणकारी है. यह हमारा दिमाग भी तेज करती हैं. आइए शकरकंद के फायदों के बारे में जानते हैं।

शकरकंद के फायदे

ब्लड शुगर रहेगी कंट्रोल

शकरकंद में कई औषधीय गुण होते हैं. यह डायबिटीज में फायदेमंद है. आप शकरकंद को उबालकर या सेंककर खा सकते हैं. शकरकंद में एंटी डायबिटीक गुण होता है. मीठी होने के बावजूद यह ब्लड शुगर को नहीं बढ़ाती है।

वजन कम करने में है कारगर

शकरकंद वजन कम करने में भी कारगर है. शकरकंद में कैलोरी की मात्रा कम होती है. हालांकि, ये फाइबर का अच्छा सोर्स है. लेकिन हमें शकरकंद ज्यादा खाने से बचना चाहिए. अधिक मात्रा में हर चीज नुकसान करती है।

पाचन को बनाए बेहतर

शकरकंद हमारे डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बेहतर बनाती है. शकरकंद में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत करता है. यह कब्ज और अपच की परेशानी को दूर करती है।

तेज करे दिमाग

शकरकंद खाने से दिमाग भी तेज होता है. शकरकंद को खनिज लवणों का भंडार कहा जाता है. शकरकंद में कोलीन नामक एक न्यूट्रिएंट पाया जाता है. ये याददाश्त को बढ़ाने में मदद करता है. हमारे नर्वस सिस्टम के लिए भी ये लाभदायक है।

आंखों के लिए है फायदेमंद

आंखों के लिए भी शकरकंद फायदेमंद है. शकरकंद में एंथोसायनिन और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है. इसके अलावा शकरकंद में पाया जाने वाला बीटा कैरोटीन आंखों को फायदा पहुंचाता है।

सास-बहू के रिश्ते को ऐसे बनायें मजबूत

सास और बहु महिलाओं के रूप में परिवार की वह कड़ी होती हैं जो पूरे परिवार को सहेजने और एक बनाकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन दो महिलाओं के रूप में दो पीढ़ियों का कल्चर साथ चल रहा होता है और अक्सर पीढ़ी का यह अंतर ही मुश्किल की वजह भी बनता है। जबकि यदि सास-बहु के बीच का बॉन्ड मजबूत हो तो विपरीत परिस्थितियों में भी परिवार टूटता नहीं।

ऐसे बनायें बॉन्ड को मजबूत

1. स्पेस दें

अगर घर में बहु नए सदस्य के रूप में आई है तो सास पहले से वहां हैं। यानी दोनों का अपना एक कम्फर्ट ज़ोन है, दोनों का अपना एक रूटीन है और अमूमन दिक्कत इसी से शुरू होती है कि दोनों ही इससे समझौता करने से कतराती हैं। इसका हल यह है कि दोनों शुरुआत से ही एक-दूसरे को स्पेस दें, बजाय दूसरे को अपने स्पेस में जबरन लाने के या उनके स्पेस में अतिक्रमण करने के। यहां स्पेस से मतलब है समझने और घुलने मिलने के लिए वक्त देना। उदाहरण के लिए यदि बहु कम बोलती है तो बेवजह उसे लोगों से मिलने और बात करने के लिए दबाव न बनायें। इसी तरह यदि सास ने घर में अपने लिए कोई रूटीन बना रखा है तो बेवजह उसे डिस्टर्ब करने की कोशिश न करें।

2. छीनने नहीं, साझा करने की भावना

ये वह पूर्वाग्रह है जिससे सास सबसे ज्यादा ग्रसित होती है। उन्हें लगता है कि बहु आएगी और उनके इतने सालों से बसे साम्राज्य पर कब्जा कर लेगी। वहीं बहु को यह पूर्वाग्रह रहता है कि ससुराल में अपना अधिकार और जगह दोनों छीनने पर ही मिलेगी और सास इस मामले में हमेशा उसकी दुश्मन बनकर ही सामने आएँगी। यह बात हमेशा याद रखें कि सास और बहु दोनों एक ही परिवार का हिस्सा हैं और परिवार में अधिकार और स्थान सहजता से बांटे जाते हैं, छीने नहीं जाते। सास कोशिश करे कि बहु को उसके दायित्व धीरे धीरे सौंप दे। हां मार्गदर्शन के लिए हमेशा मौजूद रहें और बहु को चाहिए कि सास के पूर्व के दायित्व और जिम्मेदारियां एकदम से अपने हाथ में लेने की जल्दी न करे। बहुत सरलता और विनम्रता से उन्हें मान देते हुए

जिम्मेदारियां शेयर करें।

3. अपनी अपनी पसंद

बहु को कहाँ क्या पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए, कितने लम्बे बाल रखना चाहिए, वह फलां सीरियल क्यों देखती है, उसके कमरे के पर्दे कितने भड़कीले हैं और उसने बेटे को फ्लोरल प्रिंट की कमीज क्यों दी जैसी तमाम बातें बेमानी हैं। इसी तरह सास फलां जगह से सामान क्यों खरीदती हैं, सोफे के कुशन कितने खराब रंग के लाईं, नॉनस्टिक पैन यूज क्यों नहीं करतीं आदि जैसी चीजें भी मायने नहीं रखतीं। हर एक व्यक्ति की पसंद और काम करने का तरीका अलग और उसकी अपनी सुविधा के अनुरूप होता है। एक ही परिवार में किन्ही दो लोगों की पसंद तक एक जैसी नहीं होती।

4. सलाह का सम्मान

खाने में क्या पकेगा से लेकर घूमने के लिए कहाँ जाएंगे और घर का इंटीरियर कैसा होगा से लेकर मकान के लिए कहाँ इन्वेस्ट करना ठीक होगा तक जैसे तमाम मुद्दों में घर के हर सदस्य की राय महत्वपूर्ण होती है। कई बार कोई व्यक्ति किसी चीज को भूल भी रहा हो तो दूसरा उसे याद दिला सकता है। घर में आई नई सदस्य यानी बहु की राय को भी इसमें शामिल जरूर करें। इससे उसे यह महसूस होगा कि आपने उसके विचारों को महत्व दिया। इसी तरह किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सास की सलाह को भी महत्व दें। अनुभव अक्सर मुश्किल स्थितियों से मुकाबला करने में काम आते हैं, इस बात को भूलें नहीं। खास बात यह कि यदि आपके पास (सास-बहु किसी के भी पास) किसी मुद्दे पर कोई ठोस तर्क है तो उसे भी शांति से समझाएं। यदि आपका तर्क सही है तो मतभेद की स्थिति ही नहीं बनेगी।

5. मतभेद को मनभेद न बनाएं

ये मन्त्र अगर आपने सीख लिया तो समझ लीजिये जिंदगी भर के लिए सुकून पा लिया। यहाँ बहस को टालने का मतलब स्थिति को नजरअंदाज करने या मुद्दे से पीछे हट जाने से नहीं है। जिस भी समय किसी मुद्दे पर आप दोनों (सास-बहु) के विचार मिल नहीं रहे हों, उस समय गुस्सा होने, चिड़चिड़ाने या झगड़ने की बजाय यह कहकर पीछे हट जाएँ कि अभी मुझे इस विषय पर और सोचने का समय चाहिए, हम इसके बारे में शांति से बैठकर बात करते हैं।

सिर्फ चिंता-तनाव ही नहीं, आयरन की कमी भी बन सकती है डिप्रेशन का कारण

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना मौजूदा समय की प्राथमिकता है। चिंता-तनाव जैसी स्थितियों को अनदेखा करना अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को स्वस्थ जीवनशैली और आहार पर गंभीरता से ध्यान देने की सलाह देते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में भी तेजी डिप्रेशन का जोखिम बढ़ रहा है, कम उम्र में ही लोग इस समस्या के शिकार देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ चिंता-तनाव की स्थिति ही नहीं, आपके आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण भी डिप्रेशन होने का खतरा हो सकता है। इसके लिए अध्ययनों में शरीर में आयरन की कमी को एक कारण के रूप में देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आयरन की कमी की दिक्कत भारत, एशिया के अन्य देशों और अफ्रीका की महिलाओं में अधिक देखा जाता रहा है। यह न सिर्फ कमजोरी, थकान और कई गंभीर बीमारियों के जोखिमों को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, साथ ही इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर होता है। हमारे आहार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं जो आसानी से शरीर के लिए इस आवश्यक पोषक तत्व की पूर्ति कर सकते हैं।18 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के लिए प्रतिदिन 8.7mg और महिलाओं के लिए प्रतिदिन 14.8mg की मात्रा में इसकी आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि आयरन की कमी में किन चीजों का सेवन सबसे लाभकारी माना जाता है?आहार विशेषज्ञ कहते हैं, शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के भोजन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो शरीर को पर्याप्त मात्रा में आयरन की पूर्ति करने में सहायक है। रेड मीट और पोल्ट्री, फलियां, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां-साग जैसे पालक, सूखे मेवे जैसे किशमिश और खुबानी, मटर आदि से इसकी पूर्ति आसानी से की जा सकती है।

क्या आप शादी के लिए तैयार हैं?

विवाह करके अपना परिवार बसाने और खुशियां पाने का सपना सबका होता है लेकिन कई बार यह फैसला इतनी जल्दबाजी में लिया जाता है कि कुछ दिन बाद ही सपने के टूटने जैसा आभास होने लगता है। शादी करने और अपनी रिलेशनशिप को स्थाई रूप देने का निर्णय आसान नहीं होता। इसके पहले कई बातों पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत होती है क्योंकि जल्दबाजी में लिए गए फैसले अक्सर लम्बे नहीं टिक पाते। खासकर आजकल के दौर में जब रिश्ते स्टेटस अपडेट से भी अधिक आसानी से चेंज कर दिए जाते हैं।

उम्र भर का फैसला

जिस तेजी से आजकल सामाजिक स्थितियां बदल रही हैं, उसका असर रिश्तों पर भी पड़ा है। खासकर युवाओं में रिश्तों के निबाह को लेकर कई तरह के असमंजस और भय भी पनप रहे हैं। इसके चलते यदि वे भावनावश या स्थितिवश विवाह का निर्णय ले भी लेते हैं तो जल्द ही दम्पत्ति के बीच मनमुटाव और तकरार शुरू होने लगती है। ऐसा लगने लगता है कि गलत फैसला ले लिया। यही कारण है कि टूटते रिश्तों की संख्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और विवाह नाम की एक बहुत महत्वपूर्ण संस्था के प्रति लोगों के मन में अनिश्चितता सी पनपने लगी है।

सामंजस्य बैठाने में हैं कच्चे तो...

आप स्थितियों से समझौता करने या एडजस्टमेंट करने से कतराते हैं, तो विवाह के बंधन में बंधने से पहले थोड़ा समय खुद को सुधारने के लिए दें। हालांकि अधिकांश मामलों में यह उम्मीद महिलाओं से की जाती है कि वे हर वातावरण से सामंजस्य बैठा लेंगी, लेकिन यह स्त्री-पुरुष दोनों के लिए ही जरूरी है। लम्बे समय में यह व्यवहार दिक्कत दे सकता है। कभी-कभार,

किसी बात के लिए एडजेस्टमेंट न कर पाना अलग बात है लेकिन हमेशा साथ रहने पर यह आदत दिक्कत दे सकती है। चाहे आप लम्बी कोर्टशिप के बाद ही विवाह क्यों न कर रहे हों, इस बारे में विचार जरूर करें कि सामंजस्य का मतलब रिश्ते को धैर्य से सहेजना होता है। यदि आपस में प्रेमभाव है तो पति- पत्नी दोनों में स्थितियों के अनुरूप थोड़ा बहुत सामंजस्य बैठाने की आदत होनी चाहिये। यहाँ सामंजस्य बैठाने का मतलब गलत या प्रताड़ना को सहन करना नहीं है।

केवल मैं ही सही, नहीं

आप अपनी गलतियों को कभी नहीं स्वीकारते या केवल अपना ही पक्ष सही साबित करने पर तुले रहते हैं तो भी आपको विवाह बंधन में बंधने की जल्दबाजी नहीं करना चाहिए। अगर अब तक आपका परिवार आपकी इस बात को सहन कर रहा है तो जरूरी नहीं कि आने वाले समय में आपका जीवनसाथी भी ऐसा करे। बल्कि भावनात्मक रूप से यह उसके लिए सजा बन जायेगा।

एक-दूसरे को समझने का अपर्याप्त समय

चाहे प्रेम विवाह हो या अरेंज मैरिज, अगर आपको लगता है कि आपको अपने पार्टनर को जानने का पर्याप्त मौका और समय नहीं मिल पाया है तो भी विवाह का निर्णय लेने से बचें। एक-दूसरे को जानने का मतलब केवल कमियों-खूबियों को जानना भर नहीं है। जीवन, भविष्य, रिश्तों आदि के बारे में कोई क्या सोचता है, यह ज्यादा मायने रखता है।

बच्चों के लिए हर चीज एक खिलौना है

बच्चे परिवेश से सीखते हैं। शिक्षा का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि शिक्षा की प्रक्रिया में समीप से दूर और कांक्रीट से एब्सट्रैक्ट की ओर जाते हैं। यानी हमें बच्चों के साथ सीखने की प्रक्रिया की शुरुआत वहां से करनी चाहिए जो हमारे परिवेश में उपलब्ध है। हमारे परिवेश में ऐसी सैकड़ों चीज़ें हैं जो बच्चों के लिए अच्छे खिलौने का काम कर सकती हैं।

फल, सब्जियां और लोई...

बहुत छोटे बच्चों को ध्वनियों से खेलना बहुत पसंद होता है। एक भगौना और चम्मच ही उसके लिए खिलौने का काम कर सकता है। उसके सामने कुछ ध्वनि आप निकाल दें और फिर उन्हें तरह-तरह की ध्वनियां निकालने दें। घर में आने वाली सब्ज़ियां भी बच्चे के लिए अच्छे खिलौने हो सकते हैं। हर बच्चे में चीज़ों के वर्गीकरण की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। छोटे बच्चों को बड़े आकार वाली सब्जियां जैसे आलू, टमाटर, बैंगन, चुकंदर इत्यादि दे दें। उन्हें इस सब्जियां को अलग-अलग करने दें। आप उनसे कुछ सब्जियों को एक साथ रखने को भी कह सकते हैं। बच्चे के लिए यह एक खेल होगा और साथ ही अलग-अलग तरह की सब्ज़ियों के साथ जुड़ाव बनाने का मौक़ा मिलेगा। इसी तरह से फलों के साथ भी किया जा सकता है। गुंधा हुआ आटा भी बच्चों के लिए खिलौने बनाने की एक बढ़िया सामग्री है। हर घर में आटा होता है। पुराने दौर में मां खाना बनाते समय आटे की एक लोई बच्चे को दे देती थी जिससे वो ख़ूब मज़े के साथ

खेलता रहता था।

फूल-पत्ती से खेलना...

फल और सब्जियों के साथ ही थोड़े बड़े बच्चों के लिए पत्तियां भी एक अच्छा खिलौना हैं। घर के आसपास उपलब्ध अलग-अलग तरह की पत्तियां लाकर आप बच्चे को दे दीजिए। उनसे कहिए कि वे अलग-अलग आकार की पत्तियों को अलग-अलग छांटें। आप उनसे इस तरह की चर्चा भी कर सकते हैं कि वह किस पेड़ की पत्ती है। पेड़ों की डंडियों से भी खेला जा सकता है। फूल भी खिलौने का काम कर सकते हैं। ख़ास बात यह है कि यह न केवल खेल बल्कि अपने पर्यावरण के प्रति सचेत होने और अपने आसपास को पहचाने का यह एक बढ़िया तरीक़ा हो सकता है।

वर्गीकरण का खेल...

थोड़े बड़े बच्चों के साथ छोटी-छोटी चीज़ों के वर्गीकरण का खेल किया जा सकता है। घर में उपलब्ध कई चीज़ें जैसे जीरा, राजमा, कई तरह की दालों को मिलाकर रख देना और उन्हें अलग-अलग करने को कहना भी बच्चों के लिए एक रोचक खेल हो सकता है। छोटे बच्चों को खीरा अलग-अलग आकार में काटकर दे दें। उनसे कहें कि वो खीरे के उन टुकड़ों को जोड़कर वापस खीरे का आकार दें। वो इससे कुछ और आकृतियां भी बना सकते हैं।

अलग-अलग खिलौने दें...

कई साल पहले एक किताब छपी थी- 'समझ के लिए तैयारी'। इस किताब में बच्चों के लिए तरह-तरह के खेल-खिलौनों की बात की गई है। इसके ज्यादातर खिलौने ऐसे हैं जिन्हें घर में उपलब्ध सामान के ज़रिए तैयार कर सकते हैं। बाज़ार से खिलौने ला भी रहे हैं तो किट के बजाय अलग-अलग खिलौने देना अच्छा है। अक्सर बाज़ार से जब बच्चों के लिए पैरेंट्स खिलौने लाकर देते हैं तो उन्हें डर इस बात का होता है कि बच्चे खिलौने तोड़ न दें। बच्चा इस बात को जल्दी ही भांप लेता है और उसको एक तरफ़ रख देता है। असल में, बच्चे खेलने से ज्यादा उस खिलौने को समझना चाहते हैं। वे उसका बारीकी से अवलोकन करते हैं। इसलिए भी जब उन्हें खिलौने बनाने का मौक़ा मिलता है तो वे उस प्रक्रिया में ज़्यादा आनंद लेते हैं। इससे उनके सीखने की प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

मिट्टी, रेत और पानी...

रेत, पानी और मिट्टी हमारे परिवेश में उपलब्ध बड़ा स्रोत हैं जो बच्चों के लिए सीखने का एक महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। थोड़े बड़े बच्चों को आप ये सामग्री दे सकते हैं। उन्हें उनके तरीक़े से आसपास उपलब्ध चीज़ों के साथ काम करने दें। दरअसल बच्चों के साथ क्या करें से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण है कि बच्चों के साथ क्या न करें। मेरा तो आग्रह है कि क्या न करें में सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है कि बच्चों को दुत्कारें नहीं। उन पर झिड़कें नहीं। मारें तो बिलकुल नहीं। हर बच्चा ग़लतियों से सीखता है। उसे ग़लती करने दें।

कुछ सावधानियां रखें

बच्चों को खिलौने देते समय कुछ सावधानियां अवश्य रखें। जैसे, स्थानीय सामग्री से बने खिलौने मिलते हैं तो उनका इस्तेमाल करने दें। लकड़ी के खिलौने, मिट्टी के खिलौने दिए जा सकते हैं। बच्चों को बहुत धारधार और नुकीली चीज़ें न दें। साथ ही इस बात का भी ख़ास ख़्याल रखें कि कोई ज़हरीली चीज़ भी उनके खिलौनों में शामिल न हो। जहां तक हो सके प्राकृतिक चीज़ें व उनसे बने खिलौने बच्चों के लिए हों।

सर्दियों में बदल जाता है पौधों को खाद-पानी देने का तरीका

मौसम बदलता है और उसी के मुताबिक़ पौधों की देखभाल के ढंग को भी समायोजित करना पड़ता है। अब सर्दियां हैं, बगिया खिली हुई है। ये खिली-खिली रहे, इसके लिए खाद डालना ज़रूरी है।

क़ुदरत ने पौधों को मौसम के अनुसार बनाया है, इसलिए गर्मियों में उगाए जाने वाले फूल व सब्ज़ियों के पौधे गर्मी की मार झेल जाते हैं और सर्दियों में उगाए जाने वाले पौधे सर्दियों में भी फूल व सब्ज़ियों से आपके बाग़ीचे को भर देते हैं। इसके बावजूद हमें पौधों का ख़्याल रखने की ज़रूरत तो होती ही है। इंसान के खानपान की ही तरह सर्दियों में पौधों के खाद-पानी के तरीक़े में भी थोड़ा-सा बदलाव आ जाता है। हम यही बताने जा रहे हैं।

सर्दियों में पौधों के लिए सबसे उपयुक्त गोबर की खाद होती है। इसके अलावा आप वर्मीकम्पोस्ट व रसोई के कचरे से बनी खाद भी दे सकते हैं। सर्दियों में गोबर की खाद को इसलिए भी सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें ऊष्मा ज़्यादा होती है। इसलिए जाड़े में यह पौधों की जड़ों को ऐसा वातावरण देती है कि पौधा कम तापमान में भी अच्छी तरह से बढ़त ले पाता है। पौधों में गोबर की खाद डालने से पहले इस बात का ख़्याल रखें कि खाद पुरानी होनी चाहिए जो अच्छी तरह सूखकर तैयार हो चुकी हो। गोबर की खाद में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश होते हैं। इसके अलावा सूक्ष्म रूप में कैल्शियम, मैग्नीशियम, गंधक, आयरन, कॉपर व जस्ता की मात्रा भी होती है। ये सभी तत्व मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं और पौधों को इनसे अच्छा विकास मिलता है। गोबर की खाद से मिट्टी में ऐसे जीवाणुओं की संख्या बढ़ती है जो उसकी गुणवत्ता को बढ़ाते हैं व पौधे की बढ़त में सहायक होते हैं। गमले की मिट्टी में गोबर की खाद मिलाने से मिट्टी में हवा और जल का संचार अच्छी तरह से होता है, यानी जब आप पौधे को पानी देते हैं तो वह पौधे की जड़ों तक सरलता से पहुंच जाता है जिससे जड़ों का विकास बेहतर होता है। गोबर की खाद पूरी तरह से ऑर्गेनिक है।

गोबर की खाद के अलावा आप सर्दियों में वर्मीकम्पोस्ट भी पौधों में दे सकते हैं। साथ ही अगर किचन वेस्ट से बनी खाद तैयार करते हैं तो वह भी बहुत अच्छी है। गोबर की खाद के अलावा सरसों की खली भी पौधों में डाली जा सकती है। अगर पॉटिंग मिक्स तैयार कर रहे हैं तो उस समय एक गमले के एक मुट्ठी सरसों की खली डालें। अगर गुड़ाई करते समय डाल रहे हैं तो 1-2 चम्मच सरसों की खली डालें। सरसों की खली का लिक्विड फर्टीलाइज़र बनाकर भी डाल सकते हैं। इसके लिए एक बाल्टी में दो लीटर पानी लें और उसमें 100 ग्राम या 2-3 मुट्ठी सरसों की खली डाल दें। इसके लिए आप दो लीटर वाली कोल्ड ड्रिंक की बोतल भी यूज़ कर सकते हैं। बाल्टी या बोतल जिसमें भी फर्टीलाइज़र बना रहे हैं उसे ढककर रख दें। 2-3 दिन में खली पानी के साथ अच्छी तरह घुल जाएगी। अब इस लिक्विड फर्टीलाइज़र में 20 लीटर पानी मिला दें और अपने सभी पौधों में इस पानी को दें। यह बहुत फ़ायदेमंद फर्टीलाइज़र है।

जब आप गमले के लिए पॉटिंग मिक्स तैयार कर रहे हैं, यानी गमले में नई मिट्टी भरकर पौधे को फिर से लगा रहे हैं, तो मिट्टी में 30-40 प्रतिशत गोबर की खाद मिलाएं। इसके बाद पौधा थोड़ा बड़ा हो जाए यानी गुड़ाई करने लायक़ हो तो सप्ताह में एक बार गुड़ाई करें। गुड़ाई से पहले गमले या क्यारी की खरपतवार यानी अनचाहे छोटे-छोटे पौधे व घास हटा दें। पौधे के आस-पास की मिट्टी को थोड़ा हटाकर, एक मुट्ठी के क़रीब खाद मिलाएं। मिट्टी को फिर से एकसार कर दें। खाद डालने के तुरंत बाद पानी न दें, कुछ समय बाद दें। जैसे, सुबह खाद डाली तो शाम को पानी दें और शाम को गुड़ाई व खाद दी है तो अगले दिन सुबह पानी दें।

मिट्टी की गुड़ाई हर सप्ताह करें और खाद 15 दिन में एक बार दें।

अगर सरसों की खली का लिक्विड फर्टीलाइज़र भी तैयार किया है तो 15 दिन में एक बार खाद और अगले 15 दिन बाद लिक्विड फर्टीलाइज़र दिया जा सकता है। सर्दियों में धूप कम समय के लिए निकलती है इसलिए पौधों को ऐसे स्थान पर रखें जहां सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हों। इस मौसम में पौधों में पानी की मात्रा को कम कर दें। दो दिन में एक बार पानी दें।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर

पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

ट्रेन पर पत्थरबाजी, जीवन भर तोड़ना होगा जेल में पत्थर

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की शान वंदे भारत एक्सप्रेस पर लोग पत्थरबाजी कर रहे हैं। यह मजाक नहीं है। पश्चिम बंगाल में हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन पर दो बार पत्थरबाजी हो चुकी है। The Indian Rlys Act 1989 में इसे दंडनीय अपराध करार दिया गया है। यूं तो देश में सात वंदे भारत एक्सप्रेस चल रहे हैं। लेकिन यह संयोग ही है कि इस ट्रेन में दोनों पत्थरबाजी की घटना हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलने वाली वंदे भारत में ही हुई है। आपको पता है कि ट्रेन पर पत्थरबाजी करने से आपको जेल की सजा हो सकती है।

कब हुई वंदे भारत में पत्थरबाजी

सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की बात पहली बार उजागर हुई है। यह पत्थरबाजी हावड़ा से न्यूजलाईगुड़ी के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन

में हुई है। यह वाकया सोमवार, दो जनवरी 2023 को हुआ। यह घटना मालदा स्टेशन के समीप तब हुई जब वंदे भारत ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा जा रही थी। इस घटना में ट्रेन के C-13 कोच में लगा शीशा क्षतिग्रस्त हो गया था।

तीन जनवरी को फिर हुई पत्थरबाजी

तीन जनवरी 2023 को भी वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की घटना हुई। यह वाकया दार्जीलिंग जिले के फांसीदेवा एरिया के पास हुआ। उस समय ट्रेन हावड़ा से चल कर न्यू जलपाईगुड़ी की तरफ जा रही थी। इस घटना में वंदे भारत एक्सप्रेस के सी-3 (C-3) और सी-6 (C-6) कोच का शीशा टूट गया। इसकी जानकारी तब मिली जब रेल कर्मचारी ट्रेन का मुआयना कर रहे थे।

रेल प्रशासन ने लोगों को दी चेतावनी

हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर लगातार दो दिनों तक हुई पत्थरबाजी के बाद रेल प्रशासन सक्रिय हुआ और चेतावनी जारी की।

पूर्व रेलवे ने इस बारे में बताया कि ट्रेन पर पत्थर फेंकना एक दंडनीय अपराध है। इसके लिए रेलवे कानून के तहत सजा हो सकती है। किसी ट्रेन को दुर्भावना से तोड़ना या बर्बाद करने के प्रयास के लिए रेलवे एक्ट (The Indian Rlys Act 1989) में सजा का प्रावधान है। इस कानून की धारा 150 की उप-धारा (2) में कहा गया है कि यदि किसी ट्रेन पर पत्थर या अन्य पदार्थ या वस्तु फेंका जाता है तो वह ट्रेन में यात्रा कर रहे या उस पर होने वाले किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। ऐसा करना दंडनीय अपराध होगा और ऐसा करने वाले को आजीवन या 10 साल का सश्रम कारावास हो सकता है।

रेलवे एक्ट 1989) की इसी धारा में कहा गया है कि कोई व्यक्ति यदि पहली बार इस तरह का अपराध करता है तो इस मामले में सजा की अवधि तीन साल की होगी। यदि दूसरे या उप-अनुक्रमिक अपराध के लिए सजा के मामले में सात साल की अवधि होगी।

अपने ऑलटाइम हाई के करीब सोना

56 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी भी 69 हजार के पार हुई

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार को सोने की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 4 जनवरी को सर्राफा बाजार में सोना 324 रुपए महंगा होकर 55,905 रुपए पर पहुंच गया है। सोना अपने ऑल टाइम हाई (56,200 रुपए) के करीब पहुंच गया है।

चांदी में आज गिरावट

चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में आज गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 347 रुपए सस्ती होकर 68,880 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 3 जनवरी को ये 69,227 हजार पर थी।

अपने ऑलटाइम हाई से सिर्फ 295 रुपए पीछे सोना

सोने ने कोरोना की पहली लहर के दौरान अगस्त 2020 में अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। उस लेवल से अब यह सिर्फ 295 रुपए पीछे है।

2022 में सोने-चांदी में शानदार तेजी

बीते साल सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। इस साल सोना 48,279 रुपए से बढ़कर 54,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यानी 2022 में सोने के दाम में 6,588 रुपए की तेजी देखी गई।

वहीं 2022 में चांदी 62,035 रुपए से बढ़कर 68,092 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यानी, इस साल इसकी कीमत में 6,057 रुपए की तेजी आई।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट सेंसेक्स 650 अंक लुढ़का

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दो दिनों तक ग्रीन जोन में रहने के बाद आज रात अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मिनट्स जारी होने के पहले दलाल स्ट्रीट में दहशत फैल गई। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण गिरकर 281.9 लाख करोड़ रुपये रह जाने से सेंसेक्स 660 अंक से अधिक अंकों तक टूट गया। इससे निवेशकों को 2.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	05-24 बजे
चंद्र-	वृष	में	मकर-	07-26 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	09-27 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-51 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष---	12-30 बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष---	14-16 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन..	16-17 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-28 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-41 बजे
			कन्या..	21-51 बजे
			तुला	00-57 बजे
			वृश्चिक	03-08 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- **2079**
शक संवत -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल**- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **02 -14** तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - पौष शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Jan 05**
नक्षत्र - मृगशिरा - **21 -25** तक उपरान्त आर्द्रा
योग - शुक्ल -**07 - 32** - तक उप ब्रह्म
करण- गर - **13 - 06** - तक उप- वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - मरुधर केसरी मिश्रीमल पुण्य.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:45 से 15:08 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ..	06:51 - 08:12 शुभ	अमृत	17:51 - 19:31 शुभ
रोग.	08:12 - 09:35 अशुभ	चंचल	19:31 - 21:08 शुभ
उत्पात	09:35 - 10:58 अशुभ	रोग	21:08 - 22:45 अशुभ
चंचल	10:58 - 12:21 शुभ	काल	22:45 - 00:22 अशुभ
लाभ	12:21 - 13:45 शुभ	लाभ	00:22 - 01:58 शुभ
अमृत	13:45 - 15:08 शुभ	उत्पात	01:58 - 03:35 अशुभ
काल	15:08 - 16:31 अशुभ	शुभ	03:35 - 05:12 शुभ
शुभ	16:31 - 17:51 शुभ	अमृत.	05:12 - 06:51 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आप विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए यह परेशानी आज और ज्यादा बढेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा। आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओं और दूसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं। लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें, लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है, लेकिन इससे परेशान न हों। आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी। आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे। अपने दोस्तों साथियों का भी सही मुल्याकन कर पायेंगे। जहाँ तर्कशक्ति से बात न बने, अपने मन की आवाज सुनें। अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यल उत्तम समय है।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं, अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे। आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं। आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें, कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है। इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं, लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार-चढाव भरा रहेगा। गृहों की चाल यह बात रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे। इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आपको आज बहुत सारी चीज से जुडे अपने वादों को निभाना है। अपनी सामजिक, वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें। आपके परिजनों दोस्तों और सहकर्मियों सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे। छात्रवृत्ति भी मिल सकती है। कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहे। आज स्थिति आपके लिए कुछ मुश्किल हो सकती है।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे। आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे। आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे। आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो। आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा। आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है। अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नहीं था, लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आप अपने पहले तय किये गये कार्यक्रम के अनुसार नही चल जायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड सकता है। इस अप्रत्याशित घटना के कारण आपके छोटी अवधि के लगभग सभी कार्य प्रभावित होंगें।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ द दे दो घ घी

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते, इसीलिए आप उनसे आगे हैं। अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दुनिया की पहली फ्लाइंग बाइक की बुकिंग शुरू

लॉस एंजिलिस, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की पहली उड़ने वाली मोटरसाइकिल की बुकिंग शुरू हो चुकी है। ये मोटरसाइकिल 30 मिनट तक 96 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकती है। इस उड़ने वाली बाइक का नाम 'स्पीडर' रखा गया है। इसकी शुरुआती कीमत 3.15 करोड़ रुपए रखी गई है।

272 किलो वजन ले जाने में सक्षम

136 किलो वजन वाली बाइक 272 किलो वजन ले जाने में सक्षम होगी। इसे रिमोट से भी कंट्रोल किया जा सकता है। उड़ने वाली बाइक को अमेरिका की जेटपैक एविएशन कंपनी ने बनाया है। ओरिजिनल डिजाइन में चार टरबाइन थे, लेकिन फाइनल प्रोडक्ट में 8 टरबाइन होंगे। दो बाइक के प्रत्येक कोने में सेफ्टी के लिए होंगे। जेटपैक एविएशन दुनिया की पहली उड़ने वाली मोटरसाइकिल का फ्लाइट टेस्ट कर रही है। इसे अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन का सर्टिफिकेशन मिलने की उम्मीद है। 2-3 सालों में कंपनी की 8 जेट इंजन वाली स्पीडर फ्लाइंग बाइक बाजार में आ सकती है।

यह एक यूटिलिटी व्हीकल

कंपनी के अनुसार उड़ने वाली बाइक असल में एक एयर यूटिलिटी व्हीकल है। यानी इसका इसका इस्तेमाल मेडिकल इमरजेंसी और आग बुझाने जैसे पर्पज के लिए भी किया जा सकता है। वहीं कंपनी कार्गो एयरक्राफ्ट के रूप में मिलिट्री मार्केट के लिए एक अनमैन्ड वर्जन भी डेवलप किया जा रहा है। यह 400 मील प्रति घंटे की रफ्तार से जमीन से 100 फीट ऊपर उड़ सकता है।

देश में ही बनेंगे मानवरहित विमानों के कलपुर्जे

जनरल एटॉमिक्स ने भारत फोर्ज से किया करार

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की शीर्ष ड्रोन निर्माता कंपनी जनरल एटॉमिक्स ने भारत में मानवरहित विमानों के लैंडिंग उपकरणों और कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ करार की घोषणा की है।

इस कदम से भारत में अत्याधुनिक ड्रोन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद मिलेगी। जनरल एटॉमिक्स की एक सब्सिडियरी इकाई सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम (जीए-एएसआई) ने कहा है कि भारत

फोर्ज लिमिटेड के साथ उसकी साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण में सहायक होगी। इससे भारत में मानवरहित विमान उद्योग को गति मिलेगी। जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी विवेक लाल ने कहा, "जीए-एएसआई मानवरहित विमानों के कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज के साथ काम करने को लेकर उत्सुक है।"

कंपनी ने कहा है कि उच्च-प्रदर्शन वाले महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण में पांच दशकों से अधिक के अनुभव के साथ भारत फोर्ज उत्पादों की अवधारणा, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, निर्माण, परीक्षण और सत्यापन की क्षमता रखता है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बाबा कल्याणी ने कहा कि एयरोस्पेस एक 'गहन प्रौद्योगिकी' क्षेत्र है, जो उत्पाद की शुद्धता, विश्वसनीयता और उसके दोषरहित होने पर निर्भर करता है।' उन्होंने कहा, अपनी एयरोस्पेस विकास रणनीति के तहत हमने जीए-एएसआई के साथ साझेदारी की है।

गूगल 1337 करोड़ रुपये के जुर्माने का 10% जमा कराए, एनसीएलएटी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीएलएटी ने गूगल को सीसीआई की ओर से लगाए गए 1,337.76 करोड़ रुपये के जुर्माने का 10 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया है। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस इकोसिस्टम में कथित उल्लंघनों के लिए सीसीआई के 1337 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने वाली गूगल की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। ट्रिब्यूनल ने सीसीआई को नोटिस जारी कर गूगल की याचिका पर जवाब मांगा है। एनसीएलएटी ने याचिका को स्वीकार करते हुए गूगल को बोनाफाइड दिखाने के लिए जुर्माने का 10% जमा करने को कहा। इस बीच ट्रिब्यूनल ने गूगल पर सीसीआई के दंड आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। एनसीएलएटी का यह निर्देश गूगल की ओर से दायर उस याचिका पर आया है। गूगल की ओर से एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस पारिस्थितिकी तंत्र में कई बाजारों में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने के सीसीआई के आदेश को चुनौती दी गई थी। उस आदेश में कहा गया था कि यह फैसला भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए एक झटका है और देश में ऐसे उपकरणों को और अधिक महंगा बना देगा। पिछले साल 20 अक्टूबर को सीसीआई ने एंड्रायड मोबाइल उपकरणों के संबंध में प्रतिस्पर्धा रोधी गतिविधियों के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

झूठे विज्ञापन के लिए टेस्ला पर लगा 2.2 मिलियन डॉलर का जुर्माना

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरियाई बाजार नियामक ने विज्ञापनों के माध्यम से अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की रेंज के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने के लिए एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला पर 2.2 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। कोरिया फेयर ट्रेड कमीशन (केएफटीसी) को ठंड के मौसम में रेंज ड्रॉप की समस्या थी। इलेक्ट्रेक के अनुसार, इलेक्ट्रिक-कार निर्माता ने अब दक्षिण कोरिया में अपनी वेबसाइट पर एक डिस्क्लेमर जोड़ा है, जिसमें कहा गया है कि 'प्रदर्शन और माइलेज मॉडल के अनुसार भिन्न हो सकते हैं।' टेस्ला ने कहा, दावा की गई गति, मौसम की स्थिति और सड़क की स्थिति जैसे बाहरी कारकों के आधार पर भिन्न हो सकती है। पिछले साल, केएफटीसी ने आरोपों की जांच शुरू की थी कि टेस्ला ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की सीमा को बढ़ाकर विज्ञापन कानूनों का उल्लंघन किया है। अब, केएफटीसी ने घोषणा की है कि वह टेस्ला पर 2.85 अरब वॉन (2.2 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगा रही है, क्योंकि उसने यह नहीं बताया कि 'ठंड के मौसम में इसकी सीमा काफी कम हो सकती है।'

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2023 में दावा

देश में 22-25 साल के 56% युवा काबिल, 50.3% लोग नौकरी पाने के योग्य

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले हमारे देश के लिए अच्छी खबर है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट- 2023 के मुताबिक, हमारे 22-25 साल आयुवर्ग वाले 56% युवाओं में नौकरी पाने की काबिलियत है, जो सभी आयुवर्गों में सबसे ज्यादा है। देश के 3.75 लाख उम्मीदवारों के वीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट (डब्ल्यूनेट) और 15 से ज्यादा इंडस्ट्रीज की 150 कंपनियों पर किए गए इंडिया हायरिंग इंटेंट सर्वे में ये नतीजे सामने आए हैं। इसके मुताबिक, देश के 50.3% लोग नौकरी पाने के योग्य हैं, जो पिछले सात साल में सर्वाधिक है। 2022 की रिपोर्ट में यह आंकड़ा 46.2% ही था।

सबसे रोजगारपरक; यूपी और महाराष्ट्र के युवा लगातार दूसरे साल शीर्ष पर

देश में सर्वाधिक आबादी वाला यूपी रोजगार की काबिलियत रखने वालों की सूची में भी सबसे ऊपर है। यहां 72.7% लोग नौकरी पाने के योग्य हैं। महाराष्ट्र 69.8% के साथ दूसरे स्थान पर है। पिछली इंडिया स्किल्स रिपोर्ट में भी महाराष्ट्र और यूपी टॉप-2 में थे। ताजा रिपोर्ट में दिल्ली तीसरे, आंध्र प्रदेश चौथे, राजस्थान पांचवें, कर्नाटक छठवें, तेलंगाना 7वें, पंजाब 8वें, ओडिशा 9वें और हरियाणा 10वें पर है। वहीं, 0-2.6 लाख रु. सालाना पैकेज की उम्मीद रखने वालों में सबसे ज्यादा तमिलनाडु में हैं। इस फेहरिस्त में महाराष्ट्र दूसरे और यूपी तीसरे नंबर पर है। 2.6 लाख रुपए से ज्यादा सैलरी पैकेज वालों में आंध्र प्रदेश टॉप पर है। कर्नाटक दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे पर आता है। इंडिया स्किल्स की पिछली रिपोर्ट में बीटेक करने वालों को नौकरी के लिए सबसे ज्यादा योग्य बताया गया था। मगर ताजा रिपोर्ट में बीकॉम वालों ने इन्हें पटखनी दे दी है। बीकॉम वाले 61% युवा रोजगार के काबिल पाए गए, जबकि बीटेक वाले 57% के साथ पीछे छूट गए। पिछले 7 साल में पहली बार बीकॉम वाले सबसे आगे निकले हैं। एमबीए वाले लगातार दूसरे साल दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन 2022 की रिपोर्ट में जहां 55% ही जॉब योग्य थे, वहीं ताजा आंकड़ा 60% तक पहुंच गया है। बीफार्मा (57.51%) वाले सूची में तीसरे, बीटेक (57.44%) वाले चौथे, बीआर्ट्स (49.20%) वाले पांचवें, बीएससी (37.69%) वाले 6वें व आईटीआई (34%) वाले 7वें नंबर पर रहे।

सेवा क्षेत्र का विस्तार 10 महीने के उच्चतम स्तर पर, मांग में वृद्धि का मिला फायदा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मजबूत मांग और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के कारण भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 56.4 से बढ़कर दिसंबर में 58.5 हो गया, जो 2022 के मध्य के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है। लगातार 17वें महीने यह आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, दिसंबर में भारतीय सेवा गतिविधि में एक स्वागत योग्य विस्तार देखा गया, जो 2022 के अंत में मांग के लचीलेपन को रेखांकित करता है। लीमा ने आगे कहा कि जैसे-जैसे हम 2023 में आगे बढ़ंगे कंपनी उत्पादन के दृष्टिकोण से मजबूत आशावादी संकेत दे रहे हैं। करीब 31 प्रतिशत पैनलिस्टों ने उत्पादन में वृद्धि का अनुमान जताया है, जबकि केवल दो प्रतिशत ने संकुचन का अनुमान जताया है।

जिस सड़क से सीएम गुजरे 75 करोड़ रु. से बनेगी

भोपाल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल की जिस सड़क से सीएम शिवराज सिंह चौहान 3 महीने पहले गुजरे थे, वह अब 75 करोड़ रुपए में बनेगी। यह रोड पुल बोगदा से भोपाल टॉकीज, शाहजहांनाबाद होते हुए रॉयल मार्केट तक जाएगी। कुल 7 किलोमीटर सीमेंट कांक्रीट रोड होगी। इसके बनने के बाद बारिश में गड्ढे नहीं होंगे और पीडब्ल्यूडी को भी रिन्युवल कराने में करोड़ों रुपए खर्च नहीं करने पड़ेंगे। हमीदिया रोड पुराने शहर की सबसे महत्वपूर्ण सड़क है। रेलवे स्टेशन, प्रमुख बाजार और नादरा बस स्टैंड भी यही है।

रिश्वत लेने वाले सबसे ज्यादा इंदौर संभाग में

इंदौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लोकायुक्त संगठन ने इस बार इंदौर संभाग में सबसे ज्यादा पद का दुरुपयोग करने वाले और रिश्वत लेने वाले कर्मचारी, अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। 12 महीने में कुल 42 के खिलाफ केस बने हैं। इनमें 10 लोग पद का दुरुपयोग करने वाले हैं तो 32 लोगों को रिश्वत लेते पकड़ा है। पकड़ने, केस दर्ज होने के बाद सजा का जिक्र किया जाए तो 19 को जेल हुई है। इनमें प्रकाश नगर में रहने वाले बर्खास्त न्यायाधीश प्रीतमसिंह मान से लेकर जिला पंजीयक सुधीर मिश्रा तक शामिल हैं। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने वाले दो अफसरों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। इनमें नगर निगम के अफसर देवानंद पाटिल शामिल हैं। लोकायुक्त ने 12 महीने में 32 को रिश्वत लेते पकड़ा है। हर महीने 2 दो से अधिक कर्मचारी, अधिकारियों को रंगे हाथ लेते हुए पकड़ा।

चीन-रूस के खतरे के बीच व्हाइट हाउस ने बताया 2023 का प्लान

कहा रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और चीन के खतरे के बीच अमेरिका ने 2023 के लिए अपनी कूटनीति को साफ कर दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका दीर्घकाल के लिए अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना जारी रखेगा। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह एक निर्णायक दशक है और हम इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हम किस तरह से अपने समय की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विविध गठबंधनों का निर्माण करते हुए आगे बढ़ते हैं। जीन पियरे ने कहा कि 2022 में भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण-पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व और प्रशांत द्वीप के समूह के नेताओं की मेजबानी की और उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बाइडन ने इतने सारे नेताओं से मुलाकात केवल एक साल में ही की है। इसके अलावा उन्होंने जी7, जी20 और नाटो शिखर सम्मेलन जैसी महत्वपूर्ण बैठकों में भी भाग लिया है।

2023 में इन मुद्दों पर काम करेगा अमेरिका

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने बताया कि इस वर्ष अमेरिका लंबे समय के लिए अपनी सामरिक स्थिति को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, अमेरिका घरेलू शक्ति के स्रोतों में महत्वपूर्ण निवेश करेगा। वह यूरोप व दुनिया में आक्रामकता के खिलाफ खड़ा रहेगा और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए यूक्रेन के साथ खड़ा होगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के सिद्धांत पर काम करेगा। उन्होंने कहा, अमेरिकियों की अपने घर और दुनिया भर में रक्षा के लिए के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और खाद्य सुरक्षा पर दुनिया भर में लचीला गठबंधन बनाने पर काम करेगा।

जंग के मैदान में करते रहेंगे यूक्रेन का समर्थन

रूस-यूक्रेन जंग पर एक सवाल के जवाब में जीन पियरे ने कहा कि अमेरिका जंग के मैदान में यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा, जिससे जब दोनों देश बातचीत की टेबल पर हों, तो यूक्रेन मजबूत स्थिति में हो।

आंगनवाड़ी की सब्जी में निकला मांस: कार्रवाई के निर्देश

रायसेन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रायसेन की आंगनवाड़ी के मिड-डे मील में आलू-टमाटर की सब्जी में मांस का टुकड़ा निकला। बच्चे बिना खाना खाए ही घर चले गए। बच्चों के पेरेंट्स को जब इसका पता चला तो उन्होंने विरोध जताया। एसडीएम ने जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। रायसेन के वार्ड नंबर 3 स्थित मढ़ईपुरा में आंगनवाड़ी क्रमांक-1 चलती है। यहां सुबह बच्चों को मिड-डे मील में परोसे जानी वाली आलू-टमाटर की सब्जी में मांस का टुकड़ा निकला। केंद्र में करीब 40 बच्चे हैं। पालकों ने इसका विरोध जताया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तरन्नुम खान ने बताया कि मां भवानी समूह के जरिए भोजन पहुंचाया जाता है।

नर्स ही कर रही थी क्लर्क को ब्लैकमेल: गिरफ्तार

गुना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जिला अस्पताल के बाबू केतन शर्मा सुसाइड मामले में एक नया मोड़ आया है। मुरैना पुलिस ने गुना जिला अस्पताल में पदस्थ एक नर्स को गिरफ्तार किया है। नीरस पर उसे ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने का आरोप है। नर्स छिंदवाड़ा की रहने वाली है और गुना जिला अस्पताल में संविदा के तौर पर पदस्थ है। नर्स को जेल भेज दिया गया है। जिला अस्पताल में पदस्थ क्लर्क केतन शर्मा ने 18 जून को मुरैना स्थित अपने गृह जिले में जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

अमेरिका में ट्रांसजेंडर महिला को इंजेक्शन से क्यों दी जा रही है मौत की सजा ?

वाशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक ट्रांसजेंडर महिला को इंजेक्शन के जरिए मौत की सजा दी गई है. इंजेक्शन से मौत का ये पहला मौका है. जिस ट्रांसजेंडर महिला को मौत की सजा सुनाई गई है उसका नाम एम्बर मैकलॉघलिन है. वो 49 साल की हैं. उनको मौत की सजा उनके पूर्व प्रेमिका की हत्या के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद दी गई है. अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है कि किसी ट्रांसजेंडर महिला को पहले मौत की सजा सुनाई गई और फिर उसे मौत की सजा दी गई. वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला साल 2023 का पहला मामला होगा, जिसमें आरोपी को इंजेक्शन से मौत दी गई है. हालांकि एम्बर के वकील ने मिसौरी के गवर्नर माइक पार्सन से अपील की थी कि वह एम्बर की सजा पर रोक लगा दें. लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ नहीं हुआ.

क्या है पूरा मामला

पूरा मामला प्रेम संबंध और फिर हत्या से जुड़ा हुआ है. बेवर्ली गुएन्थर और एम्बर मैकलॉघलिन दोनों रिश्ते में थे. ये उन दिनों की बात थी जब मैकलॉघलिन ने लिंग परिवर्तन नहीं किया था. दोनों के रिश्तों में कुछ समय बाद खटास आ गई. दोनों में दूरिया आ गईं. हालांकि इस दौरान एम्बर मैकलॉघलिन अपनी प्रेमिका बेवर्ली गुएन्थर का पीछा करने लगी. इसके बाद नवंबर 2003 में एम्बर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी. साल 2016 में एम्बर को इस मामले में सजा सुनाई गई. उसने कोर्ट में मौत की सजा से राहत पाने के लिए कई याचिकाएं दायर कर अपील की, लेकिन सभी खारिज होती रही. 2021 में कोर्ट ने मौत की सजा को बरकरार रखा. खबरों की माने तो एम्बर को सेक्स डिस्फोरिया नाम की एक बीमारी थी. जिसके कारण उसने क्षमादान की अपील की थी.

'अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ हैं हम'

तालिबान के खराब व्यवहार पर भड़का अमेरिका

तेहरान, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने अफगानिस्तान की महिलाओं के प्रति तालिबान शासन के व्यवहार की निंदा की है. अमेरिका ने कहा कि वह अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ है और देश में लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंधों के तालिबान के हालिया कदम की कड़ी निंदा करता है. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैराइन जीन-पियरे ने मंगलवार को कहा कि हम अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ हैं. उन्होंने कहा कि अमेरिका लड़कियों की शिक्षा और उनके अधिकारों पर पाबंदियों के तालिबान के फैसले की निंदा करता है. कैराइन ने कहा, "हमने पहले भी कहा है कि तालिबान के ये कदम उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और अलग-थलग करेंगे और अपने शासन को वैध ठहराने की उसकी इच्छा भी पूरी नहीं हो पाएगी." कैराइन जीन-पियरे ने कहा, "हम इस मुद्दे पर अपने भागीदारों और सहयोगियों के साथ संपर्क में हैं. हम अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों का समर्थन करने और अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के हमारे साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना जारी रखेंगे."

महिलाओं से छीन रखी है हर आजादी

महिलाओं के खिलाफ हो रहे विरोध को लेकर तालिबान सरकार की हर देश निंदा कर रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान सरकार ने महिलाओं से हर आजादी छीन रखी है. तालिबान देश की महिलाओं पर पाबंदी लगाकर अपनी ताकत साबित कर रहा है.

अफगानिस्तान में महिलाएं न अपनी मर्जी से कपड़े पहन सकती हैं, न अकेले बाहर जा सकती हैं, न मनपसंद हेयर स्टाइल रख सकती हैं और न ही अपने मन का कोई काम कर सकती हैं. अफगानिस्तान में महिलाएं डर के साथ जीने को मजबूर हैं. वहां तलाकशुदा महिलाओं का जीवन मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहता है. महिलाएं अपने मन से नौकरी भी नहीं कर सकती हैं. महिलाओं का अधिकार छीनने वाले तालिबान शासन की इस समय जमकर आलोचना हो रही है.

अमेरिका को मंजूर नहीं निकोलस मादुरो

वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति को नहीं देगा मान्यता

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को वैधानिक मान्यता देने से इनकार कर दिया है। व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा कि वह मादुरो को वेनेजुएला का वैध अंतरिम राष्ट्रपति नहीं मानता। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि उनका देश वेनेजुएला में 2015 में लोकतांत्रिक ढंग से गठित नेशनल असेंबली को देश की अंतिम शेष लोकतांत्रिक संस्था के रूप में मान्यता जारी रखेगा। वह निकोलस मादुरो को मान्यता नहीं देगा। इस संस्था के अधिकार में वृद्धि के समझौते का स्वागत करते हैं।

अमेरिका ने विपक्ष के नेता को दी मान्यता

बता दें, अमेरिका ने विपक्षी नेता जुआन गुएदो को वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दी है। अमेरिकी बयान के अनुसार, नेड प्राइस ने कहा कि हम 2024 के वेनेजुएला चुनावों के लिए निकोलस मादुरो पर एकीकृत विपक्षी मोर्चे के साथ मेक्सिको वार्ता में सार्थक प्रगति पर जोर देते रहेंगे। इसके साथ ही अमेरिका 2021 के ईयू चुनाव पर्यवेक्षक मिशन की सिफारिशों पर अमल के लिए जोर देता रहेगा। प्राइस ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के लोगों को मानवीय संकट से उबारने के लिए मदद करता रहेगा। 2017 से वह 2.3 अरब डॉलर से ज्यादा की मानवीय सहायता मुहैया करा चुका है।

मरियम नवाज का हुआ प्रमोशन

अब संभालेंगी ये जिम्मेदारी, विपक्ष ने लगाया गंभीर आरोप

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को मरियम नवाज को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया। मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई जानकारी के मुताबिक सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने इसकी जानकारी दी। शहबाज शरीफ के हस्ताक्षर वाली अधिसूचना जारी करते हुए सूचना मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पार्टी के सांगठनिक निर्णय की घोषणा की है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ती

अधिसूचना में कहा गया है, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के संविधान के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार मरियम नवाज शरीफ को तत्काल प्रभाव से वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हुए प्रसन्न हैं। इसमें कहा गया है कि मरियम नवाज को मुख्य आयोजक के रूप में सभी कार्यात्मक स्तरों पर पार्टी को फिर से संगठित करने के लिए अधिकृत किया गया है।

वित्त मंत्री इशाक डार ने दी बधाई

इस बीच, वित्त मंत्री इशाक डार ने मरियम को बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं। डार ने लिखा, 'मरियम नवाज शरीफ को पार्टी अध्यक्ष शहबाज शरीफ द्वारा पार्टी कायद नवाज शरीफ के परामर्श से पीएमएल-एन के एसवीपी/मुख्य आयोजक के रूप में नियुक्ति पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।'

महमूद कुरैशी ने किया था सवाल

मरियम नवाज को 3 मई, 2019 को पार्टी के 16 उपाध्यक्षों में से एक नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्ति को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने चुनौती दी थी। तत्कालीन विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने सवाल किया था कि एक व्यक्ति, जिसे अदालत ने सजा सुनाई है, को उपाध्यक्ष के रूप में कैसे नियुक्त किया जा सकता है?

पुलिस ने ढहाया हत्यारोपी बीजेपी नेता का होटल

60 डायनामाइट से चंद सेकेंड में चार मंजिला इमारत जमींदोज

सागर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर में जिला और पुलिस प्रशासन ने एक हत्या के आरोपी भाजपा नेता पर बड़ी कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने अवैध रुप से बनाई गई चार मंजिला होटल को डायनामाइट लगाकर चंद सेकंड में जमींदोज कर दिया। आरोपी मिश्रीचंद गुप्ता पर एक चुनावी रंजिश में एक युवक को कार से कुचलकर हत्या करने का आरोप है। आरोपी नेता की चार मंजिला होटल में 60 डाइनामाइट लगाए गए। फिर शाम ब्लास्ट कर इसे चंद सेकेंड में ढहा दिया गया। कार्रवाई के दौरान सागर जिला कलेक्टर दीपक आर्या, डीआईजी तरुण नायक और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। आरोपी मिश्रीचंद गुप्ता और उसके परिवार की होटल जयराम पैलेस मकरोनिया चौराहे के पास स्थित है। चार मंजिला होटल का निर्माण अवैध बताया गया। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मंगलवार को होटल तोड़ने की कार्रवाई करने पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेड लगाकर ट्रैफिक को रोक दिया गया। होटल के आसपास रहने वाले लोगों का घर खाली करवाया गया। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा।

निर्दलीय पार्षद के भतीजे को जीप से कुचला

2 दिसंबर की रात मकरोनिया चौराहे जगदीश यादव उर्फ जग्गू की जीप से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। जगदीश (30) मकरोनिया थाना क्षेत्र के कोरेगांव का रहने वाला था। वह मकरोनिया चौराहे पर पवन यादव की डेयरी पर काम करता था। वह निर्दलीय पार्षद किरण यादव का भतीजा था। किरण यादव ने मिश्रीचंद गुप्ता की पत्नी मीना को पार्षद चुनाव में 83 वोट से हराया था।

मिश्रीचंद गुप्ता फरार

आरोप है कि चुनावी रंजिश में उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के मामले में आठ लोगों पर केस दर्ज किया गया था, जिसमें से पांच लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। हालांकि, मिश्रीचंद गुप्ता अभी भी फरार है।

जापान गांवों में बसने के लिए पैसे दे रहा हर बच्चे के हिसाब से 6 लाख रुपए

टोक्यो, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जापान में तेजी से बढ़ती आबादी के चलते सरकार राजधानी टोक्यो सहित अन्य महानगरों को छोड़ने के लिए हर बच्चे के हिसाब से 6 लाख 36 हजार रुपए दे रही है, ताकि वे ग्रामीण इलाकों में जाकर अपना आशियाना बना सकें। जापान की सरकार का कहना है कि युवा पेरेंट्स अगर टोक्यो छोड़कर कहीं और बसते हैं तो उन्हें दूसरी सुविधाएं भी दी जाएंगी। सरकार को उम्मीद है कि साल 2027 तक 10 हजार लोग टोक्यो से ग्रामीण इलाकों में चले जाएंगे।

भारत, चीन, जापान बढ़ती आबादी से परेशान

दुनिया के कुछ देश बढ़ती आबादी से परेशान हैं। इनमें भारत, चीन और जापान जैसे देश शामिल हैं। राजधानी दिल्ली से लेकर बीजिंग और टोक्यो में लोगों की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। इस बढ़ती आबादी को कम करने के लिए जापान सरकार ने दिलचस्प और अनोखा तरीका आजमाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टोक्यो दुनिया का सबसे बड़ा शहर है, जिसकी आबादी करीब 3.8 करोड़ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जापान की आबादी में तेजी से बदलाव नजर आ रहा है। बच्चों की संख्या तेजी से घट रही है और 65 से ज्यादा उम्र वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। इतना ही नहीं, सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद बच्चों की संख्या नहीं बढ़ रही है।

गांवों में चाइल्डकेयर तक आसान पहुंच बनाई

जापान के खाली हो चुके कस्बों और गांवों में ग्रामीण जीवन के प्रति लोगों को आकर्षित किया जा रहा है। इसके लिए चाइल्डकेयर तक आसान पहुंच बनाई गई है। नागानो प्रांत के ओटारी गांव में कितने लोग रह रहे हैं। इन क्षेत्रों को फिर से मजबूत करने के लिए नए सिरे से प्रयास किए जा रहे हैं।

शहर छोड़कर जाने वालों को रोजगार में मदद

जो लोग शहर छोड़कर जा रहे हैं, सरकार उन्हें रोजगार जमाने के लिए भी आर्थिक मदद दे रही है। हालांकि साल 2021 में सिर्फ 2 हजार 400 लोगों ने यह स्कीम चुनी है। यानी टोक्यो की आबादी के कुल 0.006% लोगों ने ही अब तक ये प्लान चुना है।

इकलौते बेटे को नेवी अफसर बनाने की कहानी जो काम पिता नहीं कर सकते वो बेटे से करवाया; 11 साल की उम्र में पहाड़ चढ़वाया

इंदौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। यह सक्सेस स्टोरी है इंदौर के 33 साल के शिखर मुले की। लेफ्टिनेंट कमांडर शिखर आज नौसेना के नए युद्धपोत आईएनएस मोरमुगाओ में असिस्टेंट मिसाइल इंचार्ज हैं। हाल ही में 18 दिसंबर को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस युद्धपोत को नौ सेना को समर्पित किया है। इंदौर में एक साधारण परिवार में पले-बढ़े शिखर की सक्सेस स्टोरी जितनी दिलचस्प है, 65 साल के विनोद मुले रिटायर्ड बैंककर्मी हैं। शुरू से ही वे डिफेंस को लेकर अपने बेटे शिखर को मोटिवेट करते आ रहे हैं। उनका अपने बेटे को मोटिवेट करने का तरीका भी अलग रहा। पिता विनोद मुले ने बताया कि जब वे खुद स्कूल लाइफ में थे, तब उन्होंने एनसीसी की नेवल विंग को जॉइन की थी। ट्रेनिंग के दौरान गन को उठाकर प्रैक्टिस कराई गई। इसकी एक टेक्निक रहती है। इस ट्रेनिंग में उनके दोनों कोहनी छिल गई। उस वक्त उन्हें लगा कि डिफेंस उनके बस की बात नहीं लग रही है। मगर डिफेंस में जाने का सपना उनके बेटे के रूप में पूरा हुआ। बेटे को उन्होंने फिजिकल और मेंटली दोनों तरह से तैयार किया। डिफेंस में जाने के बाद एक वक्त ऐसा भी आया जब खुद शिखर अपनी बहन की शादी तक में शामिल नहीं हो सके। विनोद मुले बताते हैं कि साल 2001 का वक्त था। शिखर 11 साल का था। 7 जुलाई को वे शिखर के साथ श्री हेमकुंट साहेब/वसुधारा फॉल ट्रैकिंग पर ले गए। इसकी ऊंचाई 14 हजार फीट है। पिता और बेटे दोनों ने 50 किमी की ट्रैकिंग की। 17 जुलाई 2001 तक उन्होंने ट्रैकिंग की। इस ट्रैकिंग के साथ ही शिखर की फिजिकल फिटनेस बनने लगी।

इसके बाद शिखर अपने स्कूल की तरफ से भी आउटिंग पर गए। फिजिकल फिटनेस के लिए पिता शिखर को आउटिंग पर कहीं न कहीं लेकर जाते थे। फिजिकल के साथ ही पिता ने शिखर की मेंटल ट्रेनिंग पर भी ध्यान दिया। अमूमन जब बच्चा 10 वीं या 12 वीं क्लास में होते है तो परिवार के लोग उन्हें अच्छे नंबर लाने पर उनकी पसंद की चीज लाने का बोलते हैं। मगर यहां पर शिखर के पिता ने उसकी टेबल के ऊपर ही ब्लैंक चेक साइन करके चिपका दिया और कहा- 12 वीं में अच्छे नंबर लाने पर उसे जो चाहिए वो इस चेक में अमाउंट भरकर ले सकता है। इस तरह पिता ने शिखर को मेंटली मोटिवेट किया। पिता की मंशा थी कि बेटा डिफेंस में जाए, मगर कभी भी उन्होंने इसके लिए प्रेशर नहीं डाला। पिता ने कहा उनकी इच्छा थी कि बेटा डिफेंस में जाए फिर चाहे वह आर्मी हो, नेवी हो या फिर एयरफोर्स। बेटे के 12 वीं पास करते ही न्यूज पेपर में उन्होंने नेवी का एड देखा। 2006-2007 में उन्होंने शिखर के लिए नेवी के लिए एप्लिकेशन फॉर्म भरा। ये फॉर्म वहीं स्टूडेंट भर सकते हैं जिनके 12 वीं क्लास में पीसीएम में 75% से ज्यादा प्रतिशत आए हों। फॉर्म भेजने के बाद शिखर को कॉल आया। उन्हें एसएसबी भोपाल बुलाया, जहां 5 दिनों का मेंटल और 5 दिनों का फिजिकल टेस्ट हुआ। इसमें शिखर का मेडिकल टेस्ट भी हुआ और अलग-अलग तरीकों से शिखर का टेस्ट लिया गया।

पहले पिटे, फिर भागे, आखिर एसपी इतने बेबस क्यों

फोर्स भी तमाशबीन रही, चुनाव या आदिवासी एक्ट, किससे डरी पुलिस?

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर से नए साल की शुरुआत में आदिवासियों के गुस्से की खबर आई। उसके अगले दिन यानी 2 जनवरी को एक वीडियो सामने आया, जिसमें महिलाएं नारायणपुर पुलिस के एसआई को पीटती नजर आईं। फुटेज में पुलिस भागती दिखी और महिलाओं समेत भीड़ उसका पीछा करती रही।

दरअसल, पूरा मामला छत्तीसगढ़ में ईसाई मिशनरी और आदिवासियों के बीच टकराव है। कहा जा रहा है कि ईसाई मिशनरी कथित रूप से धर्मांतरण कर रही है। नाराज भीड़ ने पहले चर्च में तोड़फोड़ की। इसके बाद यह टकराव हिंसा में तब्दील हुआ। भीड़ ने पुलिस पार्टी पर हमला किया, जिसमें एसपी का सिर फूट गया।

हिंसा और बवाल के बीच सवाल यह है कि आखिरकार जब भीड़ एसपी पर हमला कर रही थी, तो पुलिस ने बल प्रयोग क्यों नहीं किया। जब हमने इस सवाल का जवाब खोजने के लिए पड़ताल की, तो तीन संभावित वजहें सामने आईं।

अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) एक्ट 1989 के तहत पहले शिकायत होने पर एफआईआर के बगैर गिरफ्तारी का प्रावधान है। गिरफ्तारी के लिए पहले से मंजूरी लेने की जरूरत भी नहीं होगी। इसके तहत सीआरपीसी की धारा 438 के तहत अग्रिम जमानत भी नहीं दी जा सकती।

ऐसे मामलों में केवल कोर्ट यह तय कर सकता है कि मामला कायम करने में कानून की धारा 18-ए के तहत किसी के मौलिक अधिकारों का ध्यान रखा गया है या नहीं। साथ ही केवल कोर्ट ही तय कर सकता है कि ऐसे मामलों में जीने के अधिकार, समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों का हनन तो नहीं हुआ है। यानी पुलिस के पास मामला पहुंचने पर गिरफ्तारी तय है।

राज्य सरकार से एक्शन लेने के लिए आदेश न मिलना

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर से जो विजुअल्स सामने आए, उनमें पुलिस भीड़ के सामने डिफेंसिव ही नजर आ रही थी। यहां तक कि भीड़ में शामिल लोगों के पास लाठी-डंडे थे, उन पर भी पुलिस ने बल प्रयोग नहीं किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ऐसे हालात इसलिए बने कि सरकार की तरफ से आदिवासियों पर बल प्रयोग न

करने के निर्देश मिले थे। ऐसे में जब भीड़ हमलावर हो गई, तब भी पुलिस खुद को बचाने के लिए भागती नजर आई।

साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव

छत्तीसगढ़ समेत देश की 10 विधानसभाओं के लिए 2023 के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 29 आदिवासियों (एसटी) के लिए रिजर्व हैं। चुनाव से चंद महीने पहले कोई भी राजनीतिक पार्टी राज्य की एक तिहाई सीटों के नतीजे तय करने वाले आदिवासी समुदाय की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहेगी। यह भी एक वजह है कि इस मामले में नाराज आदिवासी लोगों पर सख्ती नहीं बरती गई।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में विवाद शनिवार रात से शुरू हुआ था। कथित धर्म परिवर्तन से गुस्साए कुछ लोग गोर्रा गांव में हथियार और लाठी-डंडा लेकर घुस गए। रविवार को भी दो पक्षों में मारपीट हुई। इसके बाद आदिवासी समाज ने बैठक बुलाई और दूसरे पक्ष पर जबरदस्ती धर्मांतरण करने का आरोप लगाया। इसी दौरान हिंसा भड़क गई। भीड़ ने स्थानीय चर्च में तोड़फोड़ की। हालात काबू में करने पुलिस पहुंची, तो प्रदर्शनकारियों ने उस पर भी हमला कर दिया। इसी घटना में नारायणपुर एसपी का सिर फट गया। इससे पहले, रविवार को आदिवासी समाज और दूसरे पक्ष के लोगों में झड़प हुई थी। हिंसक भीड़ ने ऐंड़का थाने के टीआई पर हमला कर दिया था।

इलाके को छावनी बनाया, 5 हजार जवान तैनात

नारायणपुर जिला मुख्यालय में शांति नगर स्थित है। इस इलाके में ज्यादातर ईसाई समुदाय के लोग रहते हैं। ग्रामीणों की भीड़ इसी इलाके में घुसी। आईजी सुंदरराज पी समेत 4 आईपीएस ऑफिसर नाराज लोगों को समझाने वहां पहुंचे थे। कोंडागांव से अतिरिक्त पुलिस बल को भी बुलाया गया।

ईसाई धर्म अपनाने वाले आदिवासियों को गांवों से निकाला

धर्मांतरण को लेकर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में पिछले कई दिनों से माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इस दौरान हमले और झड़प भी हुई हैं। इससे पहले 18 दिसंबर को ईसाई धर्म अपनाने वाले आदिवासियों को उनके गांवों से निकाल दिया गया था, जिसके बाद से तनाव बना हुआ है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में धर्म परिवर्तन को लेकर सोमवार को आदिवासी संगठनों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। भीड़ ने यहां एक चर्च में तोड़फोड़ की। बीच-बचाव करने जब पुलिस पहुंची तो प्रदर्शनकारियों ने उस पर भी हमला बोल दिया। इस घटना में जिले के एसपी का सिर फट गया।

नारायणपुर में धर्मांतरण के आरोप में बवाल के बाद इलाके में अब भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। सुरक्षा के लिहाज से शहर सहित आसपास के इलाके में करीब 5 हजार जवानों की तैनाती की गई है। शांति नगर और बंगला पारा वार्ड में हालात सबसे ज्यादा खराब थे।

इस मामले में 35 से 40 लोगों को हिरासत में लिया गया है। बस्तर संभाग के नारायणपुर में हुए आदिवासियों पर हमले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा- धर्मांतरण करने वालों के हौसले कांग्रेस के संरक्षण की वजह से इतने बुलंद हैं कि अब वो हिंसक हो चले हैं और प्रदेश में धारदार हथियारों से हमला करके आदिवासियों को ईसाई मिशनरी द्वारा धर्मांतरण के लिए विवश कर रहे हैं।

पुलिसकर्मी से विधायक तक का सफर

संतराम नेताम होंगे छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए उपाध्यक्ष, दाखिल किया नामांकन

संतराम नेताम

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर के केशकाल से दूसरी बार के विधायक संतराम नेताम विधानसभा के नए उपाध्यक्ष होंगे। उन्होंने बुधवार सुबह अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, मंत्री शिव डहरिया और संसदीय सचिव विकास उपाध्याय भी मौजूद थे।

नेताम के नाम पर मंगलवार को ही कांग्रेस विधायक दल की हुई बैठक में मुहर लग गई थी। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार देर शाम मुख्यमंत्री निवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इसमें प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा भी पहुंची। उनके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत भी पहली बार बैठक में शामिल हुए। बैठक में चर्चा के बाद विधायक संत कुमार नेताम के नाम पर मुहर लगी। हालांकि प्रदेश प्रभारी शैलजा तैयार नहीं थी। उनकी आपत्ति के बाद भी नेताम उम्मीदवार चुने गए।

संतराम नेताम ने साल 2013 में केशकाल विधानसभा से पहली बार चुनाव जीता था। इसके बाद 2018 में फिर जीत दर्ज की। इससे पहले वह बड़ेराजपुर जनपद पंचायत के सदस्य भी रह चुके थे। 2 मई 1972 को कोंडागांव में विश्रामपुर के पलना जन्में नेताम ने एमए एलएलबी करने के बाद पुलिस की नौकरी में कदम रखा। इसके बाद करीब 17 साल तक छत्तीसगढ़ पुलिस में अपनी सेवाएं दीं। फिर कांग्रेस की सदस्यता ले ली। छत्तीसगढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष और भानुप्रतापपुर से कांग्रेस विधायक मनोज सिंह मंडावी का 16 अक्तूबर को निधन हो गया था। वे धमतरी के सर्किट हाउस में रुके हुए थे। वहीं अगले दिन सुबह उनके सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद उन्हें धमतरी के अस्पताल ले जाया गया था।

मुनि सुज्ञेयसागर ने बेटे की गोद में त्यागे थे प्राण

बच्चों की तरह की देखभाल, सम्मेद शिखर के लिए अनशन पर थे

एक्सक्लूसिव डेस्क, 4 जनवरी। जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज का सम्मेद शिखर से बेहद गहरा और भावनात्मक जुड़ाव रहा था। यहीं से दीक्षा लेकर वह बिजनेसमैन से जैन संत बने थे। समय आया तो समाज के उसी पवित्र स्थल को बचाने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। आमरण अनशन पर बैठे मुनि ने मंगलवार को अपनी देह छोड़ी थी।

अनशन का पता चला तो उनका कारोबारी बेटा मुंबई से जयपुर आ गया। लाख मनाने पर भी पिता महाराज नहीं माने तो कमलेश जैन ने वहीं उनके पास रुकने का फैसला किया। यह जानते हुए भी कि घर में मां हार्ट पेशेंट हैं। वह बच्चों की तरह मुनि को गोद में उठाकर देव दर्शन करवाता, नित्य कर्म में मदद करता। मुनि ने अंतिम क्षणों में इसी बेटे की गोद में ही अपने प्राण त्यागे।

दरअसल, सम्मेद शिखर को टूरिस्ट प्लेस बनाए जाने के झारखंड सरकार के फैसले का जैन समाज देशभर में विरोध कर रहा है। अब सुज्ञेयसागर जी महाराज के इस त्याग ने राजस्थान की धरती से देशभर में एक भावुक आंदोलन छेड़ दिया है। चार साल पहले गृहस्थ जीवन छोड़ने वाले मुनि सुज्ञेय (72) ने 10 दिन से अन्न-जल त्याग रखा था। उनका शरीर पूरी तरह से कमजोर हो चुका था। वजन महज 20-22 किलो ही रह गया था।

जयपुर के सांगानेर में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर सांघीजी पहुंची, तो माहौल पूरी तरह से गमगीन था। वहां चार-पांच जैन मुनि और बैठे थे। आमतौर पर एक साथ इतने मुनि जहां भी साथ आते हैं, वहां उत्सव का माहौल होता है। मुनि और श्रद्धालुओं की आंखें भीगी हुई थीं।

श्री सम्मेद शिखर को लेकर इतना आक्रोश था कि मुनि सुज्ञेयसागर महाराज की देह का विसर्जन होने के बाद एक और मुनि ने अन्न जल त्यागने की घोषणा कर दी। श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जहां मुनि सुज्ञेय ने देह त्यागी, वहां हमारी मुलाकात उनके बेटे कमलेश जैन से हुई। बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे उदयपुर के छोटे से गांव के रहने वाले नेमीराज जैन मुनि सुज्ञेयसागर बने और इतना बड़ा त्याग किया।

पिता को पिता नहीं, महाराज बोल सकता हूं- कमलेश जैन (बेटा)

कमलेश जैन से जब हमने ये सवाल किया कि आपके पिता जी की देह त्यागने कि खबर कैसे लगी? तो उनका जवाब था- मैं तो उनको पिताजी बोल ही नहीं सकता। उन्होंने गृहस्थ जीवन त्यागकर धर्म की दीक्षा ली थी तब से वह महाराजजी ही कहलाते थे और मैं भी महाराजजी ही कहता था।

कमलेश ने बताया, 'उन्होंने 25 दिसंबर को अनशन शुरू किया। 27 दिसंबर को जब हमें खबर मिली, तो मैं खुद को रोक नहीं पाया। मां हार्ट पेशेंट हैं। उन्होंने ही मुझे जयपुर जाने को कहा। मैं फ्लाइट पकड़कर यहां पहुंचा तो उन्होंने अखंड संकल्प ले रखा था, जब तक पवित्र तीर्थ के मामले में कोई सकारात्मक फैसला नहीं हो जाता, तब तक कुछ ग्रहण नहीं करेंगे।

उनके संकल्प के आगे मैं हार गया। मुंबई से आया तो उन्हें मनाने था। नहीं माने तो यहीं रहकर उनकी सेवा करने लगा। अंतिम समय में उनका शरीर सिर्फ हड्डियों का ढांचा रह गया था। वजन घटकर 20-22 किलो हो गया था।

मैं यहां उन्हें छोटे बच्चों की तरह अपनी गोद में उठाकर नित्य कर्म करवाता। वे जब कहते थे कि मुझे धूप में ले जाओ, तो उन्हें गोद में उठाकर छत पर ले जाता था। वे 4 से 6 घंटे तक धूप में रहते। अंतिम समय में उनके शरीर में कोई मूवमेंट नहीं था। करवट भी नहीं ले सकते थे। मुनियों जैसी दिनचर्या प्राण

त्यागने तक निभाई।' कमलेश बताते हैं कि उनके परिवार की जड़ें राजस्थान से ही हैं। उदयपुर की सलूंबर तहसील के गांव झल्लारा छोड़कर 40 साल पहले मुनि सुज्ञेय महाराष्ट्र चले गए थे। वहां थाणे के भिवंडी में एक जनरल स्टोर से कारोबार शुरू किया। संघर्ष करके बिजनेस को बड़ा किया। आज उसी स्टोर को हम दो भाई मिलकर संभालते हैं।

10 फरवरी 2019 को करीब चार साल पहले उनकी दीक्षा हुई थी। इससे पहले भी वे एक महीने तक निर्जल उपवास किया करते थे। बाहर की खाने-पीने की सभी चीजों का त्याग कर रखा। वे दो बार खाना लेते थे और धीरे-धीरे एक समय खाना लेने लगे थे।

जैसे साधु की दिनचर्या होती है परिवार में रहते हुए इन नियमों को अपना लिया था। फिर उन्होंने गुरु की शरण में जाने का फैसला किया और कहा कि मुझे दीक्षा लेनी है। साधु का जीवन जीना है। वे हमें छोड़कर चले गए। सुज्ञेय महाराज जब से मुनि बने तब से मेरे साथ थे। वे बहुत जिद्दी थे। हमने बहुत समझाया, लेकिन वे चाहते थे कि उस पवित्र स्थान के लिए कुछ करें। उन्होंने मुझसे पूछा- मैं क्या करूं, तो मैंने उनके कमजोर शरीर को देखकर कहा कि आप कुछ मत करो। साधु बन चुके हो, सब कुछ छोड़ दिया है, फिर इस चक्कर में क्यों हो। उनका मन बदला नहीं।

वे कहते थे कि हमारी समाधि अच्छी हो जाए। हमने समझाया कि इसकी चिंता मत करो। इससे अच्छी समाधि हो ही नहीं सकती। आचार्य श्री के सान्निध्य में णमोकार मंत्र सुनते-सुनते उन्होंने देह त्याग दी।

बिन पानी के शरीर जर्जर हो गया- आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज (मुनि सुज्ञेय के गुरु)

मुनि सुज्ञेय को दीक्षा देने वाले उनके गुरु चतुर्थ पीठाधीश आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज ने बताया कि मेरे शिष्य का आंदोलन भावनात्मक था। वे कठिन साधना कर रहे थे। जब उन्हें सम्मेद शिखर के बारे में झारखंड सरकार के फैसले का पता चला तो उन्होंने संकल्प लिया। उनके शब्द थे- जब तीर्थ स्थान पर भावना के विपरीत घटनाएं होने लगी हैं, तो मैं भी अन्न-जल त्याग करता हूं।

वे अक्खड़ तपस्वी थे, जिद्दी थे, कठिन साधना की, जिसमें तीर्थ कारण बना। ये बहुत भावात्मक विषय है। उन्होंने ठान लिया था कि जब तक सम्मेद शिखरजी का मामला हल नहीं होता है, तब तक हम अन्न नहीं लेंगे। मुनि सुज्ञेय ने 9 दिन बिना पानी के उपवास किए, शनिवार को वे काफी कमजोर हो गए। उनका शरीर पूरी तरह से जर्जर हो गया था। हमने काफी समझाया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। मुनि सुज्ञेय ने शालीन रूप ले लिया था, कोई आक्रोश नहीं था। बस भाव जुड़े थे कि तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि की जो पवित्रता है, वह बनी रहे।

मैंने मुनि सुज्ञेय से कहा कि ऐसे तो आपकी 'साधना' (जैन समाज में तप करते हुए मृत्यु होने को साधना कहते हैं) हो जाएगी, तो उन्होंने कहा कि तीर्थ की सेवा में समाधि हो जाए, तो भी कोई समस्या नहीं। ये सम्मेद शिखर को बचाने के लिए उनका बलिदान है।

मैंने भी प्रतिज्ञा कर ली है- समर्थ सागर महाराज (एक और मुनि जो अनशन पर बैठ गए हैं) मेरे सामने महान पवित्र स्थल सम्मेद शिखर जी के लिए मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने समाधि ले ली। अब मैंने भी प्रतिज्ञा की है जब तक इस मामले का समाधान नहीं हो जाता, सब कुछ साफ नहीं हो जाता, तब तक के लिए सब त्याग कर दिया है।

सम्मेद शिखर का यह है महत्व

इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष की प्राप्ति की। यहां पर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने भी निर्वाण प्राप्त किया था। पवित्र पर्वत के शिखर तक श्रद्धालु पैदल या डोली से जाते हैं। जंगलों, पहाड़ों के दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए नौ किलोमीटर की यात्रा तय कर शिखर पर पहुंचते हैं। इस मसले पर सम्मेद शिखर में विराजित मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने कहा कि सम्मेद शिखर इको टूरिज्म नहीं, इको तीर्थ होना चाहिए। सरकार पूरी परिक्रमा के क्षेत्र और इसके 5 किलोमीटर के दायरे के क्षेत्र को पवित्र स्थल घोषित करें, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। जैन समाज को आशंका है कि पर्यटन स्थल बनने के बाद यहां मांस-मदिरा आदि बिकने लगेगा, यह समाज की भावना-मान्यता के खिलाफ है।

केंद्र सरकार ने 2019 में किया नोटिफाई

2019 में केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखर को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने एक संकल्प जारी कर जिला प्रशासन की अनुशंसा पर इसे पर्यटन स्थल घोषित किया। गिरिडीह जिला प्रशासन ने नागरिक सुविधाएं डेवलप करने के लिए 250 पन्नों का मास्टर प्लान भी बनाया है।

कोहरे ने रोकी फ्लाइट लैंडिंग

रायपुर एयरपोर्ट पर नहीं उतर सके अहमदाबाद और मुंबई से आ रहे विमान

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम के करवट लेने का असर फ्लाइट की उड़ानों पर भी दिखाई देने लगा है। प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। वहीं रायपुर सहित कई जिलों में हल्की बूंदा-बांदी भी हुई है। खराब दृश्यता और कोहरे के चलते बुधवार को रायपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट की लैंडिंग रोक दी गई। इसके चलते मुंबई और अहमदाबाद से आनी वाली उड़ानों को नागपुर और भुवनेश्वर डायवर्ट किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान आईजीओ 6687 अहमदाबाद-रायपुर को दोपहर 12.37 बजे भुवनेश्वर की ओर डायवर्ट किया गया। जबकि इससे पहले एयर इंडिया की फ्लाइट एआईसी 651 मुंबई-रायपुर को सुबह 11 बजकर 53 मिनट पर खराब दृश्यता के कारण नागपुर की ओर डायवर्ट किया था। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर खराब दृश्यता के चलते इन विमानों को लैंड करने की अनुमति नहीं दी गई।

रायपुर समेत छत्तीसगढ़ में मौसम ने करवट बदली है। सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है। बूंदाबांदी के साथ ही ठंडी हवाएं भी चल रही हैं। रायपुर में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रायपुर सहित आस-पास के इलाकों और अन्य पड़ोसी जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। इसके चलते बलरामपुर और मनेंद्रगढ़ में स्कूलों को दो दिन के लिए बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, एक-दो दिनों में पारा और नीचे जा सकता है।

> खराब दृश्यता और कोहरे के चलते बुधवार को रायपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट की लैंडिंग रोक दी गई। इसके चलते मुंबई और अहमदाबाद से आनी वाली उड़ानों को नागपुर और भुवनेश्वर डायवर्ट किया गया है।

गैंगरेप का दर्द झेला, मां ने भी दुत्कारा

इंडिया की पहली इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर ब्यूटी क्वीन नाज की कहानी

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं ना मुझे तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था कुछ ऐसा ही किस्सा नाज जोशी का है। दिल्ली के एक अच्छे खाते-पीते परिवार में जन्मीं नाज को बचपन में किसी चीज की कमी नहीं थी। अपने लाडले बेटे की हर ख्वाहिश मां-बाप पूरी करने के लिए तैयार रहते थे। लेकिन 10 साल की उम्र तक आते-आते अपने ही नजरें फेर लेंगे और जिंदगी जहन्नुम बन जाएगी, ऐसा तो बच्चे ने सोचा भी नहीं होगा। जिस मां से सिर्फ दुलार मिलता हो उस मां से हिकारत मिले, इतना ही नहीं अपने साथ रखने से भी घबराने लगे, उस बच्चे का दर्द समझना आसान नहीं है। ये किसी फिल्म की कहानी नहीं बल्कि इंडिया की पहली ट्रांसजेंडर इंटरनेशनल ब्यूटी क्वीन की सच्ची कहानी है, जिसे पढ़ कर आप भी थर्रा उठेंगे।

सोशल मीडिया पर नाज जोशी की कहानी आई तो वो चर्चा में आ गईं। चलिए आपको नाज के बारे में बता देते हैं। इंडिया का नाम दुनिया भर में रोशन करने वाली नाज ने 8 ब्यूटी पीजेंट्स जीते हैं, इनमें से 7 तो इंटरनेशनल ब्यूटी कॉंटेस्ट हैं। आज खुशनुमा और शोहरत भरी जिंदगी जी रही नाज का सफर कांटों भरा रहा है। शारीरिक ही नहीं मानसिक प्रताड़ना झेलने वाली नाज का जन्म दिल्ली के एक संपन्न परिवार में हुआ था। हमारे समाज में आज भी बेटा पैदा होना गर्व की बात होती है। कुछ ऐसा ही नाज के साथ भी हुआ था। नाज की मां जो कभी मेरा बेटा, मेरा बेटा, कहते नहीं थकतीं एक दिन ऐसा आया कि बेटे से नफरत होने लगी।

10 साल के अपने बच्चे को मां ने खुद से दूर कर दिया

दरअसल, नाज जब बड़ी हुई तो चाल-ढाल बदलने लगी, क्योंकि ऊपर से भले ही लड़का थीं लेकिन अंदर से एक लड़की जैसा महसूस करती थीं। जैसा हमारा समाज है, लोगों ने नाज के

घरवालों को ताना देना शुरू कर दिया। बाहरवालों के साथ-साथ घरवालों का रवैया भी बदल गया। जब पता चला कि बेटा ट्रांसजेंडर है तो बेइज्जती से बचने के लिए ऐसा कदम उठाया कि नाज की जिंदगी जहन्नुम बन गई। नाज को मुंबई में रहने वाले मामा के यहां भेज दिया गया। चॉल में रहने वाले मामा के लिए खुद अपना खर्च चला पाना मुश्किल था। 10 साल के मासूम को ढाबे पर काम करने के लिए लगा दिया। नाज ने सारी मुसीबतों के बीच पढ़ाई करना नहीं छोड़ा। लेकिन एक दिन जब वह ढाबे से लौटीं तो मामा का बेटा अपने दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। नाज को भी पीने को कहा, मना करने पर कोल्ड ड्रिंक पीने को दिया,जिसे पीते ही वह बेहोश हो गईं और मामा के बेटे ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। दर्द से तड़प रहे 11 साल के बच्चो का मामा ने अस्पताल में भर्ती करवा कर वहीं छोड़ दिया।

नाज के संघर्ष की कहानी

अस्पताल में भर्ती नाज जोशी पर एक किन्नर की नजर पड़ी तो उसे किन्नर समाज के गुरू के पास ले गए। जहां पैसे कमाने के लिए भीख मंगवाया गया, बार डांस में काम किया, सेक्स वर्कर के तौर पर काम किया। अपने कमाए हुए पैसों से 12 की पढ़ाई पूरी की। 18 साल की उम्र तक आते-आते नाज अपनी जिंदगी से तंग आ गई थी। हैरान परेशान डिप्रेशन की शिकार नाज की बातचीज फेसबुक के जरिए अपनी एक कजिन सिस्टर से हुई। जिसकी मदद से दिल्ली ने एनआईएफटी में एडमिशन हुआ। लगन की पक्की नाज ने फैशन डिजाइनिंग की डिग्री में टॉप किया। कैंपस प्लेसमेंट में डिजाइनर रितु कुमार के यहां जॉब मिल गई। नाज ने पैसे कमाए और सर्जरी करवा कर अपना जेंडर बदलवा लिया, वो अब लड़के से एक लड़की में बदल गईं।

नाज बन गईं इंटरनेशनल ब्यूटी क्वीन

एक फेमस फोटोग्राफर की नजर जब नाज पर पड़ी तो जिंदगी बदली। फोटोशूट के बाद नाज फेमस हो गईं, उन्हें एक फैशन शो में बतौर ट्रांसजेंडर मॉडल शो स्टॉपर बनने का मौका मिला। नाज को पैसे भी मिले,शोहरत और इज्जत भी मिली।

फैशन और ब्यूटी की दुनिया में नाज ने कदम रखा तो अफ्रीका, दुबई और मॉरीशस में 3 साल लगातार मिस वर्ल्ड डायवर्सिटी का ताज जीता। नाज की जिंदगी ये बताती है कि मुश्किलों के बीच अगर आप खुद पर भरोसा करना जारी रखते हैं तो किस्मत भी आपका साथ जरूर देती है।

'अभी नहीं लूंगा राजनीति से रिटायरमेंट' युवाओं की राजनीति में एंट्री को लेकर क्या बोले गहलोत?

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अशोक गहलोत हाल में अपने राजनीति भविष्य को लेकर कहा कि उनका हाल फिलहाल में राजनीति से रिटायरमेंट लेने का कोई विचार नहीं है. गहलोत ने कहा कि इस बरस राजनीति में उन्हें 50 साल पूरे होने जा रहे हैं.

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आने वाले दिनों में कांग्रेस सरकार के इस कार्यकाल का आखिरी बजट पेश करने जा रहे हैं. राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 23 जनवरी से आहूत होना है जहां गहलोत राज्य का बजट पेश करेंगे. मालूम हो कि राजस्थान में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में गहलोत का यह बजट कई मायनों में अहम माना जा रहा है. वहीं गहलोत ने बजट से पहले सियासी बगावत के दौरान हुए विधायकों के इस्तीफे वापस करवाकर नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को एक बार फिर शांत कर दिया है. गहलोत ने अपने राजनीति से रिटायरमेंट को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. गहलोत ने कहा कि अभी हाल फिलहाल में मेरा राजनीति से रिटायरमेंट को लेकर कोई विचार नहीं है. हालांकि गहलोत ने यह भी कहा कि राजनीति में अब देश के लिए समर्पित युवाओं को आगे आना चाहिए.

मालूम हो कि राजस्थान में बीते कई महीनों से सत्ता का चेहरा बदलने की कवायद चल रही थी जिसको लेकर बताया जाता है कि सचिन पायलट का नाम फाइनल करने के लिए ही 25 सितंबर को जयपुर में विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी. हालांकि वो बैठक अभी तक नहीं हो सकी है.

युवाओं को राजनीति में आना चाहिए : गहलोत

गहलोत ने कहा कि अभी निकट भविष्य में मैं राजनीति से सन्यास नहीं ले रहा हूं और मेरा मानना है कि देश के भविष्य के लिए पढ़े-लिखे और समर्पित युवाओं को राजनीति में आगे आना चाहिए. वहीं गहलोत ने इंटरव्यू में आगे कहा कि मेरे लिए राजनीति सेवा का माध्यम है और इस साल राजनीति में मुझे 50 साल पूरे होने जा रहे है.

उन्होंने बताया कि मेरा 50 साल का राजनीतिक जीवन ईमानदारी से निकला है और मैंने अपने जीवन में कोई संपत्ति नहीं बनाई. गहलोत ने कहा कि मेरे पास जो है वह जनता का दिया हुआ है. गहलोत ने आगे कहा कि युवाओं को राजनीति में आने के लिए ट्रेनिंग की जरूरत है और हम सीनियर नेताओं की जिम्मेदारी है कि हम उनको हमारे टाइम का संघर्ष बताएं.

सन्यास के बाद पॉलिटिकल की क्लास लूंगा : गहलोत

बता दें कि बीते दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार के 4 साल पूरे होने पर जयपुर के जवाहर कला केंद्र में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था और इस दौरान सीएम ने राजनीतिक मामलों में मैनेजमेंट को लेकर पूछे गए एक सवाल पर कहा कि, जब मैं जब राजनीति से रिटायरमेंट ले लूंगा तो पॉलिटिकल की क्लास लूंगा, जिसमे स्किल और अनुभव का जिक्र होगा.

वहीं गहलोत ने राज्य के सियासी हालातों पर कहा था कि यहां किसी के बीच कोई विवाद नहीं है और हमारे बीच में प्यार-मोहब्बत की बातें होती है. वहीं आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गहलोत ने कहा कि उनकी पार्टी अगले एक साल जमकर मेहनत करेगी और योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी.

वहीं गहलोत ने अपनी सरकार के कामकाज पर कहा कि उन्होंने सरकार बनते ही घोषणा पत्र को सरकारी दस्तावेज बनाया और तीन साल पूरे होने तक घोषणा पत्र के एक-एक वादे को जमीन पर उतारा और राजस्थान सरकार के फैसलों और योजनाओं की देशभर में चर्चा है.

जयपुर में कोरोना के नए वैरिएंट का मरीज मिला

अमेरिकी वैरिएंट एक्सबीबी 1.5 से संक्रमित मिला

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक बार फिर कोरोना का खतरा बढ़ता दिख रहा है। यहां कोरोना के नए वैरिएंट का मरीज मिला है। मरीज ओमिक्रॉन के नए सब वैरिएंट एक्सबीबी 1.5 से संक्रमित बताया जा रहा है। कोरोना का ये वैरिएंट अमेरिका का है। ये अब तक का सबसे तेज फैलने वाला वैरिएंट बताया जा रहा है। इसकी रफ्तार पहले के वैरिएंट से 104 गुना ज्यादा तेज है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में हुई जीनोम सिक्वेंसिंग की रिपोर्ट में इस व्यक्ति के डिटेक्ट होने की सूचना है। मेडिकल कॉलेज की माइक्रो बायोलॉजी के एचओडी डॉ. भारती मल्होत्रा ने बताया कि ये केस जयपुर के सोडाला इलाके का है और दिसंबर के अंतिम सप्ताह में जांच के लिए हमारे पास आया था, इसमें नए वैरिएंट की पुष्टि हुई है। हालांकि हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारी अभी इस बात की पुष्टि नहीं कर रहे हैं। जयपुर सीएमएचओ डॉ. विजय फौजदार का कहना है कि अभी तक हमारे पर इस मरीज की कोई जानकारी नहीं आई है। जानकारी आने के बाद मरीज की हिस्ट्री और उसके कॉन्टैक्ट पर्सन के बारे में जानकारी जुटाकर आगे की कार्यवाही की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि मरीज जयपुर में मिला है और पिछले साल दिसंबर में पॉजिटिव आया था। ये भी बताया जा रहा है कि मरीज दिसंबर में ही यूएस से यात्रा करके लौटा था।

पुराने वैरिएंट के मुकाबले 104 गुना प्रभावी

जानकारों के मुताबिक ये वैरिएंट हमारे शरीर में वैक्सीनेशन और नेचुरल तरीके से बनी एंटी बॉडीज को बेअसर करके संक्रमण फैलाता है। इतना ही नहीं ये संक्रमण हमारे शरीर में अब तक के सभी वैरिएंट से 104 गुना ज्यादा तेजी से फैलता है। अभी तक हमारे पास कोई ऐसी वैक्सीन या इम्यूनिटी नहीं है जो इस वायरस के संक्रमण से बचा सकता है।

पेपर लीक के आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम

12 से ज्यादा ठिकानों पर दबिश दी, विदेशों तक से जानकारी जुटाई जा रही

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सेकेंड ग्रेड टीचर परीक्षा पेपर लीक के दो मास्टरमाइंड पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने इनाम घोषित किया है। डीजीपी राजस्थान उमेश मिश्रा ने बताया कि दोनों की बदमाश पेपर लीक प्रकरण के मुख्य आरोपी हैं। जिसे भी इनकी जानकारी मिले वह पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर के सूचना दे। सही सूचना देने वाले को 25-25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया- ये बदमाश उदयपुर में पुलिस एक्शन के बाद से फरार चल रहे हैं। इन की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 12 से ज्यादा ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन बदमाश नहीं मिले। पुलिस का अनुमान है कि ये बदमाश राजस्थान या पास के राज्यों में छिपे हुए हैं। वहीं, एसओजी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विदेश में भी संपर्क में है। उदयपुर एसपी विकास शर्मा ने बताया- अभियुक्त भूपेंद्र सारण और सुरेश ढाका के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। दोनों फरार आरोपियों राज्य में संभावित स्थानों पर तलाश की गई, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चला। इसे देखते हुए डीजीपी उमेश मिश्रा के निर्देश पर एडीजी क्राइम अपराध द्वारा दोनों अभियुक्तों पर अलग-अलग 25 हजार रुपए का पुरस्कार घोषित किया है। जो भी व्यक्ति इन दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सही सूचना देगा उसे पृथक पृथक 25 हजार रुपए का पुरस्कार द्या जाएगा।

40 देशों से बड़ा होगा इस साल का राजस्थान बजट

इनकम बढ़ने से उत्साहित सीएम, कम हो सकता है घाटा; जानें- कहां होगा नया खर्च

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ।राजस्थान में बजट सत्र 23 जनवरी से शुरू होगा। गहलोत सरकार का विधानसभा चुनाव से पहले यह लास्ट बजट होगा।

राजस्थान के आर्थिक इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट जल्द ही विधानसभा में पेश होने वाला है। यह बजट करीब 2 लाख 65 हजार 500 करोड़ रुपए का होगा। यह बजट दुनिया के 40 देशों के बजट से भी ज्यादा बड़ा बजट होने वाला है। सीएम गहलोत राजस्थान की अर्थव्यवस्था की मजबूती के 4 बड़े संकेतों को लेकर खासे उत्साहित हैं। वे इन संकेतों से मिलने वाली आर्थिक ऊर्जा को प्रदेश की सामाजिक सुरक्षा पर खर्च करने के लिए वित्त विभाग के अफसरों को कह चुके हैं।

सीएम गहलोत ने मार्च-2022 में जो बजट पेश किया था, उसमें कुल राजस्व 2 लाख 14 हजार 977 करोड़ 23 लाख रुपए का था। इस राशि की तुलना में सरकार ने खर्चा तय किया था दो लाख 38 हजार 465 करोड़ 79 लाख रुपए का। करीब 23 हजार करोड़ रुपए सरकार ने उधार लिए थे, तब जाकर खर्चों को संभाल पाए थे। अब बजट के लिए

सरकार ने जो योजनाएं बनाई हैं, उनके लिए लगभग 2 लाख 65 हजार 500 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी। बड़ी बात यह है कि सरकार को पहले की तुलना में उधार लेकर घाटा पूरा करने की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ेगी। यह घाटा 23 हजार करोड़ रुपए से घटकर 17-18 हजार करोड़ रुपए तक हो सकता है। 10 साल पहले 2012-2013 के बीच राजस्थान की वार्षिक विकास दर मात्र 2.50 प्रतिशत थी। प्रदेश की वार्षिक आयोजना का आकार भी करीब 41 हजार करोड़ रुपए तक था।

आर्थिक विशेषज्ञ प्रो. वी.वी. सिंह का कहना है कि किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था में आमदनी ज्यादा और खर्चे कम रखते हुए बजट बनाया जाए तो बेहतर रहता है। केवल राजनीतिक वाहवाही के लिए अनाप-शनाप योजनाएं बनाई जाती हैं, तो दो-तीन वर्षों में कमाई गई सारी विकास दर ठप होना तय ही है। बजट में इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

इधर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता और विधायक अनिता भदेल का कहना है कि सीएम गहलोत केवल अपनी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर पैसा खर्च करते हैं। एक भी योजना वे केन्द्र की सहायता बिना नहीं बना रहे हैं। लगातार राजस्व घाटे का बजट पेश करते आए हैं। सीएम गहलोत ने नवंबर में वित्त विभाग की समीक्षा की थी। 25 नवंबर को सीएम ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में राजस्थान के आर्थिक उछाल को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

वित्त विभाग ने अब इसे जारी भी कर दिया है। इसके बाद केन्द्रीय वित्त मंत्रालय से प्रदेश की विकास दर और राष्ट्रीय स्तर पर एकत्रित होने वाले प्रत्यक्ष करों के मामले में राजस्थान को क्रमशः दूसरे और पांचवें स्थान पर बताया गया है। ऐसे में सीएम गहलोत का प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर उत्साहित होना सहज ही समझा जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री को नहीं किसानों की चिंता

रामपाल जाट बोले-ईआरसीपी को पलीता लगा रहे जल शक्ति मंत्री

दौसा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ईआरसीपी का सच बुक का विमोचन करने लालसोट पहुंचे किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा शेखावत अपनी राजनीतिक द्वेषता की पूर्ति के लिए पूरी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने में अड़ंगा लगाकर पलीता लगाने में जुटे हैं। जबकि प्रधानमंत्री द्वारा अजमेर व जयपुर की सभाओं में ईआरसीपी को लेकर की गई घोषणाओं का भी जल शक्ति मंत्रालय सम्मान नहीं कर रहा है। जाट ने कहा केंद्र सरकार अगर मदद नहीं करेगी तो भी इस परियोजना को पूरा करने की घोषणा राज्य की कांग्रेस सरकार ने की है तथा विगत दो बार के बजट में करीब 10 हजार करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। लेकिन आने वाला बजट में सरकार 30 हजार करोड़ का बजट परियोजना के लिए घोषणा कर किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। वहीं

परियोजना से वंचित रहे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के बांधों को डीपीआर संशोधित कर जोड़ा जाए।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री शेखावत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जल शक्ति मंत्रालय राजस्थान के सांसद के हाथों में है, लेकिन जिन्हें राजस्थान के किसानों के हितों के बारे में ध्यान देना चाहिए था उन्होंने मुंह मोड़ लिया है। राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित करने में केंद्र का हिस्सा राशि 90% से घटाकर 60% कर दिया, लेकिन केंद्रीय मंत्री इसके भी उलट काम कर योजना को पलीता लगा रहे हैं।

जाट ने कहा पार्वती - कालीसिंध - चंबल (पी के सी) का पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से एकीकरण की स्वीकृति का राग अलापा जा रहा है, जबकि नई प्रक्रिया से किसानों को आधा पानी भी नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन राजस्थान के किसानों के हितों में जल शक्ति मंत्री को सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए तथा ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित की जानी चाहिए।

एमएसपी पर खरीद की गारंटी कानून लाने की मांग

वहीं दूसरी तरफ किसान महापंचायत MSP पर खरीद की गारंटी कानून के लिए पूरे देश में ग्राम सभा में संकल्प पारित कराने के लिए काम कर रही है। राज्य में इस अभियान को शुरू कर दिया गया है।

ग्राम पंचायत के कुल मतदाताओं में से 10% मतदाताओं के हस्ताक्षर कराकर ग्राम सभाओं का आयोजन करवाया जाएगा। जिसमें संकल्प पारित कराकर केंद्र तथा राज्य सरकार को भिजवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी में कीमत की बढ़ोतरी कर देती है लेकिन समूचा माल किसानों का खरीद नहीं करती इसके लिए सरकार से अपनी मांग मनवाने के लिए किसान अब सड़कों पर जाने की जगह प्रोटेस्ट फ्रॉम होम प्रक्रिया से गांव में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर ग्राम सभाओं में संकल्प पारित कराकर सरकार पर दबाव बनाने का काम करेगा।

राजस्थान कांग्रेस में कार्यकर्ताओं का इंतजार खत्म

100 ब्लॉक कमेटी अध्यक्षों की हुई घोषणा

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में ढाई साल बाद 100 ब्लॉक अध्यक्षों के पदों पर नियुक्तियां करने के लिए नाम जारी हुए हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है. मालूम हो कि पिछले ढाई साल से कांग्रेस कार्यकर्ताओं इसका इंतजार कर रहे थे. राजस्थान में पिछले ढाई साल से चल रहा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. कांग्रेस ने ढाई साल से खाली चल रहे संगठन के पदों पर अब नियुक्तियां करने का क्रम शुरू कर दिया है जिसकी शुरुआत ब्लॉक अध्यक्षों से की गई है. मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस ने 100 ब्लॉक अध्यक्षों के पदों पर नियुक्तियां करने के लिए नाम जारी कर दिए हैं. माना जा रहा है कि ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियों में गहलोत और पायलट दोनों खेमों को साधने की कोशिश की गई है. राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

गोविंद सिंह डोटासरा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है. मालूम हो कि पिछले ढाई साल से कांग्रेस में इसका हर किसी को इंतजार चल रहा था. वहीं अब इस घोषणा के बाद भी अभी भी 300 ब्लॉक अध्यक्ष के पद खाली पड़े हैं.

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति पर गोविंद सिंह डोटासरा ने लिखा कि मैं सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी इस ज़िम्मेदारी का पूरी लगन और मेहनत से निर्वहन कर संगठन को मज़बूत करेंगे.

75 फीसदी ब्लॉक अब भी खाली

वहीं ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब बताया जा रहा है कि इसी हफ्ते के आखिर में कांग्रेस के जिलाध्यक्षों और बचे हुए 300 ब्लॉकों के अध्यक्षों की नियुक्ति हो जाएगी. मालूम हो कि राजस्थान कांग्रेस के नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बीते हफ्ते दो दिन में संगठन की सभी नियुक्तियां करने का दावा किया था और रंधावा ने कहा था कि अगले 2-3 दिनों में लिस्ट जारी कर देंगे.

बता दें कि कांग्रेस में फिलहाल राजस्थान में 400 ब्लॉक हैं जिनमें से अभी 25 फीसदी ब्लॉकों में ही नियुक्ति की गई है और 75 फीसदी अब भी खाली पड़े हैं. वहीं सभी नवनयुक्त ब्लॉक कमेटियों के अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए रंधावा ने लिखा है कि मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी अपनी इस नई ज़िम्मेदारी का पूरे समर्पण से निर्वहन कर पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे.

पायलट की बगावत के समय आया था भूचाल

गौरतलब है कि सचिन पायलट गुट की बगावत के समय 15 जुलाई 2020 में कांग्रेस के सभी जिला, ब्लॉक सहित सभी कार्यकारिणी भंग करने का ऐलान किया था जिसके बाद से कांग्रेस में ब्लॉक खाली पड़े थे. राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से सचिन पायलट को बर्खास्त किए जाने के बाद कांग्रेस कमेटी के महासचिव और तत्कालीन राजस्थान प्रभारी अविनाश पांडे ने प्रदेश कार्यकारिणी, समस्त विभागों, प्रकोष्ठ को भंग कर दिया था.

मंदिर की चारदीवारी तोड़ने को लेकर बीजेपी का हमला

राजे बोलीं-गहलोत सरकार ने की धर्म विरोधी नीति जाहिर

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर में 200 साल पुराने भगवान देवनारायण मंदिर की चारदीवारी राजस्थान सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से तोड़े जाने के विवाद में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गहलोत सरकार को चौतरफा घेरते हुए तुष्टिकरण के आरोप लगाए हैं। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार में लोगों की भावनाओं को कुचलने का सिलसिला थम नहीं रहा है।कभी प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था को चोट पहुंचाई जाती है तो कभी परीक्षार्थी छात्रों के सपनो को रौंदा जाता है। उन्होंने कहा-अजमेर में 200 साल पुराने भगवान देवनारायण मंदिर की चारदीवारी को तोड़ कर इस सरकार ने फिर से

अपनी धर्म विरोधी नीति जाहिर कर दी है। इस सरकार ने सालसर में राम दरबार और अलवर में प्राचीन शिव मंदिर को तोड़कर लोगों की आस्था का अपमान किया है। साथ ही परीक्षाओं के पेपर लीक करवा कर हमारे बच्चों के भविष्य को बिगाड़ने का प्रयास किया है।आखिर इस सरकार में यह सब कब रुकेगा।

ये युग न बाबर का है, न औरंगजेब का

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने ट्वीट कर कहा- आखिर कितनी बार जन आस्था पर हमला होगा? कितनी बार हिंदुओं के मंदिरों को तोड़ा जायेगा? गहलोत सरकार कान खोल कर सुन ले, कि ये युग न बाबर का है न औरंगजेब का। अगर तुरंत भगवान देवनारायण के मंदिर को पहुंची क्षति का समाधान नहीं हुआ, तो सरकार को बहुत भारी पड़ेगा। विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति में अंधी हो चुकी गहलोत सरकार ने अजमेर स्थित भगवान श्री देवनारायण जी के 200 वर्ष पुराने मंदिर की चारदीवारी को तोड़कर फिर से जनमानस की धार्मिक आस्था पर हमला किया है। सुजानगढ़ में प्रसिद्ध सालासर धाम में राम दरबार को तोड़ना हो या अलवर में 300 साल पुराने शिव मंदिर पर बुलडोजर चलाना, कांग्रेस सरकार जानबूझकर नागरिकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कुकृत्य कर रही है। सरकार अपनी हरकतों से बाज आएं और धार्मिक उन्माद फैलाना बंद करें।

बीमार गर्लफ्रेंड को गले लगाकर कहा अलविदा

फिर अस्पताल की छठी मंजिल से कूदकर दे दी जान

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में एक युवक ने अस्पताल में भर्ती अपनी बीमार गर्लफ्रेंड से मुलाकात करने के बाद छठी मंजिल से कूदकर खुद को मौत के घाट उतार लिया. बताया जा रहा है कि आरबीएम अस्पताल में भर्ती युवती से मिलने पहुंचे प्रेमी युवक की उसके साथ नोंक-झोंक हुई थी. राजस्थान के भरतपुर में एक लड़के के सुसाइड करने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. मिली जानकारी के मुताबिक एक युवक ने अस्पताल में भर्ती अपनी बीमार गर्लफ्रेंड से मुलाकात करने के बाद छठी मंजिल से कूदकर खुद को मौत के घाट उतार लिया. बताया जा रहा है कि आरबीएम अस्पताल में भर्ती युवती से मिलने पहुंचे प्रेमी युवक की उसके साथ नोंक-झोंक हुई जिसके बाद उसने छठी मंजिल की खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली. वहीं पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई. इसके बाद अगले दिन सुबह अस्पताल के पीछे खिड़की के नीचे युवक की लाश पड़ी मिली. इस मामले में मृतक के परिजनों का कहना है कि वह गुटखा थूकते समय संतुलन बिगड़ने से छठवीं मंजिल से गिरा. पुलिस ने फिलहाल मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है.

बता दें कि अस्पताल की फुटेज में देखा जा रहा है कि छलांग लगाने से पहले युवक अस्पताल में भर्ती महिला से गले मिलता है और अलविदा कहने का इशारा करता है और छठी मंजिल पर जाकर खिड़की से छलांग लगा देता है. चिकसाना थाना इलाके के गांव रुंध इकरन के रहने वाला चंद्रपाल 3 जनवरी की रात अस्पताल में भर्ती युवकी से मिलने आया था जहां वह महिला को बाथरूम की तरफ इशारा कर बुलाता है और दोनों एक-दूसरे से गले मिलते हैं और थोड़ी देर बात करते हैं. वहीं सीसीटीवी फुटेज में देखा कि गले मिलने के बाद वह महिला को हाथ से इशारा करते हुए छठी मंजिल पर चढ़ जाता है और वहां से छलांग लगा लेता है. इस घटना पर युवक के परिजनों का कहना है वह दोपहर 2 बजे ड्यूटी पर जाने की कहकर घर से निकला था और इसके बाद किसी मिलने वाले को देखने के लिए आरबीएम अस्पताल पहुंचा था जहां 6वीं मंजिल से गुटखा थूकते समय उसका पैर फिसलने के कारण वह नीचे गिर गया.

जयपुर में टोलकर्मियों ने पत्रकार और उसकी पत्नी से की मारपीट

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। टोलकर्मियों से पत्रकार ने लाइन क्लीयर करने को कहा। आरोप है कि इसी बात पर टोलकर्मियों ने पत्रकार को बेरहमी से पीटा। जब महिला पति को बचाने आई तो उन्होंने महिला की अंगुलियां भी काट दी और उससे अभद्र व्यवहार किया। जयपुर के चौमूं एनएच 52 स्थित टाटियावास टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों पर कार और उसकी पत्नी के साथ मारपीट कर महिला की धारदार हथियार से अंगुलियां काटी दी। टोलकर्मियों ने महिला के साथ छेड़छाड़ व अभद्रता भी की। जब पत्रकार ने इसका विरोध किया तो 10-5 टोल करने ने उसकी भी धुलाई कर दी। मामले को लेकर मंगलवार देर शाम तक पुलिस ने मात्र एक कर्मचारी को शांति भंग में गिरफ्तार किया है।

चौमूं थाना प्रभारी विक्रांत शर्मा ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एक पत्रकार अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ जयपुर में किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान टाटियावास टोल प्लाजा पर जाम लगा हुआ था। उन्होंने इस बात का विरोध कर टोलकर्मियों को लाइन को जल्दी क्लियर करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मैं पत्रकार हूं।

यह बात सुनकर टोलकर्मी भड़क गए और धमकी देने लगे कि पत्रकार है तो क्या करें। यहां पर तो रोज पत्रकार आते हैं। टोलकर्मियों ने आवाज देकर अन्य टोल कर्मियों को भी पास बुला लिया और गाली-गलौज करने लग गए।

मौके पर 10-15 टोलकर्मी आ गए और उसे गाड़ी से बाहर निकाल कर मारपीट करने लग गए। गाड़ी में बैठे उनकी पत्नी ने जब देखा तो वह पति को छुड़ाने के लिए गाड़ी से बाहर निकलने लगी लेकिन टोलकर्मियों ने उन्हें उतरने नहीं दिया और गाड़ी में बैठी महिला के साथ छेड़छाड़ व अभद्रता करने लगे। इसी दौरान एक टोलकर्मी ने धारदार हथियार से उनकी पत्नी पर वार किया और उसकी अंगुलियों को काट दिया। मारपीट के कारण दोनों को ही गंभीर चोट आई।

लोगों ने दंपती को छुड़वाया

टोलकर्मियों के इस व्यवहार को देखकर आसपास के लोगों में रोष पैदा हो गया और वह अपने वाहनों से निकले और टोलकर्मियों से दंपती को छुड़वाया। टोल प्रबंधक शक्ति सिंह और अन्य लोग भी मौके पर आए। उन्होंने गलती मानने की जगह टोल प्रबंधक ने पत्रकार की पत्नी को डराया-धमकाया और गाली गलौज कर मारपीट की। थानाधिकारी शर्मा ने बताया कि फिलहाल पुलिस ने मुडिक बसेड़ी धोलपुर निवासी टोलकर्मी अनूप शर्मा को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धारा 141 341 323 354 के तहत मामला दर्ज किया है।

आध्यात्मिक ज्ञान ही शांति का आधार : राष्ट्रपति

सभी वस्तुओं में सबसे बहुमूल्य मन की शांति : राज्यपाल

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि समाज में आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा ही शांति की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति को शांति चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि शांति के माध्यम से ही आपस में स्नेह व समभाव को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रकृति में पंच तत्व विद्यमान है उसी प्रकार मानव जीवन में शांति भी एक ईश्वरीय देन है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में शांति की स्थापना में ब्रह्मा कुमारीस द्वारा प्रदान की जा रही सेवाएं सराहनीय है।

ब्रह्मा कुमारीस ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित साइलेंस रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन राष्ट्रपति ने माउंट आबू से वर्चुअल के माध्यम से शुभारंभ किया। राजस्थान के माउंट आबू स्थित ब्रह्मा कुमारीस अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य केंद्र शांतिवन भवन से राष्ट्रपति जी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। वर्चुअल माध्यम से साइलेंस रिट्रीट सेंटर का शुभारंभ करने के पश्चात तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर राजन ने शिलान्यास करने के बाद अपना संबोधन दिया। इस संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यादाद्रि आध्यात्मिक क्षेत्र के समीप स्थित साइलेंस रिट्रीट सेंटर" का राष्ट्रपति द्वारा वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करते समय प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने की संतुष्टि प्राप्त हो रही है। सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न क्षेत्रों में तेज गति से विकास होने के बाद भी लोगों को प्रदूषण के कारण हानिकारक परिमाण भुगतने पड़ रहे है।

साइलेंस रिट्रीट सेंटर के निदेशक बी.के. राजुल, बी.के. सुनीता की अध्यक्षता में सम्पन्न इस कार्यक्रम में यादाद्रि भुवनगिरि जिला कलेक्टर पमेला सतपति, हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस ईश्वरैया, ब्रहमकुमारीस ओम शांति रिट्रीट सेंटर निदेशक बी. के. आशा दीदी, ग्रामीण प्रभाग के अध्यक्ष बी. के. सरला दीदी, शांति सरोवर निदेशक बी. के. कुलदीप दीदी, यूनिवर्सल पीस रिट्रीट सेंटर निदेशक बी. के. सविता दीदी, बी.के.सोमा दीदी, नेशनल मीडिया को-ओर्डिनेटर बी. के. सरला दीदी। बी. के. मंजु, बी. के. सरोज, बी. के. पुष्पा के साथ कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट की साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट की साधारण सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम गौमाता का स्मरण कर चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने उपस्थित ट्रस्टियों का स्वागत कर गौशाला के कार्यों से जुडने का निवेदन किया। इसमें मेनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने गौशाला मैं संचालित विभिन्न सेवा कार्यों से अवगत कराया तथा गौशाला की वर्तमान आर्थिक स्थिति का ब्योरा प्रस्तुत किया। साथ ही सभी ट्रस्टियों से गौशाला में जुडकर सेवा करने का आह्वान किया गया। कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग ने लेखा जोखा वर्ष 2021-22 की रिपोर्ट प्रस्तुत कर पारित करवाया। इसका सभी ने कर्तल ध्वनि से स्वीकार किया। इस दौरान सभी ट्रस्टियों ने वर्तमान में गौशाला मे संचालित सेवा कार्यों की प्रशंसा की। ट्रस्ट के चुनावी प्रक्रिया को आगे बढाते हुए तुलसीराम बंसल ने सभी से अनुरोध किया कि, आगे से ट्रस्ट बोर्ड का कार्य अन्य भाई आकर करें। इसपर सभी ट्रस्टियों की प्रक्रिया रही कि वर्तमान ट्रस्ट बोर्ड अच्छा कार्य कर रहा है। इसके चलते उन्हें ही अगले 3 वर्षोंतक तत्संबंधित कार्य करना चाहिए, जिसमें वर्तमान बोर्ड ने अपनी अनभिज्ञता जताकर कहा कि तत्संबंधित कार्य के चलते अन्य भाईयों को आगे आना होगा। इस बात से प्रेरित होकर टीआर गोयल ने चेयरमैन बनकर गौशाला में सेवा करने का आश्वासन दिया। जिसे सभी ने कर्तल ध्वनि से पारित किया। इस बैठक में अन्य पदों के लिए 26 जनवरी 2023 से बसंत पंचमी को गौशाला प्रांगण में कार्यक्रम संचालित कर वहां चयनित करने का निर्णय लिया गया। इसके चलते सभी भक्तजनों एवं सभी ट्रस्टियों से, 26 जनवरी 2023 को आयोजित होनेवाले गौशाला की स्थापना दिवस पर गौशाला प्रांगण में पधारने का अनुरोध किया। बैठक में चेयरमैन तुलसीराम बंसल, वाईस चेयरमैन सत्तबीर गर्ग, मेनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल, जायंट मेनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल, कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग, ट्रस्टी टीआर गोयल, वेदप्रकाश अग्रवाल, पीडी गुप्ता, सुभाषचंद अगेरिया, विजय जिंदल, राजेश अग्रवाल, राधेश्याम सिंघल, ओमप्रकाश सिंघल, सुरेश गोयल, कृष्णा यादव, संजय गुप्ता, दीपक कुमार अग्रवाल, राहुल सिंघल, संतोष अग्रवाल आदि शामिल रहे।

राजस्थान भाजपा प्रदेश आई.टी. सेल सह-संयोजक किसान मोर्चा के कैलाश अडाणिया (कुमावत) राजस्थान से पधारे कुमावत भवन, ज्ञानबाग कालोनी में स्वागत करते हुए कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना के अध्यक्ष) रूपाराम भोपा, मंत्री नारायणलाल घोडावड, रामकिशोर भडलीवाल, उमेश बाकरेचा, भीकाराम ईटाडा, सुरेशकुमार बोडावड, दिनेश बाकरेचा (निजामपेट) व कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत।

विशाखा शारदा पीठाधीश्वर का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखा शारदा पीठाधीश्वर श्री स्वरूपानंदेंद्र स्वामी जी का दर्शन वंदन दम्माईगुडा श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में किया गया। वैकुंठ एकादशी उत्तर द्वार दर्शन महोत्सव के अवसर पर कीसरा मंडल, दम्मईगुड़ा हनुमान नगर में स्थित श्री लक्ष्मी आंडाल सहित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का दर्शन किया।

श्री विशाखा शारदा पीठाधीश्वर श्री स्वरूपानंदेंद्र स्वामी जी। मंदिर के प्रशासकों और भक्तों ने वैदिक मंत्रों से स्वामी का सादर पूर्ण कुंभ स्वागत किया। उन्होंने विशेष पूजा की। उसके बाद, स्वामी जी ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। स्थानीय पार्षद डॉ. वेंकट रमना ने कार्यक्रम में शिरकत की।

डिप्टी कमांडर से कमांडर के पद पर पदोन्नति होने पर सुगनाराम गुर्जर का सम्मान करते हुए अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा प्रदेशाध्यक्ष बहादुर मोटर, बक्साराम फारक, कल्याणसिंह

कीटनाशक दवा पीकर छात्रा ने की आत्महत्या

आसिफाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में बुधवार के दिन कीटनाशक दवा पीकर छात्रा ने आत्महत्या की। मिली जानकारी के मुताबिक आसिफाबाद जिला केंद्र में हंसापुर में रहने वाले दत्तू राठौड़ की बेटी वाणी श्री राठौड़ 18 वर्ष की आसिफाबाद चेतनिया कॉलेज में डिग्री की पढ़ाई कर रही थी। सुबह में वाणी श्री घर से कालेज के लिए निकली और कॉलेज जाने के बाद वापस घर पर आने के बाद उनसे उसकी मां से कहा कि मां मैंने कीटनाशक दवा पी ली है मैं थोड़ी देर के बाद मरने वाली हूं, यह सब सुनकर परिवार वालों ने आसिफाबाद सरकारी अस्पताल में तुरत इलाज के लिए ले गए। हालत गंभीर होने के कारण वाणी श्री को मंचिर्याल अस्पताल ले जाते समय आसिफाबाद चेक पोस्ट के पास है उसने दम तोड़ दिया। वाणीश्री के पिता दत्तू की फरियाद पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। और मृतक छात्रा के मरने के कारणों का पता चल पाया।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा का सम्मान समारोह कार्यक्रम स्थगित

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राहमण सभा द्वारा आयोजित किये जाने वाला पंचांग (कैलेंडर) विमोचन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम, जो 8 जनवरी 2023 को शृंग ऋषि भवन में आयोजित किया जाना था उसे आज स्थगित किया गया। संस्था के अध्यक्ष पुरुषोतम लाला एवं मंत्री रामदेव नागला ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की कुछ अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम को स्थगित किया गया है जल्द संस्था की कार्यकारिणी मीटिंग कर आगमी तिथि की जानकारी सभी समाज बंधुओ को समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से दी जाएगी !

श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्रीमलूक पठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महराज, वृंदावन के नगरागमन पर उनका आशीर्वाद लेते हुए तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश बंग, मंत्री रामप्रकाश भंडारी।

भगवान की निंदा करना गो हत्या की समान : पंडित पवन कुमार

मदनूर, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीमती कौशल्या देवी काबरा-नीतीश काबरा परिवार की ओर से पंडित पवन कुमार मालोदिया नेतृत्व में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का स्थानीय गुरु मंगल कार्यालय में प्रारंभ किया गया। भागवत कथा के तीसरे दिन पंडित पवन कुमार महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए बताया कि आत्मा अमर है। शरीर जलती है, आत्मा नहीं जलती। आत्मा सौ प्रतिशत अमर है। कभी भगवान भक्त में भेदभाव नहीं करते। भगवान को छपन भोग नहीं चाहिए। भगवान तो प्रेम के भूखे हैं। माता शबरी ने प्रभु राम को झूठे बेर खिलाए भगवान भक्तो का प्रेम देखकर पूरे जीवन काल में दो लोगो को वस्त्र दिया। सुख के कामना करने पर ही दुःख मिलती है संध्या के समय सोना, भोजन, स्वाध्याय, पति पत्नी सभोग नही करना चाहिए इंसान को आपने संस्कृति पर चलना चाहिए भगवान शिवजी का जप करने से सारे दुःख नष्ट होते है। भगवान की निंदा करना गो हत्या की समान है। इस समय महिला व पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भारी संख्या में लोग भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय लोगभाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। विद्या कल्पना, एकांत गौड़ के नेतृत्व में और राघवेंद्र रेड्डी सिंधु रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी में शामिल होने वाले 100 से अधिक लोगों को पार्टी में शामिल किया गया।

राज्य एससी मोर्चा की प्रवक्ता कंचना कृष्णा, महिला नेता पद्मारेड्डी शोभा रेड्डी, मंडल अध्यक्ष राजशेट्टी कुरुमा, मैरी सोलोमन, बिमानी विजयलक्ष्मी, विनीता सिंह, निर्वाचन क्षेत्र भाजपा के वरिष्ठ नेता भानु यादव, जिला भाजपा कार्यकारी सदस्य गणेश गौड़, एससी मोर्चा जिला सचिव अक्षो, नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लिया।

राचकोंडा सीपी चौहान भगवान नृसिंह स्वामी के दर्शन के लिए यदाद्री पहुंचे

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त चौहान कार्यभार संभालने के तुरंत बाद यदागिरिगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर का दौरा किया और आज पीठासीन देवताओं के दर्शन किए। इस अवसर पर बोलते हुए, राचकोंडा सीपी ने कहा कि यदाद्री मंदिर का पुनर्निर्माण और अद्भुत है। सीपी ने विशेष रुचि लेने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की प्रशसा की और पुराने मंदिर को खूबसूरती से फिर से बनवाया और भक्तों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं की गईं। सीपी ने यह स्पष्ट किया कि यादगिरिगुट्टा पुलिस, मंदिर के अधिकारियों के साथ, समय-समय पर तीर्थस्थल पर गतिविधियों की समीक्षा करेगी और तीर्थ नगरी में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करेगी।

अग्रणी महिला मंच ने की बैठक

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच ने हिमायत नगर स्थित कार्यालय में जनवरी माह के कार्यक्रमों पर परिचर्चा के लिए बैठक की। अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि जनवरी माह में एजीएम, अन्न दानम, रिपब्लिक डे आदि कार्यक्रमों की सूचना जल्द ही दी जाएगी। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, स्मिता शाह, रितु गोयल, टीना खंडेलवाल, शीतल बंसल, सुनयना नरसरिया, चंचल अग्रवाल, प्रीति गोयल, रीता अग्रवाल , रूपा गुप्ता, संगीता जजोदिया, श्वेता खंडेलवाल, अन्नू अग्रवाल उपस्थित थे।

सब-जूनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट फिस्टबॉल चैंपियनशिप 7 से, तैयारी शुरू

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वेंकटेश्वर वेदांत वर्धिनी संस्कृत पाठशाला ग्राउंड, बोइनपल्ली ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर दसवीं सब-जूनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट फिस्टबॉल चैंपियनशिप इस महीने की 7 व 8 तारीख को फिस्ट बॉल तेलंगाना एसोसिएशन के अध्यक्ष जम्पना प्रताप के नेतृत्व में आयोजित की जाएगी। संघ के सचिव कोमू वेंकटेश ने प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। तेलंगाना के अलग-अलग जिलों के 14 लड़के-लड़कियों की 14 टीमों ने पलगोंतुन्नायनी को बताया। पलगोंटायनी ने खुलासा किया कि इन प्रतियोगिताओं में विजेता टीमों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में फिस्ट बॉल एसोसिएशन के सलाहकार विक्रम सिन्हा, आशा विजय, प्रभु गौड़, जगदीश, स्टेनली, सत्यनारायण, जगदीश, सिराज, शाकिब आदि शामिल हुए।

बजरंग गौसेवा प्रमुख पूरनसिंह चौहान, पाली मारवाड़ के प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक टी. राजा सिंह से मुलाकात की। उनके साथ बंजरंग गौसेवा तेलंगाना के अध्यक्ष रमेश सीरवी, हरीश चौहान, मुकेश नाथ, कमलकिशोर कडेल, मुकेश कड़ेल व अन्य।

कोरोना के मद्देनजर पार्षद ने लोगों को किया जागरूक, बांटा मास्क व सैनिटाइजर

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशभर में कोरोना की चेतावनी के मद्देनजर लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ अपने मंडल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लोगों को मुफ्त फेस मास्क और सैनिटाइज़र वितरित किए। इस अवसर पर पार्षद ने लोगों को कोरोना के प्रति विशेष जारूक रहने की भी अपील की। इस अवसर पर ओंकार, श्रीनिवास यादव, बंगारू सुधीर, डॉ. सुरेंद्र, ओम प्रकाश, मयूर कालेकर, अनिल यादव, रघु कांबले, श्रीनिवास, प्रवीण जैन, सतीश, रेणुका, काजल कुशवाहा, कल्पना, प्राची जैन, राजशेखर रेड्डी, जगपति नायक, रवि, संदीप जैन, राजू यादव, नरसिंह ठाकुर, हरिनाथ, सुरेश, रवि, भरत, विजय आदि उपस्थित रहे।

लुका छुपी खेल ने ले ली लड़के की जान

आसिफाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लुका-छिपी के खेल ने ले ली एक लड़के की जान कपास के ढेर में छिपने की कोशिश करते हुए उसने सांस रोक ली ताकि उसका छोटा भाई और बहन उसे ढूंढ न पाएं। घटना सोमवार रात कुमुरभीम जिले के कौटाला मंडल में हुई। कन्नेपल्ली, रुमाला के चेन्नूरी कैलाश के तीन बच्चे अभिषेक, हर्षित और अवंतिका हैं। अभिषेक (12) कौटाला के एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ता है। माता-पिता कौटाला के बाजार में सब्जी बेचने गए थे।

अभिषेक स्कूल के बाद घर आया और अपने छोटे भाई और बहन के साथ लुकाछिपी खेलते हुए घर में रखे कपास में छिपने की कोशिश की। इससे दम घुटने से वह बेहोश हो गया। हर्षित ने घर में आकर देखा कि उसके भाई का सिर कपास में दबा हुआ है और पैर ऊपर हैं। उसके डर से चीखने पर परिजन आए और उसे बाहर ले गए। कौटाला के निजी अस्पताल के डॉक्टरों की सलाह पर परिजनों ने उसे कागजनगर शिफ्ट कर दिया। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि अभिषेक पहले ही मर चुका था।

कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन, तेलंगाना के तत्वावधान में जारी कुमावत प्रीमियर लीग 2022-23 में बुधवार को खेले गये टुर्नामेंट में भाग लेते हुए कुमावत क्रिकेट असोसियशन (तेलंगाना) के अध्यक्ष नारायणलाल घोड़ावड़, विषेश अतिथि पवन मावर (शादनगर), रामचन्द खेवाल, पर्माराम बाकरेचा, थानाराम हिन्दड़, सुरेश बोड़ावड़, हरीश हिन्दड़, राकेश मावर, कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

त्रिपुरा के पूर्व सीएम ...

इसके बाद एक ग्रामीण ने भी माकपा समर्थित बदमाशों पर भाजपा समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि बीजेपी सपोर्टर्स ने यज्ञ के लिए बिप्लब के घर और आस-पास के इलाके को सजाया था। इसके बाद माकपा समर्थकों ने वहीं पार्टी के झंडे लगा दिए थे। माकपा के कुछ झंडे फटे हुए मिले और कुछ सड़क पर। इसी के बाद दोनों पार्टियों के लोगे आपस में भिड़ गए। इसी बीच बिप्लब के एक मेहमान की गाड़ी में आग लगा दी गई। साथ ही बीजेपी के दो लोग भी घायल हो गए। इससे नाराज कार्यकर्ताओं ने माकपा पार्टी से जुड़े लोगों की दुकानों में आग लगा दी।

दिल्ली हादसा : स्कूटी ...

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अंजलि के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि परिवार की मांग थी कि उनके परिवार में से एक को नौकरी दी जाए, हम जल्द उन्हें रोजगार दिलाने की कोशिश करेंगे।

निधि ने पुलिस को दिए बयान में हादसे की वजह कार सवारों की गलती को बताया है। हालांकि, उसने अंजलि के नशे में होने की बात भी कही है। उसने दावा किया, "अंजलि बहुत नशे की हालत में थी। मैंने उसे कहा था कि मुझे स्कूटी चलाने दे, लेकिन उसने मुझे स्कूटी चलाने नहीं दी। कार से टक्कर हुई, उसके बाद मैं एक तरफ गिर गई और वो कार के नीचे आ गई, उसके बाद गाड़ी के नीचे वह किसी चीज में अटक गई। उसे गाड़ी घसीटते हुए ले गई। मैं डर गई थी इसलिए मैं वहां से चली गई और किसी को कुछ नहीं बताया। हम दोनों एक साथ होटल में मौजूद थे। वहीं, आरोपियों ने पुलिस को बयान दिया है कि स्कूटी सड़क पर लहरा रही थी जिसकी वजह से टक्कर हुई। फिलहाल, पुलिस दोनों तरफ के बयानों की जांच कर रही है।

अंजलि के परिवार ने इसे ब्लान्ड मर्डर करार दिया। उन्होंने कहा कि निधि पूरी तरह से झूठ बोल रही है। एक स्कूटी में सवार दो लोगों का एक्सीडेंट होता है और एक मर जाती है, लेकिन दूसरी वहां से कुछ मदद किए बिना भाग जाती है। अचानक फिर साइड हीरोइन की तरह 75 घंटे बाद आती है और झूठी कहानी बताती है।

फ्लाइट में बुजुर्ग ...

वहीं, प्लेन दिल्ली लैंड होने के बाद आरोपी पैसेंजर बिना किसी एक्शन के बाहर निकल गया। घटना तब सामने आई जब पीड़ित महिला ने टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन को चिट्ठी लिखी। महिला ने चिट्ठी में लिखा कि वह गंदी सीट पर नहीं बैठना चाहती थी। इसलिए उसे दूसरी सीट दी गई। एक घंटे के बाद उसे अपनी सीट पर वापस जाने को कहा गया। उसकी सीट चादरों से ढंकी हुई थी, लेकिन वहां पेशाब की बदबू आ रही थी। महिला का आरोप है कि बिजनेस क्लास की कई सीटें खाली होने के बावजूद पहले उसे दूसरी केबिन सीट नहीं दी गई थी। क्रू ने वहां कीटाणुनाशक छिड़का, लेकिन महिला ने वही सीट लेने का विरोध किया, तब जाकर उसे दूसरी सीट दी गई।

शिवम मावी का ड्रीम डेब्यू : पहले टी-20 इंटरनेशनल में झटके 4 विकेट

डेब्यू करने वालों में तीसरे सबसे सफल गेंदबाज

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ अपने करियर के पहले मैच में भारत के तेज गेंदबाज शिवम मावी का ड्रीम डेब्यू रहा। उन्होंने महज 22 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने डेब्यू पर बेस्ट बॉलिंग के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। मावी भारत के लिए सबसे सफल डेब्यू के मामले में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। सबसे सफल डेब्यू बरिंदर सरन (4/10) का रहा है। इस मामले में पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा (4/21) दूसरे नंबर पर हैं।

कैसे लिए मावी ने विकेट

पहला: ओपनर पथुम निसंका को इन स्विंगिंग फुलर लेंथ बॉल पर बोल्ड कर किया। दूसरा : धनंजय डी सिल्वा को संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। तीसरा : वनिंदु हसरंगा मिड ऑफ पर खड़े पंड्या को कैच दे बैठे। चौथा : महेश तीक्षणा को फुलर लेंथ की बॉल डाली। जिस पर तीक्षणा लॉन्ग ऑफ पर सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच हुए

निसंका को बोल्ड करना बेस्ट विकेट- मावी

शिवम मावी ने मैच के बाद कहा, पहले ओवर में पथुम निसांका को इन स्विंग गेंद पर बोल्ड करना उनका बेस्ट विकेट था। शुरुआती 2 ओवर में 2-2 चौके पड़े। इसके बाद अगली ही बॉल पर विकेट मिला। हर चौके के बाद हार्दिक पंड्या लगातार मोटिवेट कर रहे थे। हार्दिक बोल रहे थे कि बैटर ने अच्छे शॉट मारे हैं। अपनी लाइन पर ध्यान दे और बॉलिंग कर। मैंने भी वैसे ही किया और विकेट मिले।

शिवम मावी ने IPL के मिनी ऑक्शन में 6 करोड़ रुपए में बिके। उन्हें गुजरात टाइटंस ने खरीदा। आईपीएल करियर के 32 मैचों में उन्होंने 30 विकेट लिए हैं।

मैच के अन्य रिकॉर्ड्स

सूर्यकुमार यादव का सबसे कम स्ट्राइक रेट

मैच में सूर्यकुमार यादव ने नया रिकॉर्ड बनाया। सूर्यकुमार यादव ने एक टी-20 पारी में अपने करियर का सबसे कम स्ट्राइक रेट दर्ज कराया। सूर्यकुमार यादव ने आज 70 के स्ट्राइक से बल्लेबाजी करते हुए 10 बॉल में 7 रन बनाए। 10 या उससे ज्यादा बॉल खेलने के बाद यह उनके टी-20 इंटरनेशनल का सबसे कम स्ट्राइक रेट है।

इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में सूर्यकुमार ने 18 बॉल पर 100 के स्ट्राइक रेट से 100 रन बनाए थे। इसके अगले ही मैच में श्रीलंका के खिलाफ सूर्या ने 29 बॉल पर 117 के स्ट्राइक रेट 34 रन बनाए थे। इसके अलावा सूर्यकुमार ने जब भी 10 या उससे ज्यादा खेलीं, तब उनका स्ट्राइक रेट 130 से ज्यादा ही रहा है।

हार्दिक की कप्तानी में भारत अजेय

हार्दिक पंड्या की कप्तानी में भारत अब तक एक भी मैच नहीं हारा है। हार्दिक की कप्तानी में भारत ने 6 मैच खेले है। इनमें से 5 मैच टीम ने जीते और एक मैच बारिश के कारण टाई रहा। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के 2 मैच में बाकी है। हार्दिक अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को दोनों मैच जिताकर अपना रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहेंगे।

लगातार छठी बार श्रीलंका के खिलाफ घर में जीते

श्रीलंका के खिलाफ भारत लगातार छठी बार घर में टी-20 इंटरनेशनल मैच जीता है। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ कुल 15 मैच खेले इनमें से भारत ने 12 और श्रीलंका ने 2 मैच जीते। एक मैच बेनतीजा रहा। आखिरी बार टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका ने भारत को 2016 में हराया था।

पहले ओवर में बने रिकॉर्ड 17 रन

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को ओपनर ईशान किशन ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। ईशान ने पहले ओवर में एक छक्का और 2 चौके लगाए। ओवर में उन्होंने 16 रन बनाए। एक वाइड के साथ ओवर में 17 रन बने। टी-20 इंटरनेशनल के पहले ही ओवर में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन 2009 में बने थे। तब वीरेंद्र सहवाग ने 19 रन बनाए थे। 2018 में टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 18 रन भी बनाए हैं। ईशान ने कसून रजिथा के खिलाफ 11 बॉल पर 27 रन बनाए। बाकी बॉलर्स के सामने वह 18 बॉल पर 10 रन ही बना सके।

ऋषभ पंत के घुटने का ऑपरेशन होगा

इंडियन विकेटकीपर को एयरलिफ्ट कर मुंबई ले जाया गया, कोकिलाबेन अस्पताल में होगा इलाज

देहरादून, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क हादसे में घायल क्रिकेटर ऋषभ पंत को आज देहरादून से एयरलिफ्ट कर मुंबई ले जाया गया। यहां कोकिलाबेन अस्पताल में उनका आगे का इलाज होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बयान जारी कर कहा है कि अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड ऑर्थोस्कोपी हेड डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला की देखरेख में पंत का ट्रीटमेंट होगा। डॉ पारदीवाला इससे पहले सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे क्रिकेटर्स का इलाज कर चुके हैं।

बीसीसीआई ने यह भी बताया है कि पंत के घुटने के लिगामेंट की सर्जरी की जाएगी। पंत की रिकवरी और इसके बाद रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया पर बोर्ड की टीम नजर रखेगी। 30 दिसंबर को कार एक्सीडेंट में घायल होने के बाद से पंत को पहले रुड़की के सक्षम हॉस्पिटल में इमरजेंसी ट्रीटमेंट दिया गया। इसके बाद से उनका इलाज देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में चल रहा था।

एक्सीडेंट में पंत को सिर, घुटने और टखने में चोट आई थी। उनके घुटने के लिगामेंट टूटने की बात सामने आई थी। ऐसे में अब बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें देहरादून से मुंबई एयरलिफ्ट करवाया है।

बीसीसीआई उठाएगा एयर लिफ्टिंग का खर्च

भारतीय बोर्ड ने बताया कि पंत के इलाज का खर्च उनके मेडिकल इन्शोरेंस से कवर होगा। वहीं, देहरादून से मुंबई एयरलिफ्ट किए जाने का खर्च बोर्ड उठाएगा। बीसीसीआई ने इस मामले में अब तक पंत का इलाज करने वाले उत्तराखंड के दोनों अस्पतालों की सराहना की है लेकिन पंत का आगे का इलाज वह अपने एक्सपर्ट्स की देखरेख में कराना चाहता था।

यूनाइटेड कप: राफेल नडाल तीन सेट में हारे

नडाल की दूसरी हार, मिनौर ने पहली बार दी शिकस्त

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन राफेल नडाल को नए सीजन में लगातार दूसरे मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। यूनाइटेड कप में ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को 3-2 से हराया। स्पेन अपने ग्रुप में सबसे नीचे है, जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। पुरुष सिंगल्स में स्पेन के नडाल को पहला सेट जीतने के बाद भी हार झेलनी पड़ी। उनको ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने तीन सेट में 6-3, 1-6, 5-7 से हराया।

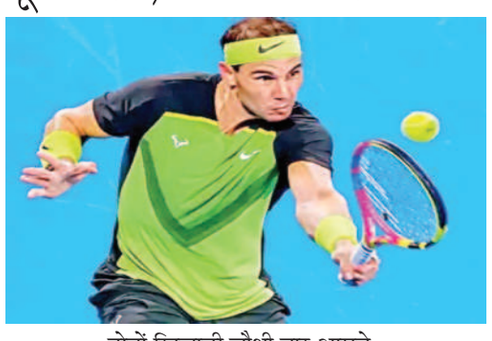

दोनों खिलाड़ी चौथी बार आमने-सामने हुए थे। मिनौर की यह नडाल के खिलाफ पहली जीत है। इस टूर्नामेंट में इससे पहले नडाल को ऑस्ट्रेलिया के कैमरून नोरी से हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह पुरुष सिंगल्स के दूसरे मुकाबले में अल्बर्ट रामोस विनोलस को ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुब्लर ने तीन सेट में 6-3, 4-6, 6-3 से हराया। महिला सिंगल्स में स्पेन की नूरिया पारिजास डियाज ने ऑस्ट्रेलिया की मैडिसन इंग्लिस को लगातार सेट में 6-1, 6-3 से हराया। स्पेन की जेसिका बूजस मनेइरो ने ऑस्ट्रेलिया की ओलिविया गाडेकी को 6-2, 6-2 से हराया। इसी तरह मिक्स्ड मुकाबले में भी ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को लगातार सेट में 6-2, 6-3 से हराया।

महिला आईपीएल टीमों की होगी नीलामी

बीसीसीआई ने जारी किया टेंडर, कंपनियां 21 जनवरी तक खरीद सकेंगी डॉक्यूमेंट

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल की टीमों को बेचने के लिए टेंडर आमंत्रित किए है। 2023 में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले बोर्ड टीमों की नीलामी करेगा।

कंपनियों को खरीदना होगा टेंडर पेपर

बोर्ड ने जो सूचना जारी की है उसके मुताबिक टीम खरीदने की इच्छुक कंपनियों को टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदने होंगे। इस डॉक्यूमेंट के लिए कंपनियों को 5 लाख रुपए की नॉन रिफंडेबल राशि देनी होगी। डॉक्यूमेंट खरीदने की आखिरी तारीख 21 जनवरी, 2022 है। डॉक्यूमेंट खरीदने के बाद कंपनियों को wipl.teams@bcci.tv पर पेमेंट डिटेल्स भेजना है।

बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने का यह मतलब नहीं है कि सिर्फ इसके आधार पर बोली में भागीदारी की इजाजत मिल जाएगी। बोर्ड पहले सभी कंपनियों की योग्यता को परखेगा और इसके बाद ही बोली में हिस्सा लेने की इजाजत होगी। पांच टीमों की नीलामी इसी तरीके से होगी। एक टीम का बेस प्राइस 400 करोड़ रुपए होगा। बोर्ड को उम्मीद है कि हर टीम के एवज में उसे 1000 से 1500 करोड़ रुपए के बीच राशि मिलेगी।

अगले ग्राफिक में देखिए किसने कितने खिताब जीते

मार्च से शुरू होगा महिला आईपीएल

महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग मार्च 2023 में आयोजित होगी। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस IPL का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है। पांच खिलाड़ी से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

इस ग्राफिक में जानिए दुनिया में कहां-कहां महिला लीग...

कारवां फॉर्मेट में होंगे मैच

विमेंस आईपीएल कारवां फॉर्मेट में हो सकता है। कारवां फॉर्मेट यानी एक ही शहर में वहां होने वाले सारे मैच खेले जाएंगे। फिर वहां से दूसरे शहर के लिए साड़ी टीमें रवाना होंगी। कोविड के दौरान 2021 में इसी तरह से आईपीएल हुआ था। जब आईपीएल टीमें यूएई गई थी। टूर्नामेंट के सारे मैच 2 वेन्यू पर होंगे। पहला हाफ एक जगह और दूसरा हाफ दूसरे वेन्यू पर खेला जाएगा।

महान फुटबॉलर के अंतिम दर्शन को उमड़े 2.3 लाख लोग

ब्राजील में दुनिया के सबसे बड़े 10 मंजिला कब्रिस्तान में हुआ पेले का अंतिम संस्कार

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महान फुटबॉलर पेले का मंगलवार रात सांतोस में दुनिया के सबसे बड़े 10 मंजिला कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले 24 घंटे के अंदर 2.3 लाख लोगों ने पेले के अंतिम दर्शन किए।

पेले का पार्थिव शरीर मंगलवार शाम को सैंटोस स्टेडियम से कब्रिस्तान मेमोरियल नेक्रोपोले एक्यूमेंनिका पहुंचाया गया। शहर में पेले के तबूर को ब्राजील के झंडे से साथ ले जाया गया। सैंटोस स्टेडियम से मेमोरियल तक पूरे रास्ते में पेले को लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

पेले को उनकी मां ने भी देखा। पेले का शव उनके घर से होते हुए गया। वहां उनकी मां ने परिवार के साथ पेले को श्रद्धांजलि दी। पेले को मेमोरियल को नेक्रोपोल एक्यूमेनिका वर्टिकल कब्रिस्तान में ले जाया गया है। यह कब्रिस्तान वर्टीकल यानी एक बिल्डिंग की तरह है। यहां पेले की आखिरी इच्छा स्वरुप उन्हें नौवीं मंजिल पर

दफनाया जाएगा। पेले के पिता को भी यहीं दफनाया गया था। मेमोरियल की नौवीं मंजिल से सैंटोस स्टेडियम की पिच नजर आती है।

पेले की मां को नहीं पता था कि उनके बेटे की मृत्यु हो गई है। इस बात का खुलासा उनकी बहन ने किया। पेले की मां सेलेस्टे अभी-अभी 100 साल की हुईं। उनकी देखभाल बेटी मारिया लूसिया डो नैसिमेंटो करती हैं।

पेले की बहन ने अपनी मां को नहीं बताया कि उनका बेटा कैंसर से जंग हार गया। पेले की मां बेड रेस्ट पर हैं और वे उठ नहीं सकतीं। पेले के कॉफिन को उनके घर से होते हुए ले जाया गया, जहां पेले की मां ने अपने बेटे को अंतिम विदाई दी।

ब्राजील में 3 दिन का शोक

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने पेले के निधन के बाद तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की थी। पेले के निधन पर दुनियाभर के फुटबॉलर्स ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी।

15 साल की उम्र में जॉइन किया था सैंटोस

फुटसल खेलते समय सैंटोस के सिलेक्टर की नजर पेले पर पड़ी। उन्होंने पेले के पोटेंशियल और काबिलियत को पहचाना और अपने क्लब से खेलने का ऑफर दिया। इसके बाद 1956 में मात्र 15 साल की उम्र में पेले ने सैंटोस जॉइन कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही मैच में गोल दागा और फिर प्रमुख टीम का हिस्सा भी बन गए।

1957 में यूरोप के बड़े क्लब जैसे युवेंटस, रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उन्हें साइन करने की कोशिश की, लेकिन पेले इन क्लब से नहीं जुड़े।

1956 से 1974 तक सैंटोस के लिए खेले

पेले 1956 से 1974 तक ब्राजील के टॉप क्लब सैंटोस से खेले। उन्होंने सैंटोस में रहते हुए 1000 से भी ज्यादा गोल दागे। वहीं, क्लब में रहते हुए उन्होंने 21 ट्रॉफी भी अपने नाम की। 1971 के बाद उन्होंने क्लब फुटबॉल खेलना जारी रखा और 7 साल बाद फुटबॉल करियर को अलविदा कह दिया।

53 साल के मैकी कैंसर पीड़ितों के लिए 365 दिन

365 मैराथन, 10 करोड़ रु. इकट्ठे किए, पिता को भी कैंसर था

लंदन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कमब्रिया के क्लीटर मूर के रहने वाले गैरी मैकी ने पूरे एक साल तक मैराथन दौड़कर करीब 10 करोड़ रुपए इकट्ठा किए हैं। 53 साल के गैरी 3 बच्चों के पिता हैं। वे मैकमिलन कैंसर सपोर्ट के लिए 2 दशकों से फंड जोड़ रहे हैं। 1997 में गैरी के पिता विक्टर को कैंसर हुआ था, जिसके बाद गैरी इस सपोर्ट ग्रुप के साथ जुड़े थे। 2005 में उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। 365 दिनों की मैराथन के दौरान गैरी ने 15,390 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय किया। वे रोज सेलफील्ड न्यूक्लियर साइट पर अपनी शिफ्ट शुरू करने से पहले करीब 42 किमी की मैराथन पूरी करते थे। गैरी इससे पहले भी कई असामान्य फिजिकल एक्टिविटीज पूरी कर चुके हैं। उन्होंने किलिमंजारो पर चढ़ाई की है। जीलैंड में ट्रेकिंग, लैंड्स एंड से जॉन ओग्रोट्स तक की दौड़ और 24 घंटे में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स की 3 चोटियों को छूने का चैलेंज भी पूरा किया है।

जब उन्होंने लंदन में पहली बार मैराथन में भाग लिया था, तब वे क्लीटोर मूर में अपने घर से राजधानी तक भागे थे। गैरी ने मैराथन के दौरान कई लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। गैरी के साथ 90 मैराथन दौड़ने वाले 29 साल के क्रिस यंग ने कहा कि इस मैराथन ने मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर मजबूत बनाया है। गैरी की इस मैराथन ने पूरे समुदाय के साथ-साथ हजारों लोगों को प्रेरित किया है। इस मैराथन से दो चैरिटी के लिए असाधारण राशि जुटाई गई है, लेकिन गैरी ने समुदाय और उसके आसपास के लोगों को जो प्रभाव छोड़ा है वह अतुलनीय है। उनकी कोशिशों से बहुत सारे लोगों का जीवन बेहतर होगा। हॉस्पिस एट होम वेस्ट की फंडिंग और कम्यूनिकेशन डायरेक्टर हेली मैके ने कहा कि मैकमिलन कैंसर सपोर्ट ग्रुप ने मैराथन पूरी होने पर कहा कि 2022 का इससे बेहतर अंत नहीं हो सकता था।

सिगरेट पीने का इशारा कर लाइटर मंगाया

लाबुशेन के हेलमेट का कपड़ा चेहरे पर आ रहा था, लाइटर से जलाकर फिर खेलने लगे

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच बुधवार से सिडनी में शुरू हो गया। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान मैदान पर एक ऐसा वाक्या हुआ, जिससे सभी आश्चर्य हो गए। क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने ड्रेसिंग रूम की ओर देखकर पहले हेलमेट की ओर और उसके बाद सिगरेट और लाइटर का इशारा किया। मार्नस लाबुशेन के इस इशारे के बाद सभी हक्का बक्का हो गए।

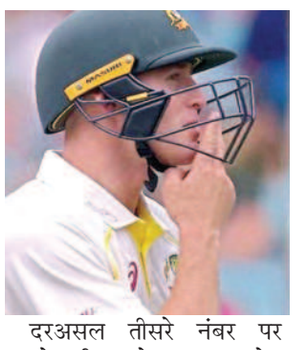

दरअसल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए लाबुशेन की हेलमेट से कपड़ा लटक रहा था। जिसकी वजह से लाबुशेन को बल्लेबाजी करने में परेशानी हो रही थी। नायलॉन के इस कपड़े को जलाने के लिए उन्हें लाइटर की जरूरत थी। उन्होंने ड्रेसिंग रूम की तरफ देख कर सिगरेट और लाइटर का इशारा किया। बाद ग्राउंड पर खिलाड़ी लाइटर ले गया और उन्होंने हेलमेट के कपड़े को जलाकर फिर से बल्लेबाजी की। ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट महज 12 रनों पर गिर गया। डेविड वार्नर जल्द ही पवेलियन लौट गए। उसके बाद उस्मान ख्वाजा और लाबुशेन ने पारी को संभाला। लाबुशेन ने 79 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं उस्मान ख्वाजा 54 रन बनाकर खेल रहे हैं।

गौतम गंभीर बोले-आईपीएल से बड़ा है वर्ल्ड कप

बड़े खिलाड़ी ब्रेक मांगें तो देना चाहिए

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। गौतम गंभीर आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटॉर हैं लेकिन उन्होंने इस टूर्नामेंट के खिलाफ बयान देते हुए बड़ी बात कही है. भारत को दो वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को उनकी बेबाक राय के लिए जाना जाता है. गौतम गंभीर ने एक बार फिर बड़े मसले पर अपनी राय दी है जिसके बाद वो चर्चाओं में आ गए हैं. गौतम गंभीर ने कहा कि अगर बड़े खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए आईपीएल में ब्रेक की जरूरत है तो उन्हें ये मिलना ही चाहिए. गौतम गंभीर ने कहा कि आईपीएल से बड़ा टूर्नामेंट वर्ल्ड कप है और वो ज्यादा जरूरी है. गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए कहा, 'वो लोग जो तीनों फॉर्मेट खेलते हैं वो ब्रेक ले सकते हैं लेकिन वनडे फॉर्मेट से नहीं. उन्हें साथ में खेलना जरूरी है. मुझे लगता है भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले दो वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी गलती ये की है कि उसने सफी खिलाड़ियों को एक साथ नहीं खिलाया. मुझे बताएंगे कि हमने कितने मैचों में अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन उतारी. सिर्फ वर्ल्ड कप में हमें प्लेइंग इलेवन चुननी पड़ी. तो इसलिए इन खिलाड़ियों को हर वनडे मैच खेलना जरूरी है. चाहे वो टी20 या आईपीएल से ब्रेक चाहें. ब्रेक टी20 फॉर्मेट में ही होना चाहिए ना कि पचास ओवरों के खेल में.'

गौतम गंभीर ने आगे कहा कि अगर बड़े खिलाड़ियों की वजह से आईपीएल टीमों को दिक्कत होती है तो होने दें. क्योंकि भारतीय क्रिकेट बड़ा है ना कि आईपीएल. आईपीएल सिर्फ उसका एक प्रोडक्ट है. अगर भारत वर्ल्ड कप जीतेगा तो उससे आईपीएल को ही फायदा होगा. गंभीर बोले, 'अगर कोई अहम खिलाड़ी आईपीएल मैच छोड़ता है तो होने दें क्योंकि आईपीएल हर साल होता है और वर्ल्ड कप चार सालों में एक बार आता है. इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल जीतने से कई ज्यादा अहम वर्ल्ड कप जीतना है.'

गौतम गंभीर की राय को सलाम

गौतम गंभीर की ये बेबाक राय सच में कमाल है. क्योंकि गंभीर खुद आईपीएल से जुड़े हुए हैं. वो लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटॉर हैं जिसके लिए उन्हें बड़ी रकम का भुगतान किया जाता है. लेकिन इसके बावजूद वो आईपीएल के खिलाफ ऐसी बातें कर रहे हैं. हालांकि सवाल ये है कि कौन खिलाड़ी आईपीएल से ब्रेक लेना चाहेगा. क्योंकि भारतीय टीम के ज्यादातर बड़े खिलाड़ियों को आईपीएल टीमें काफी ज्यादा पैसा देती हैं. अगर वो खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे तो इसका असर उनकी जेब पर पड़ सकता है.

पढ़ाई के साथ खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें छात्र : तलसानी

मंत्री ने जिमखाना ग्राउंड में एक दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश के पशुसंवर्धन, मत्स्य एवं डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने युवाओं से पाश्चात्य प्रवृत्ति को छोड़कर सही रास्ते पर चलने का आह्वान किया है। मंत्री श्रीनिवास यादव ने बुधवार को सिकंदराबाद के जिमखाना ग्राउंड में आयोजित एक दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में लगातार भाग लेने से विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। आपके माता-पिता ने आपके भविष्य पर बहुत उम्मीदें लगाई हैं और उन्होंने कहा है कि आपको पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित नहीं होना चाहिए और अपने भविष्य को अंधकारमय बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का पूरे विश्व में बहुत सम्मान और मान्यता है।

उन्होंने कहा कि उनका अभ्यास करें और बड़े होकर सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनें। उन्होंने कहा कि आप राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाकर अपने माता-पिता को पहचान दिलाएं। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा और खेल के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए सभी जिला केंद्रों में खेल परिसर बनाए जाएंगे। इसी प्रकार राजकीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मनबस्ती-माना बाड़ी कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का उपयोग किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि युवा महोत्सव के तहत बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं और कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बताया गया है कि जिन लोगों का चयन यहां हुआ है वे इस माह की 9 व 10 तारीख को महबूबनगर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य स्तर पर चयनित होने वाले 12वीं से 16वीं तक कर्नाटक राज्य के हुबली में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मंत्री ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्रों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी सुधाकर राव, अर्जुन पुरस्कार विजेता अनुकुमार, स्वर्णलता सहित अन्य ने भाग लिया।

एक्सेल ग्रुप ऑफ कंपनीज पर आईटी का छापा

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग के अधिकारी बुधवार को हैदराबाद स्थित एक्सेल ग्रुप ऑफ कंपनीज के ठिकानों पर छापेमारी कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, आईटी अधिकारी 20 टीमों में बंटकर 40 कारों और सीआरपीएफ के तीन वाहनों में पूरे देश में 18 जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं। चंदानगर, गच्चीबावली और बाचुपल्ली में कंपनियों के एक्सेल समूह के तीन कॉर्पोरेट कार्यालयों में आईटी छापे मारे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कंपनी के छह निदेशकों के दफ्तरों के साथ आवासों पर भी आईटी की छापेमारी जारी है।

अधिकारियों ने गच्चीबावली में कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों के मोबाइल और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर लिए। सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों द्वारा कथित रूप से आयकर भुगतान में अनियमितता का पता चलने के बाद आईटी छापे मारे जा रहे हैं।

बीआरएस विधायक ने टोल प्लाजा कर्मचारी को थप्पड़ मारा

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस बेल्लमपल्ली के विधायक दुर्गम चिन्नैय्या ने मंदामारी टोल प्लाजा के कर्मचारी को थप्पड़ जड़ दिया। विधायक अपने वाहने के जाम में फंसने से नाराज थे। इसी लिए उन्होंने कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई और लोगों से नकारात्मक टिप्पणियां मिल रही हैं। घटना मंगलवार रात की है। सीसीटीवी फुटेज में विधायक दुर्गम चिन्नैया टोल प्लाजा कर्मचारी को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं और उनके समर्थक उन्हें रोकने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। कर्मचारी खुद को बचाने के लिए मौके से भाग गया। इस घटना से दुखी टोल प्लाजा के कर्मचारी न्याय की मांग कर रहे हैं और ड्यूटी कर रहे कर्मचारी से अभद्र व्यवहार करने वाले विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं।

विधायक दुर्गम चिन्नैया ने मारपीट के आरोपों से इनकार किया

मंचेरियल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेलमपल्ली के विधायक दुर्गम चिन्नैह ने बुधवार को उन आरोपों से इनकार किया कि उन्होंने मंगलवार रात मंदमरी में राष्ट्रीय राजमार्ग 363 पर एक टोल प्लाजा के कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी। चिन्नैया ने एक बयान में स्पष्ट किया कि उन्होंने प्लाजा के कर्मचारियों के साथ मारपीट नहीं की। उन्होंने कहा कि मंचेरियल-चंद्रपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यों को पूरा करने से पहले फीस के संग्रह से लोग नाखुश हैं। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि मरीजों को चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान इंतजार करने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्होंने कार्यों को पूरा किए बिना वाहन चालकों पर कर लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की गलती पाई। विधायक ने आगे कहा कि प्लाजा से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित रोड ओवर ब्रिज का काम अभी पूरा होना बाकी है।

महिला एसआई समेत तीन पुलिस अधिकारी निलंबित

वारंगल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने एक इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। हरिप्रिया के पति द्वारा वेंकटेश्वरलू के साथ संबंध होने का आरोप लगाने की शिकायत के बाद गीसुगोंडा इंस्पेक्टर रोयाला वेंकटेश्वरलू और डमेरा सब-इंस्पेक्टर ए. हरिप्रिया को निलंबित कर दिया गया। सुबेदारी एसआई पी. पुन्नम चंदर को एक महिला को यौन संबंध में 'आरोपी' के साथ शिकायत दर्ज करने के बजाय उत्पीड़न की घटना में समझौता करने के लिए कहने के लिए निलंबित कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, हरिप्रिया की एक महीने पहले एक व्यक्ति से शादी हुई थी और उसने कथित तौर पर इंस्पेक्टर के साथ अपने पहले के 'संबंध' को जारी रखा था। इसके बाद, उनके पति ने वारंगल सीपी एवी रंगनाथ से संपर्क किया और उनके रिश्ते के सबूत जमा किए। बताया जाता है कि उसने इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर के बीच हुए व्यक्तिगत लेन-देन के व्हाट्सएप चैट का विवरण जमा किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सीएम केसीआर की पहल से गरीब लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ : जगदीश रेड्डी

नलगोंडा, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार की पहल ने राज्य में गरीब लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराई हैं।

जगदीश रेड्डी ने नागार्जुन सागर के कमला नेहरू सरकारी अस्पताल में 75 लाख रुपये की लागत से एक डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन करने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद कॉर्पोरेट अस्पतालों के बराबर स्वास्थ्य सुविधाएं अब सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है। इससे राज्य सरकार के प्रति लोगों में विश्वास पैदा हुआ है और इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में आने वाले लोगों की संख्या में भारी वृद्धि इस बात का प्रमाण है।

यह कहते हुए कि मुख्यमंत्री ग्रामीण क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के इच्छुक हैं, उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक अस्पताल में डायलिसिस केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार डायलिसिस के मरीजों को पेंशन और मुफ्त बस पास की सुविधा दे रही है। तत्कालीन नलगोंडा जिले में कुल मिलाकर 12 डायलिसिस केंद्र पहले ही खोले जा चुके हैं। इस अवसर पर नागार्जुन सागर के विधायक नोमुला भगत, आदिवासी सहकारी वित्त निगम के अध्यक्ष एस्लावथ रामचंदर नाइक और अन्य उपस्थित थे।

तांबे के बर्तन में फंसा दो साल का बच्चा, बचाया गया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वारंगल जिले के पर्वतगिरी मंडल के मुदातेतुला तांडा में एक चौंकाने वाली एक घटना प्रकाश में आई है। खेलते समय एक दो साल का बच्चा तांबे के एक घड़े के अंदर फंस गया। बच्चा तांबे के घड़े को खिलौने के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। इसी बीच खेलते समय वह घड़े में बैठ गया।

इसके बाद वह घड़े से नहीं निकल पा रहा था। उसका पूरा शरीर घड़े के अंदर चला गया। जिसने उसे एक खाली कटोरे में बंद कर दिया। सतह पर सिर का केवल एक हिस्सा दिखाई दे रहा था। माता-पिता प्रयासों के बावजूद उसे घड़े से बाहर निकालने में असफल रहे। उसे पास की एक वेल्डर की दुकान पर लाया गया। कटर की मदद से बच्चें को सफलतापूर्वक बचा लिया गया। बाद में उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

आरजीआईए में खिलौना आउटलेट पर तलाशी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो, हैदराबाद शाखा ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, शमशाबाद में नकली बीआईएस मानक मार्क वाले खिलौने बेचने वाले एक आउटलेट पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। बीआईएस-हैदराबाद ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नकली लाइसेंस नंबर और बीआईएस मानक चिह्न वाले खिलौने जब्त कर लिए गए हैं और बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत कार्रवाई शुरू की जा रही है। कोई भी व्यक्ति जो धारा 17 के प्रावधान का उल्लंघन करता है। दो साले के कारावास के साथ पहले उल्लंघन के लिए 2 लाख रुपये से कम नहीं है, और दूसरे और बाद के उल्लंघन के लिए 5 लाख रुपये से कम जुर्माना नहीं है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 1 जनवरी, 2021 से खिलौनों के लिए बीआईएस प्रमाणन (आईएसआई मार्क) अनिवार्य कर दिया था और बीआईएस को लागू करने वाले प्राधिकरण के रूप में नामित किया था।

खिलौने जो भारतीय मानकों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं। वे शिशुओं और बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

चंद्रबाबू ने बैठक में बाधा डालने के लिए पुलिस को धमकी दी

कुप्पम, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने का प्रयास करते हुए एक 'असहयोग' आंदोलन शुरू किया। जब पुलिस ने स्पष्ट किया कि उन्हें नियमों का पालन करना चाहिए, तो उसने उन्हें यह कहते हुए धमकी दी कि "तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझे नियम बताने की?"

पुलिस ने उन्हें समझाया कि बैठकें करने के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है और वह नियमों का पालन करते हुए बैठकें आयोजित कर सकता है। "क्या? क्या मुझे अनुमति चाहिए?, वह उन पर चिल्लाया और तेदेपा ने एक खुले मैदान में बैठक आयोजित करने के बजाय एक छोटे से मंदिर के सामने आयोजित करने की कोशिश की। इस बीच टीडीपी नेताओं ने बैठक के लिए बाहर से लोगों को जुटाया। भीड़ बेरिकेड्स तोड़ते हुए आगे बढ़ी और पुलिस को उन्हें रोकने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आरोप है कि टीडीपी के कुछ नेताओं ने पुलिसकर्मियों को भी मारा और बाद में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा।

मंचेरियल व आसिफाबाद जिलों को जल्द ही एक और राष्ट्रीय राजमार्ग मिलेगा

मनचेरियल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों को जल्द ही भारतमाला परियोजना योजना के तहत एक और राष्ट्रीय राजमार्ग मिलेगा। नया सड़क नेटवर्क दोनों जिलों में विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को अपनी मंजूरी दे दी और एक साल के लिए ठंडे बस्ते में रखे गए सड़क नेटवर्क के निर्माण के लिए एक हवाई सर्वेक्षण करने के लिए एक अधिसूचना जारी की। सर्वेक्षण मंगलवार को होने की उम्मीद थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके एक-दो दिन में होने की संभावना है। अधिसूचना के अनुसार, इन दो जिलों के आठ मंडलों के 48 गांवों को कवर करते हुए 63 किलोमीटर लंबा चार लेन वाला ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बनाया जाएगा। 70 मीटर चौड़ी सड़क मंचेरियल जिले के तांडूर मंडल के अन्नाराम गांव से शुरू होगी और पड़ोसी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में प्रवेश करने से पहले कुमराम भीम आसिफाबादके कौटाला मंडल के वीरवेली गांव में समाप्त होगी।

राष्ट्रीय राजमार्गको प्राथमिक अनुमानों के अनुसार 225 एकड़ से 270 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। यह मानव बस्तियों में प्रवेश किए बिना कृषि क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। नेटवर्क का उद्देश्य गढ़चिरौली और कुमराम भीम जिलों में माओवादी गतिविधियों के प्रभाव को कम करना और दोनों जिलों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। नया हाईवे तांडूर मंडल में गोमपालापल्ली, अचुलापुर, चंद्रपल्ली, रामपुर, कठेरला, द्वारकापुर, काशीपेट, बोयापल्ली और मदनापुर, बेल्लमपल्ली मंडल में चाकेपल्ली और अंकुसम, रेबेना मंडल में जक्केपल्ली, केसलापुर, कोठागुड़ा, वाडल, लक्ष्मीपुर, कमलापुर, पोथेपल्ली को कवर करेगा।

तेलंगाना में भाजपा को हराने के लिए बीआरएस के साथ काम करेगी माकपा : तम्मिनेनी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (एम) के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा को बढ़ने देने से विकास प्रभावित होगा और राज्य में स्थायी संघर्ष की स्थिति पैदा होगी।

जिले के कुछ वरिष्ठ राजनेताओं, जिन्होंने भाजपा में शामिल होने की योजना बनाई थी, पर समाचार रिपोर्टों का उल्लेख करते हुए, सीपीआई (एम) नेता ने उनसे खम्मम में नफरत की राजनीति को गुंजाइश नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा ने विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दिया।

सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने आज स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में भाजपा को हराने के लिए सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी ने अभी तक उन निर्वाचन क्षेत्रों के बारे में चर्चा नहीं की है जहां से वह अगले विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी।

खम्मम जिले में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वीरभद्रम ने कहा कि वे तेलंगाना में बीआरएस पार्टी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि खम्मम जिले को पिछले 20 वर्षों में एक भी उद्योग नहीं मिला और उन्होंने कहा कि जिले को औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में कोई अच्छी योजना भी नहीं मिली है।

उन्होंने राजनेताओं से खम्मम जिले के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे खम्मम जिले के विकास से जुड़े मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे विधायकों और राज्य के मंत्रियों का समर्थन लेंगे। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक दलों को कोई समर्थन न दें, जो समाज को नुकसान पहुंचाते हैं। राज्य सरकार की दलित बंधु योजना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने राज्य सरकार को स्पष्ट कर दिया कि योजना के तहत राज्य के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 500 दलित बंधु इकाइयां पर्याप्त नहीं होंगी।

नहाते समय महिला का वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में अपने घर के बाथरूम में नहाते समय एक महिला का वीडियो बनाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। महिला के घर के ऊपरी हिस्से में रहने वाले संदिग्ध अखिल को महिला ने सीढ़ी से वेंटिलेटर से चुपके से वीडियो बनाते हुए पकड़ा। पुलिस ने कहा कि महिला ने शोर मचाया और अखिल को पकड़ लिया। उसने अपने परिवार के सदस्यों को सूचित किया, जिन्होंने जुबली हिल्स पुलिस को फोन किया। जुबली हिल्स पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर अखिल को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बच्चों को सरकारी अधिकारियों को सौंपने के बाद पिता ने दे दी जान

रेलवे कोडुर (अन्नमय्या जिला), 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपने चार बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ, कस्बे में एक दिहाड़ी मजदूर की कथित तौर पर आईसीडीएस अधिकारियों को अपने बच्चों को सौंपने के बाद ट्रेन के नीचे कूदकर मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 साल के कलमाड़ी प्रसादबाबू और 28 साल की सुकन्या कुछ समय से यहां रह रहे थे। उनके चार बच्चे थे। दंपति अक्सर झगड़ते पाए जाते थे और कुछ हफ़्ते पहले गुस्से में सुकन्या ने आत्महत्या कर ली थी। इस घटना से परेशान प्रसादबाबू को इस बात की चिंता थी कि वह बच्चों की ठीक से देखभाल नहीं कर पाएंगे, उन्होंने 29 दिसंबर को उन्हें एकीकृत बाल विकास योजना के अधिकारियों को सौंप दिया। नए साल के दिन रविवार को वह यह कहकर अपने बच्चों से विदा लेने गए कि अब उनसे मिलने नहीं आ पाएंगे। इसके बाद रेलवे स्टेशन के पास उसने यह कदम उठाया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.